रजि० सं० डी-(डी)-73



REGISTERED NO. D-(D)-73

# 3-गरत का राजप

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 23]

नई दिल्ली, शनिवार, जुन 5, 1976 (ज्येष्ठ 15, 1898)

No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 5, 1976 (JYAISTHA 15, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग ]]]--खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मंघ लोक सेवा स्रायोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 30 अप्रैल 1976

सं० ए० 32014/2/75-प्रशासन III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिववालय स्टेनोग्राफर सेवा संवर्ग के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न आधार पर कार्य कर रहे श्री एम० ए० गणपित राम को राष्ट्रपित द्वारा 30 अप्रैल 1976 के अपराह्म से केन्द्रीय सिववालय स्टेनोग्राफर सेवा के उसी संवर्ग के चयन ग्रेड में प्रत्यावितत किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी ग्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

मंत्रिमंडल मचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1976

सं० पी० एक०/एस०-158/67-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा, उड़ीसा राज्य के अधिकारी श्री एस० राठा को तदर्थता 96GI/76

के ग्राधार पर दिनांक 16-4-76 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश तक के लिए केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-ग्राधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मई 1976

सं० के-12/71-प्रशासन-5—श्री के० सोहन दास, पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली ने दिनांक 15-4-76 के ग्रपराह्न में पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया।

उनकी सेवाएं तमिलनाडू राज्य सरकार को <mark>वापस सौंप</mark> दी गईं।

> गुलजारी लाल ग्रग्नवाल प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यरो

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1976

सं० 4/7/76-प्रशासन—थी डी० एन० बाहरी, केन्द्रीय सतर्कता स्रायोग के स्थायी स्रनुभाग स्रधिकारी ने भारतीय स्रौषध एवं भेषज लिमिटेड (भारत सरकार का संस्थान) में प्रतिनियुक्ति पर सतर्कता स्रधिकारी के पद के लिए चुने जाने पर, 30 स्रप्रैल 1976 के स्रपराह्न से स्रायोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री निवास

ग्रवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता ग्रायक्त

4661

#### गृह मंत्रालय

#### महानिदेणालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

#### नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 श्रप्रैल 1976

- सं ब्रो॰-II-1045/76-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर वी॰ दिलिप मूर्ति को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में किनिष्ठ चिकित्सा ब्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में 3 महीनों के लिए 11-3-76 पूर्वीह्न से नियुक्त करते हैं।
- डाक्टर बी० दिलिप मूर्ति को 2 बेस श्रस्पताल, के० रि० पू० दल, हैदराबाद में तैनात किया जाता है ।
- सं० ग्रो०-Il-1046/76-स्थापना—राप्ट्रपति, डाक्टर कोशी एपन को केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में 3 महीनों के लिये 13-3-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।
- डाक्टर कोशी एपन 2 बेम अस्पताल के० रि० पु० दल, हैदराबाद में तैनात किये जाते हैं।

#### दिनांक 26 अप्रैल 1976

- सं० म्रो०-II-69/76-ईस्ट०---राष्ट्रपति, कर्नल एस० डब्लू० स्केड्ड र जो कि भारतीय स्थल सेना के एक श्रधिकारी हैं को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति पर श्रस्थाई रूप में कमान्डेन्ट के पद पर श्रगले श्रादेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।
- उन्होंने केन्द्रीय रिजर्ष पुलिस दल की 41वीं बटालियन में कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार 6 श्रप्रैल के पूर्वाह्न को सम्भाला।

#### दिनांक 4 मई 1976

- सं० भ्रो-II-1033/75-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर श्रीमित श्यामा रैना की तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर उनको 22-4-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।
- सं० भ्रो०-II-1032/75-प्रशासन—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल डाक्टर श्रीमित ज्योतसनमाय नायक की तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में किनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर उनकी 3-4-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर श्रीमति ज्योतसनमाय नायक की गरुप सैंटर हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ईमफाल में नियुक्त किया जाता है।

सं० भ्रो०-11-1038/75-स्थापना—-महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल डाक्टर श्रीमति ऊषा जैन को तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल में कनिष्ट चिकित्सा ग्रिधिकारी के पद पर उनको 18-4-76 पूर्वीह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर श्रीमति उत्था जैन को गरुप मैन्टर नं० 2 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, ग्रजमेर में नियुक्त किया जाता है।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक प्रशासन

#### महानिरीक्षक का कार्यालय

#### केन्द्रीय स्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 17 श्रप्रैल 1976

मं० ई०-38013(3)/3/76-प्रणा०-1—केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो इस्पात लि०, बोकारो इस्पात सिटी से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० एल० प्रसाद ने श्री सी० भ्रार० सिंह के स्थान पर दिनांक 24 मार्च, 76 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, एफ० एस० डी० दीघाघाट, पटना, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया । श्री सी० श्रार० सिंह ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड दिया।

#### दिनांक 28 ग्रप्रैल 1976

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रशा० — राष्ट्रपति, निरीक्षक छी० डी० देवाने को दिनांक 24-3-76 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, मद्रास उर्वरक लिमिटेड, मनाली, मद्रास का स्थानापन्न रूप में सहायक कमांडेंट नियुक्त करने हैं और उन्होंने श्री एम० बालाकृष्णन के स्थान पर उसी तारीख से उपरोक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री एम० बालाकृष्णन् ने दिनांक 24-3-76 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दक्षिणी क्षेत्र, मद्रास के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सि० बिष्ट महानिरीक्षक

#### भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 अप्रैल 1976

सं० 11/7/75-म० पं० (प्रशा०-एक) — राष्ट्रपति, राजस्थान में जनगणना कार्य के निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक, श्री एस० श्रार० लुहाडिया को मध्य प्रदेश में जनगणना कार्य के निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य के निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य के उप-निदेशक के रूप में 22 मार्च, 1976 के पूर्वाह्म से छह महीने की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, पूर्णत: श्रस्थायी श्रौर तब्र्ष श्राधार पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

- 2. श्री एस० श्रार० लुहाडिया का मुख्यालय भोपाल में होगा।
- सं० 11/7/75-म० पं०(प्रशा०-एक)---राष्ट्रपति, पंजाब में जनगणना निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक, श्री जे० सी० कालरा को बिहार में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य के उप निदेशक के रूप में 19 मार्च, 1976 के पूर्वाह्म से छह महीने की स्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्रीधार पर भरा जाएगा जो भी ममय इनमें कम हो, पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।
  - 2. श्री जे० सी० कालरा का मुख्यालय पटना में होगा।

#### विनांक 27 श्रप्रैल 1976

सं० 25/15/73-म० पं० (प्रशा० I)—-राष्ट्रपति, इस कार्यालय की ग्रधिसूचना सं० 25/15/73-म० पं० (प्रशा०-I), तारीख 16 दिसम्बर, 1975 के श्रनुक्रम में, श्री टी० श्रार० राजगोपालन के तमिल नाडु में जनगणना कार्य के उप-निदेशक के रूप में पुनर्नियोजन की ग्रवधि को 1 जून, 1976 से 31 ग्रगस्त, 1976 तक तीन माह के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री टी० श्रार० राजगोपालन का मुख्यालय मद्रास में ही रहेगा ।

रा० भ० चारी भारत के महापंजीकार **ग्र**ौर **पदेन** संयुक्त सचिव

वित्त मंत्रालय

(ग्राधिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 23 श्रप्रैल 1976

सं० 148/ए--श्री व्ही० व्ही० बापट, मुख्य लेखापाल केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, नासिक रोड को केन्द्रीय मुद्रांक भंडार में (डितीय श्रेणी राजपित्रत पद) सहायक टिकटि नियंत्रक के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 में तदर्थ रूप में 12-4-76 के पूर्वाह्म से 30 जून 1976 तक नियुक्त किया जाता है ग्रथवा तब तक नियमित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाय।

सं० 149/ए०—श्री व्ही० जी० साने, निम्नांकित श्रधिकारी को भारत प्रतिभृति मुद्रणालय में (द्वितीय श्रेणी राजपित्रत पद) उप नियंत्रण श्रधिकारी के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रू० 650—30—740—35—810—ई० बी०—35—880—40—1000— ई० बी०—40—1200 में तदर्थ रूप में 12-4-76 के पूर्वाह्न से 30-6-76 तक नियुक्त किया जाता है श्रथवा तब तक नियमित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाय।

सं० 150/ए०—-दिनांक 10-2-76 के क्रम में श्री डी० पी० जांबोटकर को खरीद श्रिधकारी के पद पर भारत प्रतिभृति मुद्र-णालय में तवर्थ रूप में उन्हीं शर्तों के साथ 30 जून 1976 तक नियक्त करते हैं।

> वि० ज० जोशी महाप्रबन्धक भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

बैंक नोट मुद्रणालय देवास, दिनांक 27 म्प्रपैल 1976

फा॰ सं॰ बी॰ एन॰ पी॰/सी॰/६/76—श्री गणपति दिसावल, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (विधुत) को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में रूपये 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰-40-1200 के वेतनमान में सहायक इंजीनियर(विधुत)के पद पर स्थानापन्न तौर पर तदर्थ प्रधिकार पर पदोन्नत किया जाकर दिनांक 30-4-76 (ग्रपराह्न) से नियमित रूप से ग्रन्य श्रादेणों तक स्थानापन्न की समान योग्यता पर नियुक्त किया जाता है।

#### दिनांक 1 मई 1976

फा० सं० बी०एन०पी०/ई०/8/एच०-4--श्री के० सी० हिन्डोल को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में उप नियन्त्रण अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर की गई नियुक्ति 31-3-76 के उपरान्त दो दिन की अविध के लिए नियमित श्राधार पर निरन्तर की जाती है।

> डी० सी० मुखर्जी महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

सं० 1691/रा० स्था० 1/111-76

नई दिल्ली, दिनांक 26 श्रप्रैल 1976 1. सं० 5822/रा० स्था० I/एस०-157/पी० एफ०, दिनांक 18-10-75

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने श्री वाई०सी० सत्यवाधी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के वरिष्ठ वेतनमान (रु० 1100-1600) में 18 श्रप्रैल 1975 (ग्रपराह्म) से 25 मई 1975 तक की श्रविध के दौरान तथा 29 मई 1975 (ग्रपराह्म) से श्रगले श्रादेश मिलने तक ग्रस्थायी रूप में ग्रार ग्रपने वरिष्ठ ग्रधिकारियों के दावों को क्षति पहुंचाए बिना सहर्ष नियुक्त किया है।

18 अप्रैल 1975 (अपराह्म) से 25 मई 1975 तक की अविधि के दौरान उन्होंने अपने कर्तव्य-भार के अतिरिक्त महालेखाकार (II) महाराष्ट्र, नागपुर के कार्यालय में उप महालेखाकार (प्रणासन) का कार्यभार भी संभाला।

सं० 6864/रा० स्था०1/123-70, दिनांक 26-12-75

शारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के निम्नलिखित श्रिधकारियों को प्रत्येक के सम्मुख लिखी हुई तिथियों से कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में स्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

श्री एस० जयारमन—20 दिसम्बर 1973।
श्री के० जे० कुरियन—23 जनवरी 1974।
श्री सी० एस० मेनन—29 जनवरी 1974।
श्री एम० रामास्वामी—1 सितम्बर 1974।
श्री एम० रामाचन्द्रन—1 सितम्बर 1974।
श्री एस० रामचन्द्रन—1 सितम्बर 1974।
श्री ए० एन० कोहली—1 सितम्बर 1974।
श्री ए० एन० कोहली—1 सितम्बर 1974।
श्री ए० एन० विश्वास—1 सितम्बर 1974।
श्री सी० वेंकटारमन—1 सितम्बर 1974।
श्री वी० सुन्नामनियन—1 सितम्बर 1974।
श्री के० रंगानाधम—1 सितम्बर 1974।
श्री एम० पार्थासारथी—1 सितम्बर 1974।
श्री मनजीत सिंह—1 सितम्बर 1974।
श्री बी० एम० के० मट्टू—1 सितम्बर 1974।

श्री के० एन० मृति—-1 सितम्बर 1974। श्री एस० पी० जोशी---1 सितम्बर 1974 । श्री ग्रो० पी० गोयल--। सितम्बर 1974। थी जी० सी० रधुबीर--। सितम्बर 1974। श्री एम० कें० बहल--- 1 मितम्बर 1974। श्री एम० एन० पटनायक--। सितम्बर 1974। श्री डी० एन० घोष--। सितम्बर 1974। श्री जें० डी० सूद--1 सितम्बर 1974। श्री सी० श्रार० मुखर्जी--। सितम्बर 1974। श्री एम० वाई० रानाडे--1 सितम्बर 1974। क्० भ्रम्निता ग्रोवर--1 सितम्बर 1974। श्रीमति ग्राई० इन्दिरा मेनन--1 सितम्बर 1974 । श्री के० श्रार० रविन्द्र नाथ--1 सितम्बर 1974। श्री ए० कृष्णन--1 सितम्बर 1974। श्री टी० पी० खोसला--1 सितम्बर 1974। श्री पी० के० विश्वास--- 1 सितम्बर 1974। श्री ग्रार० सरन--1 सितम्बर 1974। श्री पी० भट्टाचार्जी--- 1 मितम्बर 1974। श्री बी० सी० दासगुप्ता--- 1 सितम्बर 1974। श्री वेद प्रकाश-1 सितम्बर 1974। श्री एम० ए० कादिरी--1 सितम्बर 1974। श्री ए० एम० लंकर—-1 सितम्बर 1974। श्री ए० एन० चाक्——1 सितम्बर 1974। श्री रामस्वामी श्रार० श्रायर--1 सितम्बर 1974 श्री डी० बी० एम० सचदेव---। सितम्बर 1974। श्रीमती गिरजा ईश्वरन--- । सितम्बर 1974 । श्री बी० ग्रार० काटे--1 सितम्बर 1974 । श्री डी० के० चऋवर्ती--- 1 सितम्बर 1974। श्री के० भ्रार० बालिगा--- 1 जनवरी 1975। श्री के० ग्रार० पार्थासारथी--1 मई 1975। श्रो एस० सी० मुखर्जी——1 सितम्बर 1975। श्री वी० के० सुब्रामनियन--- । सितम्बर 1975 । श्री सी० पी० मित्तल——। सितम्बर 1975। श्री एस० सी० मित्तल--- 1 सितम्बर 1975। श्री एस० एस० ग्रहमद--। सितम्बर 1975। श्री बाई० पी० पासी--1 सितम्बर 1975। श्री ग्रार० राजागोपालन—1 सितम्बर 1975 । श्री एस० जी० स्टीफेन---1 सितम्बर 1975। श्री के० एल० झींगन--। सितम्बर 1975। श्री ग्रार० पी० श्रीवास्तव--- 1 सितम्बर 1975। श्री श्रो० एस० कुट्टी--1 सितम्बर 1975। श्री भ्रार० के० गांगली---1 सितम्बर 1975 । श्री जे० वीरासववा---। सितम्बर 1975। श्री राजेन्द्र कुमार--- । सितम्बर 1975 ।

थी स्रार० एस० गुप्ता--- 1 सितम्बर 1975। श्री जी० एम० मणि--- 1 दिसम्बर 1975।

श्री ब्रार० एस० मन्डेर के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में स्थायीकरण की तारीख को पीछे लाकर 29-5-1973 कर दिया गया है ।

सं० 10-रा० स्था० [/बी०-57/पी० एफ० ∐ दिनांक 3-1-76

लोक हित में 1 सितम्बर 1975 से भारतीय यूरेनियम कारपोरेशन लि० जाडूगुडा (भारत सरकार का उद्यम) में उनके स्थायी रूप से विलयन के फलस्वरूप, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 37 के प्रधीन श्री एम० एम० भट्टाचार्य, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को उसी तारीख से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुआ समझा जाता है।

श्री वेद प्रकाश, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने दिनांक 30 दिसम्बर 1975 (ग्रपराह्म) से महालेखाकार (II) उत्तर प्रदेश इलाहाबाद का कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कुं० ग्रम्प्रिता ग्रोवर भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को कार्यभार से मुक्त किया।

5. सं० 420-रा० स्था०-I/बी० 28/पी० एफ० V, दिनांक 30-1-76

13 नवम्बर 1975 से 28 दिसम्बर 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एम० के० बहल, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा ने 29 दिसम्बर 1975 (पूर्वाह्म) से महालेखाकार त्रिपुरा, ग्रगरतल्ला के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री जी० सी० रघुबीर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को कार्यभार से मुक्त किया।

6. सं० 635-रा० स्था० I/जी० I/पी० एफ०-V, दिनांक 10-2-76

19 दिसम्बर 1975 से 13 जनवरी 1976 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री जी० बी० सिंह, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा ने 14 जनवरी 1976 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री एस० पी० गुगनानी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को कार्य-भार से मुक्त किया।

- 7. सं० 636-रा० स्था० 1/म्रार० 13/पी० एफ० III, दिनांक 10-2-76
- 1, 25 तथा 26 जनवरी 1976 की छुट्टियां जोड़ने की अनुमित सिहत 2 जनवरी 1976 से 24 जनवरी 1976 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री के० एस० रंगामूर्ति, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा, सेवा ने 27 जनवरी 1976 (पूर्वाह्न) से मुख्य लेखापरीक्षक, उत्तर रेलवे के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने श्री एच० एम० एस० भटनागर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को उनके श्रतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

8. सं० 675-रा० स्था० <sup>1</sup>/V-/10/पी० एफ० IV

महालेखाकार, ग्रसम, मेघालय, ग्ररुणाचल प्रदेश ग्रौर मिजोरम शिलांग के कार्यालय के ग्रपर महालेखाकार श्री वी० वी० वर्मा, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा मेवा ग्रपनी ग्रधिविधता वय प्राप्त करने पर 31-1-76 (ग्रपराह्म) मे सेवा निवृत्त हो गये हैं। 9. सं० 906 रा० स्था० [/सी०-1/पी० एफ० VI, दिनांक 27-2-76

महालेखाकार, श्रसम ग्रादि शिलांग के कार्यालय के विशेष कार्याधिकारी श्री एम० एल० चोपड़ा, भारतीय लेखा तथा लेखा-परीक्षा सेवा, 5 फरवरी 1976 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

10. सं० 1023-रा० स्था० 1/326-71 दिनांक 10-3-76

भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सम्मुख लिखी हुई तिथियों से, मूल नियम 30(1) के द्वितीय परन्तुक के प्रधीन महालेखाकार स्तर II ग्रेड (६० 2250-125/2-2500) में ग्रमले ग्रादेश मिलने तक उनके नाम के सम्मुख लिखे हुए पदों को धारण करते हुए स्थानापन्न रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं—

श्री ए० कृष्णन वित्तीय नियन्त्रक 30-12-75
गुयाना बाक्साइट (श्रपराह्म)
कं० लि० जार्ज टाउन
गुयाना ।

गुयाना ।

2. श्री के० ध्रार० वित्तीय सलाहकार 12-1-76
रिवन्द्रनाथ तथा मुख्य लेखा श्रिध- (श्रपराह्न)
कारी, केन्द्रीय जल
विद्युत परियोजना
नियन्त्रण बोर्ड, नई
दिल्ली ।

एम० एम० बी० श्रन्नावी सहायक नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (कार्मिक)

कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 19 श्रप्रैल 1976

सं०प्रशासन-1/2(4) / /264-69—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रिधिकारियों (लेखा तथा लेखापरीक्षा) की प्रत्येक के सामने लिखी तिथियों से श्रपने कार्यालय में श्रस्थायी लेखाधिकारियों के पद पर, श्रगले ग्रादेश तक, ग्रनन्तिम रूप से पदोन्नति करते हैं:—

सर्वश्री

8. पी० एस० रंजन

1. विपिन चन्द 1-4-76(पूर्वाह्म) 2. एम० एस० नेगी 1-4-76 3. जे० के० **जै**न 1-4-76 महालेखाकार वाणिज्य, 4. एस० पी० जैन 1-4-76 निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली के 5. बी० एल० मदान 1-4-76 कार्यालय में। एल० एन० दत्ता 1-4-76 7. एस० पी० पूरी 1-4-76

7-4-76

9. एन० श्री निवासन 2-4-76

वरिष्ठ उप महालेखा-कार वाणिज्य,निर्माण कार्य तथा विविध, वम्बई के कार्यालय में।

बी० बी० देव राय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1976

का० भ्रा० सं० प्रशासन-1/41(जी०श्रो०)/एन० सी० श्रार०/2—निवर्तन की ग्रायु (58 वर्ष) पूरी होने पर इस कार्यालय के स्थायी लेखा ग्रधिकारी श्री एन० सी० राय 1-4-76 (पूर्वाह्न) से सेवानिवृक्ष हो गए।

उनकी जन्मतिथि 29-3-1918 है।

ग० न० पाठक, महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

कार्यालय, महालेखाकार, डाक-तार दिल्ली-110054, दिनांक 27 श्रप्रैल 1976

का० श्रा० सं० 1/प्रशासन-5/23(ए,o)(2) श्रार०—निदेशक लेखा व लेखापरीक्षा डाक-सार कलकत्ता कार्यालय के स्थायी लेखाधिकारी श्री ग्रार० एस० मुखर्जी दिनांक 29-2-1976 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

पी० एन० मालवीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (मु० 1)

कार्यालय, महालेखाकार, पश्चिम बंगाल कलकत्ता, दिनांक 26 अप्रैल 1976

महालेखाकार पश्चिम बंगाल ने स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी श्री णिशिर कुमार भौमिक को श्रस्थायी श्रौर स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर दिनांक 26-4-76 या श्रगला श्रादेश जारी होने तक बहाली करने की कृपा की है।

इनकी पारस्परिक वरिष्ठता लेखा श्रधिकारी के पद पर बाद में श्रंकित की जायेगी ।

> धनश्याम दास, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०) पश्चिम वंगाल

कार्यालय, महालेखाकार, राजस्थान जयपुर, दिनांक 29 ग्रप्रैल 1976

क्रमांक प्रशासन/II/जी०/ग०/न०—महालेखाकार कार्यालय राजस्थान के निम्नलिखित श्रनुभाग श्रिधकारियों को उनके स्रागे दी हुई तिथियों से श्रग्रतर श्रादेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापश्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है :——

		_		
क्रमांक			तिथि	 जब से
			स्थानाप	न्न लेखा
			ग्रधिका	री किया
			;	गया
सर्वश्री				<del></del>
1. तोता र	ाम जैन		19-4-76	(पूर्वाह्म)
2. सीतारा	म शर्मा	-	7-4-76	(पूर्वाह्न)

र० भ० बोरकर वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) राजस्थान कार्यालय, महालेखाकार, आन्ध्र प्रवेश-1

हैदराबाद-500004, दिनांक 3 मई 1976

सं० ई० बी० 1/8-312/74-77/42—महालेखाकार, ग्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के ग्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एच० सूर्यनारायण मूर्ति को महालेखाकार ग्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर 28-4-76 के ग्रपराह्न से जब तक श्रागे श्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० ग्रार० मुखर्जी प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

#### रक्षा लेखा विभाग

#### कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 27 श्रप्रैल 1976

सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए०---(1) वार्धक्य निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा ग्रिधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के श्रपराह्म से पेंशन स्थापना को भन्तरित कर दिए गए जाएंगे :---

क्षम नाम, रोस्टर संख्या सहित सं०	ग्रेड	पेंशन स्थापना को ग्र <sup>ं</sup> तरण की तारीख	<b>संगठ</b> न
(1) (2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री		<del></del>	
$1. \; \mathrm{v}_{ m H}$ ० राजगोपालन $\left( \mathrm{vl}_{ m 0}/24  ight)$	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
2. के <b>०</b> मस्लिकार्जुन राव (पी०/115)	स्थायी लेखा म्रधिकारी	3 0- 6- 7 6	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
3. एफ० ए० वेंजामिन शूसाई (पी०/1 <b>7</b> 0)	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-5-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता ।
4. एम० वी० क्रष्णामूर्थी (पी०/240)	<i>स्</i> थायी लेखा ग्रधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (नौ सेना), बम्बई ।
<ol> <li>म्रार० पद्मनाभन (पी०/247)</li> </ol>	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (नौ सेना), बम्बई ।
6. एस० रामानाथन (पी०/291)	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-6-76	रक्षा लेखा  नियन्त्नक, दक्षिणी कमान, पूना ।
7. एस० नारायणा राव (पी०/367)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता ।

1 2	3	4	5
 8. वी० के० सुब्रह्मन्थन (पी०/381)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
9. एस० वर्दाचारी (पुरानी सं० ग्रो०/16)	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-8-76	रक्षा लेखा  नियन्त्रक, (वायु सेना), देहरादून ।
10. ए० सोमा सुन्दरम (पुरानी सं० श्रो०/30)	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	3 0- 6- 7 6	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
i1. बी० पी० छिब्बर (पुरानी सं० भ्रो०/62)	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-8-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायु सेना), देहरादून ।
12. ए० जानकीरमन (पुरानी सं० श्रो०/80)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
13. एच० के० बनर्जी (म्रो०/225)	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-5-76	् रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता ।

श्री एस० नारायणा राव स्थायी लेखा - ग्रिधकारी को उनकी सेवा निथृत्ति पूर्व 3-12-75 से 31-3-76 तक 120 दिन की ग्रिजित छुट्टी मंजुर की गई है।

(2) सिविल सेवा नियमावली जिल्द I के श्रनुच्छेद 459 (झ) के प्रावधानों के श्रन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिए जाने पर, रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून के संगठन में सेवारत श्री राम लाल श्रानंद, स्थायी लेखा श्रधिकारी (रोस्टर सं० पी०/244) को 24 जून 1976 पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को श्रंतरित कर दिया जाएगा।

इस विभाग की ग्रिधिसूचना सं० 40011(2)/75 प्रणा० ए० दिनांक 17-3-76 की क्रम सं० 2 के सामने श्री राम लाल ग्रानस्द सम्बन्धी प्रविष्टियां रह की जाती हैं।

(3) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए० दिनांक 28-2-76 के उप-पैरा (2) के रूप में जोड़ा जाता है:

''श्री घ्रार० भाष्यम, स्थायी लेखा ग्रधिकारी को केन्द्रीय सिविल सेवा (परिशोधित) छुट्टी नियमावली के नियम 39(6) के ग्रधीन 30-4-76 से 12-7-76 तक 74 दिन की घ्राजित छुट्टी मंजूर की गई है ।''

> एस० के० सुन्दरम रक्षा लेखा श्रपर महा नियन्स्नक (प्रशा०)

#### रक्षा मंत्रालय

महानिदेणालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा कलकत्ता, दिनोक 17 श्रप्रैल 1976

सं० 27/76/जी०—डी० जी० ग्रो० एफ०—निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रफसरों को उल्लिखित तारीखों से उस श्रेणी में मौलिक रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

- श्री हरपद चौधुरी (ग्रब अवकाश प्राप्त) -- 8वीं ग्रप्रैल, 1968 ।
- 2. श्री हरि भूषण घोष--- 8वीं श्रप्रैल, 1968।
- श्री प्रफुल्ल नाथ सान्याल—- 8वीं श्रप्रैल, 1968।
- 4. श्री तीर्थ प्रसाद वाग्ची (श्रव श्रवकाण प्राप्त) -- 8वीं सप्रैल, 1968।

- 5. श्री कनाई लाल मुखर्जी--8वीं ग्रप्रैल, 1968।
- 6. श्री हरिपद चटर्जी--8वीं भ्रप्रैल, 1968।
- श्री मनीन्द्र नाथ मोइता (श्रव श्रवकाण प्राप्त)---8वीं श्रप्रैल, 1968 ।
- 8. श्री शिलानन्द ब्रह्मचारी (श्रब श्रवकाण प्राप्त)—8वीं श्रप्रैल, 1968 ।
- श्री पुलिन बिहारी घोष (ग्रब श्रवकाण प्राप्त) 8वीं ग्रप्रैल, 1968।
- 10. श्री सत्यव्रत नाग---8वीं ग्रप्रैल, 1968।
- 11. श्री गोपाल चन्द्र दास गुप्ता (ग्रब ग्रवकाण प्राप्त)—8वीं श्रप्रैल, 1968 ।
- 12. श्री तिमिर रंजन दत्ता--8्यी श्रप्रैल, 1968।
- 13. श्री ग्रभिय रंजन बोस---8वीं श्रप्रैल, 1968।
- 14. श्री निर्मल चन्द्र सेन गुप्ता--8वीं भ्रप्रैल, 1968।

- 15. श्री भूपति भूषण विश्वास--- 8वीं श्रप्रैल, 1968।
- 16. श्री णान्ति कुमार बनर्जी--8वीं श्रप्रैल, 1968।
- 17. श्री राजेश्वर मिल्रा (स्रत स्रवकाण प्राप्त)---8वीं स्रप्रैल, 1968।
- 18. श्री क्षिरोद लाल सेनगुप्ता-- 8वीं श्रप्रैल, 1968।
- 19. श्री श्रमरेन्द्र नाथ चौधरी-- 23वीं नवम्बर, 1968।
- 20. श्री प्रवाश कुमार मुखर्जी (ग्रब ग्रवकाश प्राप्त)—16वीं दिसम्बर, 1969 ।
- 21. श्री कृष्ण लाल देवनाथ--31वीं दिसम्बर, 1969।
- 22. श्री सुरेश चन्द्र बनर्जी (श्रव श्रवकाश प्राप्त)——1ली फरवरी, 1970।
- 23. श्री कालीपद मुखर्जी--- 10वीं मई, 1970।
- 24. श्री एस० शिवशंकरन (श्रव श्रवकाश प्राप्त)---1ली सितम्बर, 1970।
- 25. श्री नारायण दास चौधरी---।ली सितम्बर, 1970।
- 26. श्री सुबोध चन्द्र चौधुरी (श्रव श्रवकाण प्राप्त)---1ली सितम्बर, 1970।
- 27. श्री गुरु प्रसाद मजुमदार (ग्रब श्रवकाश प्राप्त)——1ली सितम्बर, 1970 ।
- श्री सुनील कुमार दत्ता (अब अवकाश प्राप्त)---1ली सितम्बर, 1970।
- 29. श्री भवानी प्रसाद दत्ता (ग्रब ग्रवकाण प्राप्त)——1ली सितम्बर, 1970 ।
- 30. श्री नलिनी मोहन चटर्जी--- 1ली श्रक्टूबर, 1970।
- 31. श्री मुबोध कुमार मित्तर (श्रव श्रवकाश प्राप्त)—--28वीं नवम्बर, 1970 ।
- 32. श्री पतित पावन जाना (ग्रब भ्रवकाश प्राप्त)—-13वीं जुलाई, 1971।
- 33. श्री विपुलेन्द्र नाथ मिला--- 1ली श्रक्टूबर, 1971।
- 34. श्री व्योमकेश मानिक-- 1ली मई, 1972।
- 35. श्रीमती श्रत्नेयी मजुमदार (श्रब श्रवकाश प्राप्त)—1ली मई, 1972।
- 36. श्री जीवन कृष्ण बनर्जी (श्रव श्रवकाश प्राप्त)—27वीं जुलाई, 1972।
- 37. श्री नरेन्द्र मोहन गांगुली (भ्रब श्रवकाण प्राप्त)—27वीं दिसम्बर, 1972 ।
- 38. श्री रघुनाथ दासगुप्ता-- 1ली फरवरी, 1973।
- 39. श्री शीतल चन्द्र मजुमदार (श्रब श्रवकाश प्राप्त)—-15वीं मई, 1973 ।
- 40. श्री अनिलेश्वर मुखर्जी (श्रब श्रवकाण प्राप्त)---1ली ग्रगस्त, 1973।
- 41. श्री महिम रंजन घोषाल--1ली नवम्बर, 1973।
- 42. श्री बी॰ वेंकटेश्वरन, (श्रव श्रवकाश प्राप्त)--1ली जनवरी, 1974।
- 43. श्री वी० कैलाशम्—ाली जनवरी, 1974।
- 44. श्री पार्वती कुमार गोस्वामी--1ली जनवरी, 1974।
- 45. श्री श्रनन्दा मोहन घोष--1ली फरवरी, 1974।

- 46. श्री हेमतोष कुमार नाथ (श्रव श्रवकाश प्राप्त)—1ली श्रप्रैल, 1974 ।
- 47. श्री श्रनिमेष दासगुष्ता—1ली जुलाई, 1974 ।
- 48. श्री निर्मलचन्द्र दास---1ली जुलाई, 1974।
- 49. श्री प्रशान्त कुमार मल्लिक---1ली जुलाई, 1974।
- 50. श्री साधन बिहारी सरकार (श्रव दिवंगत)---1ली जुलाई, 1974 ।
- 51. श्री रंजीत कुमार दास---1ली जुलाई, 1974।
- 52. श्री प्रभात चन्द्र नाथ -- 6वीं श्रगस्त, 1974 ।

डी०जी०श्रो०एफ०म्ख्यालय, स्टेनोग्रोफर सेवा

सं० 28/76/जी—-डी० जी० श्रो० एफ० ने श्री वैद्यनाथ नटराजन, स्थानापन्न स्टेनोग्राफर (सेलेक्शन ग्रेड) डी० जी० श्रो० एफ० के पी० एस० श्रो० को उस श्रेणी में दिनांक 1ली सितम्बर, 1970 से मौलिक ग्राधार पर सहर्ष नियुक्त किया।

एम० पी० स्रार० पिल्लाय सहायक महानिदेशक, श्रार्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय त्रायात तथा निर्यात क्यापार नियंत्रण (स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1976

सं० 6/312/55-प्रणा० (राज०)/2775—सेवा निवर्तन श्रायु प्राप्त करने पर श्री एम० डी० चिटनिस ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 31 मार्च, 1976 के श्रपराह्न से नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार सौंप दिया।

सं० 6/419/56 प्रणा० (राज०)/2769---सेवा निवर्तन म्रायु प्राप्त करने पर श्री यू०बी० परदेसी ने संयुक्त मुख्य नियंत्रण,श्रायात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में 31 मार्च, 1976 के अपराह्म से नियंत्रक, म्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार सौंप दिया।

> पी० के० कौल मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 27 श्रप्रैल 1976

सं० 6/1046/74-प्रणा० (राज०)—मुख्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात एतद्द्वारा श्रादिवासी क्षेत्र एवं पिछड़े वर्गों के कल्याण विभाग, ग्रसम सरकार डिश्रूगढ़ में जिला समाज कल्याण ग्रिधिकारी श्री जे० एल० दास को उप-मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कानपुर में 22 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात, श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री जे० एव० दास, नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियमों के श्रनुसार 650-30-740-35-810-दक्षता रोध-35-880-40-1000-दक्षता रोध-40-1200 रुपये के वेतन-मान में वेतन प्राप्त करेंगे।

#### दिनांक 29 ग्रप्रैल 1976

सं० 5/8/70-प्रशा० (राज०) /2736--मुख्य नियंत्रक, श्रामात-निर्यात एतद्बारा श्रामात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन, वाणिज्य मंत्रालय में 15-10-1971 से श्री पी० श्रार० नारंग को नियंत्रक, श्रामात तथा निर्यात (श्रेणी-2) के पद में स्थायी करते हैं।

ए० टी० मुखर्जी उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात क्ते मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

# वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1976

सं० सी० ई० ग्रार०/17/76—सूतीवस्त्र (नियंत्रण) ग्रावेण 1948 के खंड 21 के उपखंड (5) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र श्रायुक्त की ग्रिधसूचना सं० सी० ई० ग्रार०/17/74 दिनांक 14 जनवरी 1974 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं, श्रर्थात् :—

उक्त श्रधिसूचना में निम्नलिखित परंतुक जोड़ दिया जाएगा, श्रर्थात् :--

"उपर्युक्त पैरा 1 के उपबंध के बावजूद भी प्रत्येक सूत विनिर्माता, मई मास 1976 में श्रौर उसके बाद प्रत्येक मास में, 1 मई 1976 से श्रारंभ होकर 31 अक्तूबर 1976 को समाप्त होने वाली छः मास की अविध में नागरिक उपभोग के लिये हैं के के रूप में सूत पैक करेगा जिसका अनुपात उसके द्वारा वर्ष 1972 में नागरिक उपभोग के लिये हैं के के रूप में पैक किए गए सूत के श्रौसत मासिक श्रनुपात से कम न होगा।"

गौरी शंकर भार्गव संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

# पटसन भ्रायुक्त का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 1976

सं० जूट (v)/147/65—पटसन श्रायुक्त, उसी कार्यालय में श्री के० के० दास, निरीक्षक  $(\pi a)$ को, श्री डी० के० दत्त के श्रवकाश जाने पर, 1 मई, 1976 (पूर्वाह्न) से 15 जून, 1976 तक के लिए वेतनमान रु० 650-1200 रु० पर तदर्थ स्थानापन्न रूप में सहायक निदेशक (पटसन श्रीधोगिकी) श्रेणी II के तौर पर नियुक्त करते हैं।

एन के० राय प्रशासनाधिकारी कृते पटसन ग्रायुक्त

#### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 21 भ्रप्रैल 1976

सं० ई०-11(7)---इस विभाग की ग्रधिसूचना सं० ई०-11 (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में :

श्रेणी 2 के श्रधीन—नायट्रेट मिक्सचर

(i) ''परमाफ्लो-1'' की प्रविष्टि में शब्द ग्रीर संख्या 2-96GI/76

"निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षाहेतु 31 मार्च, 1976 तक" को निकाल दिए जाएंगे । \

- (ii) ''परमाफ्लो-3'' की प्रविष्टि में संख्या ''1976'' के स्थान पर सं० ''1977'' प्रतिस्थापित की जाएगी; ग्रौर
- (iii) "पी० द्यार० एम०-101, पी० द्यार० एम०-102 ग्रौर पी० ग्रार० एम०-103" की प्रविष्टि में श्रक्षर श्रौर संख्या "पी० ग्रार० एम०-101 ग्रौर पी० ग्रार० एम०-103" को निकाल दिए जाएंगे ग्रौर संख्या "1976" के स्थान पर संख्या "1977" प्रतिस्थापित की जाएगी।

इंगुव नरसिंह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

#### पूर्ति विभाग

# पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा-I)

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रप्रैल 1976

सं० प्र०-1/1 (1039)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता निदेशालय में श्री जे० एल० शाह, सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) को दिनांक 1 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के रूप में निथमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री शाह दिनांक 1-4-1976 से 31-3-77 तक एक वर्ष के लिये परिवीक्षाधीन होंगे।

के० एल० कोहली उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

उप निवेशक (प्रशासन)

#### नई दिल्ली, दिनांक श्रप्रैल 1976

सं० प्र०-1/1 (534)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) सर्वश्री एस० पी० एस० भाटिया, के० के० चक्रवर्ती, एल० सी० वधावन तथा मनमोहन लाल को 26 फरवरी, 1976 के पूर्विह्न से इसी महानिदेशालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री भाटिया, चक्रवर्ती, वधायन तथा लाल दिनांक 26-2-76 से 25-2-77 तक एक वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होंगे। के० एल० कोहली

#### (प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 27 श्रप्रैल 1976

सं० ए०-17011/101/76-प्र०-6—महानिदेणक, पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में भ्रवर

क्षेत्र अधिकारी श्री पी० एक्स० ऐन्टोनी को दिनांक 24 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक जमशेदपुर निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु रासायन) के पद पर स्थानापक रूप से नियुक्त करते हैं।

> सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृसे महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात श्रोर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 22 श्रप्रैल 1976

सं० ए०/9011 (84)/70-सि० ए०—श्वी के० श्रार० शेठ, स्थायीवत् सहायक खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो का त्यागपत्र स्वीकृत हो जाने के फलस्वरूप श्री शेठ का नाम दिनांक 3 श्रप्रैल, 1976 के श्रपराह्न से इस विभाग से निकाल दिया गया है।

#### दिनांक 30 श्रप्रैल 1976

सं० ए०/9011 (187)/75-सि० ए०—-राष्ट्रपति श्री व्हि० के० श्ररोरा को 7 ग्रप्रैंल, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापश रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० के० राघवाचारी वरिष्ठ प्रणासन ग्रधिकारी कृते नियंत्रक

### राष्ट्रीय श्रभिलेखागार नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1976

सं० फा० 11/2/3 (ए)/75-ए-1—संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर, (ग्रभिलेख निदेशक भारत सरकार) इसके द्वारा श्री रघुनाथ मीना को दिनांक 19 श्रप्रैल 1976 से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त नियमित ग्रस्थायी श्राधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य)

(द्वितीय वर्ग राजपन्नित) नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 4 मई 1976

सं० फा० 11-17/75-ए-1---श्री कबीर कौसर, सहायक पुरालेखाधिकारी (पदक्रम-1) (प्राच्य श्रभिलेख) को दिनांक 23 श्रप्रैल 1976 से ग्रागमी श्रादेश तक तदर्थ ग्राधार पर पुरालेखाधिकारी (प्राच्य श्रभिलेख) नियुक्त किया जाता है। (श्री श्रार० श्रार० ग्रग्रवाल, पुरालेखाधिकारी (प्राच्य श्रभिलेख) जो श्रवकाश पर हैं के स्थान पर)। यह तदर्थ नियुक्त उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये कोई प्रधिकार नहीं प्रदान करती श्रौर वरिष्ठता के प्रयोजन तथा श्रगले ऊंचे पदक्रम ग्रेड में पदोन्नत होने की पान्नता के लिये नहीं गिनी जाएगी।

श्रीनन्दन प्रसाद श्रभिलेख निदेणक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्वई-26, दिनांक 23 म्रप्रैल 1976

सं० 6/39/56-सिबन्दी०-1--फिल्म प्रभाग के स्रति-रिक्त प्रमुख निर्माता ने श्री बी० एस० श्रारिश, स्थायी समाचार चित्र श्रिधिकारी फिल्म प्रभाग भोपाल को दिनांक 19-4-1976 के पूर्वाह्न से मूल नियम 56(j)(ii) के श्रनुसार सेवा निवृत्त किया।

#### दिनांक 29 ग्रप्रैल 1976

सं० ए० 31014/2/75-सिबन्दी-I ——फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री ए० विश्वताथम्, स्थायीवत रिकॉर्डिस्ट ग्रीर स्थानापन्न मुख्य रिकॉर्डिस्टकी फिल्म प्रभाग में दिनांक 29-3-1976 से स्थायी मुख्य रिकॉर्डिस्ट के पद पर नियुक्त किया है।

> श्चार० एस० शर्मा प्रशासकीय श्रधिकारी कृते प्रमुख निर्माता

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रप्रेल 1976

सं० 17-13/73-एडमिन०-1—स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय में उप-सहायक महानिदेशक (भंडार) श्री ए० के० घोष की जो सेवाविध बढ़ाई गई थी उसकी समाप्ति तथा सेवानिवृत्त होने पर उन्होंने 31 मार्च, 1976 के ग्रपराह्म को कार्यभार छोड़ दिया।

श्री ए० के० घोष को 1 अप्रैल, 1976 से 120 बिन की अस्वीकृत छुट्टी प्रदान की गई हैं।

सं० ए०-22012/1/76-एडमिन०-1—-राजकीय चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, कलकत्ता, से ग्रपने तबादले के फलस्वरूप श्री डी० एस० डेसिकन ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली में 6 श्रप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से उप सहायक महानिदेशक (चि०-सा०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-31014/1/76-(जीन)-एडमिन०-1--एबास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम० के० नट्राजन को 12 दिसम्बर, 1975 से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं स्रनु-संधान संस्थान, पांडिचेरी, में रसायनज्ञ (नान-मेडिकल सहायक) (ग्रणुजीवविज्ञान) के स्थायी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

सं० 6-7/75-एडमिन०-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय श्रनुसंधान संस्थान, कसौली के सहायक लेखा श्रधिक कारी श्री के० सोबरीराजुलु की 6 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी आदेशों तक उसी संस्थान में लेखा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

#### दिनांक 1 मई 1976

सं० ए० 12023/2/(सी०एच०ई०बी०)/76-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य णिक्षा ब्यूरो में अनुसंधान अधिकारी श्री एम० जी० श्रोसवाल को 8 श्रप्रैल, 1976 के पूर्वीह्म से श्रागामी श्रादेशों तक उसी ब्यूरो में उप महायक महानिदेशक (डी० एच०ई० नान-मेडिकन) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

. - ----

2. उप सहायक महानिदेशक (डी० एच०ई० नान मेडिकल) के पद पर ग्रपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री-एम० जी० श्रोसवाल ने 8 श्रप्रैल 1976 के पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में श्रनुसंधान श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रबोन्द्र नाथ तिवारी उप निदेशक प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रप्रैल 1976

सं० 33-14/75-एडमिन०-1—महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली, के कार्यालय को ग्रपने प्रत्यावर्तन के फल-स्वरूप श्री हजारी लाल ने 1 मार्च, 1976 के पूर्वाह्म को सफदरजंग ग्रस्पताल, नई दिल्ली, में लेखा श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

#### दिनांक 4 मई 1976

सं 19-12/75-एडिमिन०-1---राष्ट्रपति ने डा० एस० रामकृष्णन को 26 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में जीव-रसायन के प्राध्यापक के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> सूरज प्रकाश जिन्दल उप-निदेशक प्रशासन

#### संचार मंत्रालय

कार्यालय, महाप्रवन्धक मद्रास टेलिफोन्स मद्रास-600001, दिनांक 30 श्रप्रैल 1976

सं० ए० एस० टी० ए० ई० 5/1 — श्री एन० एस० कंदस्वामी, जो स्थानीय प्रबन्ध में स्थानापन्न रूप से सहायक इंजीनियर का काम करते थे, वे 23-3-1976 अपराह्म से श्रपने मल काडर पर परावर्तित किए जाते हैं।

सं० ए० एस० टी० /ए० ई० 5/2—महाप्रबन्धक टेली-फोन, मद्रास ने निम्नलिखित कनिष्ठ श्रवर इंजीनियरों को मद्रास टेलीफोन जिला में स्थानीय प्रबन्ध में उनके नाम के ग्रागे लिखी ग्रविध के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक इंजीनियर नियुक्त किया है:——

क्रम संख्या	नाम	टी० इ० एस० ग्रुप 'बी' (सहायक इंजीनियर की) पदोन्नति की तारीख	मूल काडर परपरावर्तन की तारी <b>ख</b>
1	2	3	4
1. श्री	पी० नेमराजन	18-2-76	4-4-76 (ग्रपराह्म)
2. श्री	<b>ए</b> स० नागेश्वरण	4-3-76	

1	2	3	4
3.	थी एन० एस० कंद-		
	स्वामी	26-3-76	31-3-76
			(भ्रपराह्म)
4.	श्री एन० एस० कद-		
	स्वामी	8-4-76	
5.	श्री पी० नेमराजन	9-4-76	
6.	श्री डी० परिमल		
	सेकरण	26-4-76	<del></del>
7.	श्री पी० एस० श्री-		
	निवासन	26-4-76	
8.	श्री वी० दंडपाणी	26-4-76	

सं० ए० एस० टी० / ए० म्रो० / वी० म्रो०/101 — श्री जी० नीलकंठण, जो स्थानीय प्रवन्ध में स्थानापन्न रूप से (जो छुट्टी में हैं), लेखा ग्रधिकारी का काम करते थे, वे 8-4-76 श्रपराह्म से भ्रपने मूल काडर पर परावर्तित किए जाते हैं।

> के० वी० दुर्गादास सहायक महाप्रबन्धक (प्रशासन) महाप्रबंधक **के लिए**

# कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग ) कृषि विमानन निदेशालय

नई दिल्ली-110003, दिनांक 12 मार्च 1976

सं० 2-25/73-प्र० एक—कृषि विमानन निदेणक, श्री ग्रार० श्रीनिवासन, रक्षा लेखा विभाग के स्थायी लेखा प्रधिकारी को कृषि विमानन निदेशालय में 3-1-1976 पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक तबादला के ग्राधार पर लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं। तदानुसार उनकी डेपूटेशन की शर्ते 3-1-76 पूर्वाह्न को समाप्त हो जाती हैं।

> एस० साहनी ऐयर कमाडोर कृषि विमानन निदेशक

# विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 म्रप्रैल 1976

मि॰ सं॰ 2 (7) /70 -स्थापना (1) — प्रधीक्षक, (ग्रेड प्रथम), द्वितीय श्रेणी (राजपित) के पद पर स्थानापन्न तदर्थ रूप से कार्य कर रहे श्री जी॰ डी॰ गुलाटी का ग्रधीक्षक (ग्रेड द्वितीय), तृतीय श्रेणी, के पद पर 8 ग्रप्नैल, 1976 के ग्रपराह्म से परावर्तन कर दिया गया है।

निर्मल कुमार दत्त प्रशासन निदेशक (ग्राम विकास विभाग ) विपणन श्रौर निरीक्षण निदेशालय (प्रधान शाखा कार्यालय )

नागपुर, दिनांक 24 श्रप्रैल 1975

फा॰ सं॰ 2/8/7 5-विकास  $\Pi$ —भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) विदेश व्यापार मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग स्रौर समवाय विधि), वित्त मंत्रालय (राजस्व प्रभाग) की श्रधिसूचनाश्रों सं० 125, 126, 127, दिनांक 15-9-62, सं० 1131, 1132, 7-8-1965. सं० 2907. दि० सं० 3601-क, 3601-ख, 3601-ग, दि० 1-10-1971, सं० 3099 दि० 3-11-73, सं० 1133, 1134, दि० 7-8-65, सं० 448 दि० 14-3-1964, सं० 12 दि० 9-6-1945, सं० 1 कैम्प, दि० 5-1-1946, सं० 6 दि० 5-2-1949, सं० 64 दि० 17-6-1961, सं० 1130 दि० 7-8-1965 के लिए मैं एतक द्वारा श्री टी० एम० मुस्तफी, उप प्रवर विपणन अधि-कारी को इस भ्रधिसूचना के जारी किए जाने की दिनांक से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, श्रदरक, हल्दी, धनियां, सौंफ, मेथी, सेलरी बीज, जीरा, प्याज, लहसून, दाल, खाने के आलू, तम्बाक् भ्रौर तेन्द्र के पत्ते के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण किष उपज (श्रेणीकरण ग्रींर चिह्नन) ग्रिधनियम 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के प्रधीन सूत्रीकृत संबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन नियमों के उपबन्धों के श्रनुसार किया गया है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करसा हूं।

फा० सं० 2/8/75-विकास II — भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) विदेश व्यापार मंत्रालय की ग्रधिसूचनाग्रों सं० 125, 126, 127 दि॰ 15-9-1962, सं० 1131, 1132, वि० 7-8-1965, सं० 2907 वि० 5-3-1971, सं० 3601-क, 3601-ख, 3601-ग, दि० 1-10-1971, सं० 3099 दि० 3-11-1973, सं० 1127, दि० 21-4-1973, सं० 48 वि० 24-5-1954, सं० 173 वि० 29-12-1954, सं० 5-दि० 14-1-1961, सं० 174, सी० यू० एस० दि० 26-12-1964, के लिए मैं एत्दद्वारा श्री ग्रार० नरसिंहन, सहायक विपणन ग्रधिकारी को इस ग्रधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली, मिर्च, मिर्च, इलायची, श्रदरक, हल्दी, धनियां, सौंफ, मैथी, सेलरी बीज, जीरा, करी पाउडर, उन, दुढ़-लोम, बकरी के बाल तथा पशु साधित घंति उयों के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण कषि उपज (श्रेणीकरण ग्रीर चिह्नन) ग्रधि-नियम 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के ग्रधीन सूत्रीकृत संबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण भ्रौर चिह्नन नियमों के उपबन्धों के श्रनसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हुं।

#### दिनांक अप्रैल 1976

फा० सं० 2/8/75-विकास 11 — भारत के राजपत्न में प्रकाशित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की ग्रिधिसूचना सं० 1127, दिनांक 21-4-73 के लिए मैं एतदृद्वारा श्री बी० एस० भारद्वाज, सहायक विपणन श्रधिकारी को करी पाउडर, जिसका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन) श्रधिनियम 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के ग्रधीन सूत्री-कृत करी पाऊडर श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन नियम के उपबन्धों के ग्रनुसार किया जा चुका है, के श्रेणीकरण के सम्बन्ध में श्रेणी-करण प्रमाण पत्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हं।

#### दिनांक **4 मई** 1976

सं० फा० 5/11/69-विकास II (भाग I)—भारत के राजपत्न में प्रकाणित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व-विभाग) की प्रधिसूचना (सीमा णुल्क) सं० जी० एस० प्रार० 448 दिनांक 14-3-64 सं० 124, दिनांक 15-9-1962, के लिए मैं एतद् द्वारा निम्नलिखित प्रधिकारियों को इस प्रधिस्चना के जारी किए जाने की तारीख से इनके नाम के सामने दर्शाई गई पण्य के लिए, जिनका श्रेणीकरण समय-समय पर संगोधित खाने के श्रालू थ्रौर हड़ श्रेणीकरण थ्रौर चिह्नन नियम थ्रीर कृषि उपज (श्रेणीकरण थ्रौर चिह्नन) ग्रधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के श्रधीन सूत्रीकृत उपबन्धों के श्रनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

भ्रधिकारियों के नाम भ्रौर पद पण्य जिसके लिए प्राधिकृत हैं।

- श्री एम० कुरलनाथन, सहायक विपणन हड़ ग्रधिकारी
- श्री वी० के० वर्मा, सहायक विषणन खाने के श्रालू ग्रिधकारी
- श्री के० एन० राय, सहायक खाने के श्रालू विपणन अधिकारी

जे० एस० उप्पल कृषि विषणन सलाहकार

# रिऐक्टर ग्रनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम-603102, दिनांक 25 मार्च 1976

सं० प्रार० ग्रार० सी०-II-13 (II)/76-पी०-3421—
रिऐक्टर प्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस प्रनुसंधान केन्द्र के प्रस्थायी वैज्ञानिक सहायकों 'सी०' सर्वश्री येसुभक्तन राहुलदन पीटर तथा मेलाप्पन फलनीक्षमी को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेश तक उसी केन्द्र में वैज्ञानिक श्रधिकारी (एस० बी०) के पद पर 650-30-740-35-810 द० रो 35-880-40-1000 द० रो० -40-1200 रुपये के वेतनमान में श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 15 श्रप्रैल 1976

सं० भ्रार० म्रार० सी०-II-1 (26)/72-पी०-4129— रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, केन्द्र के एक स्थानापन्न सहायक श्री पोरूंतपक्कम वेणुगोपालचारी सुन्दरराजन को 9 मार्च, 1976 से श्रगले श्रादेश तक, श्री के० वेंकटकृष्णन, सहायक प्रशासन-ग्रधिकारी, जिनका ग्रन्तरण परमाणु ऊर्जा विभाग को हो गया है, के स्थान पर तदर्थ ग्राधार पर सहायक प्रशासन-ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> के० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

#### परमाणु ऊर्जा विभाग

#### भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 27 अर्थेल 1976

संन्दर्भ : भाषाप /स्था०/1/जी०-51/2491—भारी पानी परियोजनाश्चों के, विशेष-कार्य-ग्रधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) के श्री पीटर मेन्यूएल गोंसालवेज, स्थानापन्न वर्णय श्रेणी लिपिक को उसी परियोजना में श्री एस० सी० ठाकुर, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर मार्च 29, 1976 (पूर्वाह्न) से मई 1,1976 (ग्रपराह्न) तक के लिए, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० पी० कल्याणीकुट्टी कृते वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी

# पर्यटन स्रौर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3 दिनांक 5 मई, 1976

सं० ई० (1) 03878——निदेशक (उपकरण), पूना कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विशोषज्ञ श्री डी० ग्रार०-गोखले निवर्तन की ग्रायुपर पहुंचने पर 29 फरवरी, 1976 के ग्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> गुरुमुख राम गुप्ता मौसम विशेषज्ञ कृते बेधशालाग्रों के महानिदेशक

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 26 श्रप्रैल 1976

सं० ए०-12025 /1/75-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री रामेश्वर प्रेम चौधरी को 7 ग्रप्रैल, 1976 (पूर्वाह्न) से, तथा श्रगले ग्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ ग्राधार पर हिन्दी श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया है।

#### दिनांक 29 श्रप्रैल 1976

सं० ए० 31013/1/75-ई० एस०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित श्रिधकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरी-क्षण के ग्रेड में स्थायी श्राधार पर नियक्त किया हैं:--

क्रम सं० ग्रधिकारी का नाम	पुष्टिकी तारीख
1. श्री वी० चेल्लप्पा	16-4-1972
2. श्री एस० डी० बहल	15-8-1973
3. श्रीएस० बी० देवकुले	12-9-1974
4. श्री के०एन० एस०कृष्णन	13-7-1975

हरबंस लाल कोहली उपनिदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक, नागर विमानन

#### नई दिल्ली, दिनाँक 26 श्रप्रैल 1976

सं० ए० 38012/5/76 ई० एस० ——निवर्तन म्रायु के हो जाने परक्षेत्रीय निदेशक, बंबई के कार्यालय के श्री एस० एल०-गुरम, वरिष्ठ विमान निरीक्षक ने 1 म्राप्रैल, 1976 पूर्वाह्म से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

#### दिनांक 29 अप्रैल 1976

सं० ए० 32013/1/75-ई० सी०---राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री जी० गोविन्दास्वामी, सहायक निदेशक संचार को, जो इस समय नियंत्रक (तदर्थ ग्राधार पर) केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के पद पर काम कर रहे हैं, 1-3-1976 (पूर्वाह्र) से ग्रगले ग्रादेश होने तक उसी पद पर नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रौर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/1/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विभानन विभाग के श्री बी० बी० बंधोपाध्याय, वरिष्ठ सकनीकी ग्रिधकारी को, जो इस समय नियंत्रक संचार (तदर्थ ग्राधार पर), वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के पद पर काम कर रहे हैं, 1 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश होने तक उसी पद पर नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रौर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

#### विनांक 3 मई 1976

सं० ए० 32013/4/76-ई० सी०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से 6 महीने की अविधि के लिए या नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है:--

ऋमसं० ना	म पदनाम भौर तैनाती स्टेशन	नियुक्ति की सारी <b>ख</b>
1	2	3
	ती० बनर्जी, सहायक तकनीकी , केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, '।	7-4-1976
•	वी० पाथी, सहायक तकनीकी , केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, ।	7-4-1976

1	2	3
	एस० पी० जैन, स कारी, वैमानिक सं ाम	•
	जे० सी०गुष्ता, प्रकारी, वैमानिक म	

हरबंस लाल कोहली उपनिदेशक प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रप्रेल 1976

सं० ए० 12025/5/75-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० बी० देव को 21 अप्रैल, 1976 से अगले आदेश होने तक र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नागर विमानन विभाग में सहायक श्राग्निशमन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है श्री देव को हैदराबाद एयरपोर्ट, हैदराबाद में तैनात किया जाता है।

सं० ए० 31013/2/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री एच० सी० राय चौधरी, को 20 श्रक्तूबर, 1974 से नागर विमानन विभाग में श्रग्निशमन श्रधिकारी के पद पर स्थाई रूप में नियुक्त किया है।

> विश्व विनोद जीहरी सहायक निदेशक प्रशासन

# विदेश सभार सेवा बम्बई, दिनांक 24 श्रप्रैल 1976

सं० 12/7/76 स्था०—निम्नलिखित स्थानापन्न उप परियात प्रबन्धकों को खाना 3 में प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से मूल रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त किया जाता हैं:—

क्रमांक नाम	मूल रूप में उप परियात प्रबन्धक नियुक्त किए जाने की तारीखा
1. श्री पिण्टो थामस	1-11-1974
$2.\sim$ श्री वी० पी० शर्मा	1-3-1975

#### **दिनांक 26 ग्रप्रैल** 1976

सं 0 1/288/76-स्था०—श्री पी० सी० के० नायर, स्थानापन्न सहायक प्रशासन ग्रधिकारी, वि० प्र० अनुभाग, पुर्ण 1 ग्रप्रैल 1976 से 30 जून 1976 तक उन्हें मंजूर की गई निवृत्ति-पूर्व ग्राजित छुट्टी की समाप्ति पर 30 जून 1976 के अपराह्म से सेवा-निवृत्त होंगे।

पु० ग० दामले, महानिदेशक

#### बम्बई, दिनांक 27 श्रप्रैल 1976

सं ० 1/385/76-स्था० — विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक ने आर्वी शाखा के अस्थायी सहायक अभिन्यता, श्री-सुभाष चन्द्र जैन का सरकारी सेवा सेत्याग पत्र 28 मार्च, 1976 के अपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

> एम० एस० कृष्णस्वामी प्रशासन ग्रधिकारी कृते महानिदेशक

# निरीक्षण निर्देशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1976

सं० 2/76/सी० सं० 1041/20/76—प्रवर्तन निदेशालय में प्रतिनियुक्त, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहर्ता, श्री डी० एन० गौड़ ने, प्रतिनियुक्ति से वापस ध्राने पर, निरीक्षण निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 31-3-76 के दोपहर पूर्व से निरीक्षण ग्रधिकारी, श्रेणी-I, (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

#### दिनांक 1 मई 1976

सं० 3/76/सी० सं० 1041/21/76—श्री बी० एस० श्रार० श्रांजनेयुलु ने, जो पहले राजस्य श्रीर बैंकिंग विभाग के विदेशी-मुद्रा परिरक्षण तथा तस्कर -गितविधि निवारक (कॉफीपोसा) यूनिट में, श्रवर विश्लेषक के रूप में काम कर रहे थे, निरीक्षण निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 1-4-76 (पूर्वाह्म) से, दिनांक 28-3-76 को श्री एस० ग्रार० नांरग के निधन से खाली हुए स्थान पर, निरीक्षण श्रधिकारी, श्रेणी-II (सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सु० वेंकटरामन् निरीक्षण निदेणक

#### कार्यालय बीमा नियन्त्रक

शिमला-3, दिनांक 27 श्रप्रैल 1976

सं० इंस० 42 (7) प्रणासन/72—इस कार्यालय से, 3 मार्च 1976 अपराह्म को अपने कार्यभार से मुक्त होने पर, इस कार्यालय के स्थानापन्न प्रवर परीक्षक, श्री एच० एल०-फुलवारीया की सेवाएें श्रीरियण्टल फायर एण्ड जनरल कम्पनी लि०, नई दिल्ली, जो कि साधारण वीमा विभाग की सहायक कम्पनी है, को सौंपी गई है।

 वे किसी कार्यग्रहण काल, कार्यारम्भ श्रवधि वेतन, यास्रा भत्ता श्रादि के हकदार नहीं होंगे ।

> एस० सुद्रामन्यन बीमा नियंत्रक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड) 👸 🖟

नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रप्रैल 1976

सं० 74/प्रार० ई० /161/1—सर्वसम्बन्धित की सूचना के लिए एतद्द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे के खुर्जा जं० स्थित रेलवे सब-स्टेशन से साहिबाबाद तक (कि०-मी० 1370 से कि० बी० 1440 तक) उत्तर रेलवे द्वारा बनायी गयी 132 किलो बोल्ट दोहरी परिपथ पारेषण लाइन में, जो निकटवर्ती गांवों के ग्राम-पास ग्रीर रेलपथ के समानान्तर जाती है, 30-4-1976 को या इसके बाद से 132 किलो बोल्ट ए० सी० 50 साइकिल प्रति सेकिंड बिजली प्रवाहित कर दी जायेगी। इसी तारीख से, ऊपरी भारेपण लाइन को हर समय बिजली-युक्त माना जायेगा ग्रीर कोई भी ग्रनधिकृत व्यक्ति उक्त ऊपरी लाइन के पास नहीं जायेगा ग्रीर न ही उसके निकट काम करेगा।

ग्रमृत लाल गुप्त सचिव, रेलवे बोर्ड

#### पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पांडू, दिनांक 20 म्रप्रैल 1976

सं० ई० /55/III/91 पार्ट III (O)—श्री एम० राय-खान, परिवहन (यातायात) श्रीर वाणिज्य विभाग के श्रवर वेतनमान ग्रिधकारी को दिनांक 1-8-74 से प्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

> हरबंस लाल वर्मा महाप्रबन्धक

#### केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 1 मई 1976

सं० क-32012/9/75-प्रशा०-पांच—िवभागीय पदोप्रिति समिति (वर्ग-दो) की सिफारिश पर श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल
श्रायोग श्रपने प्रसाद सेश्री श्रार०सी० यादव, श्रनुसंधान सहायक
को केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत् श्रनुसंधानशाला, पूना में सहायक
श्रनुसंधान श्रधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर 650-30-74035-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ह०
के वेतनमान में नियमित रूप से स्थानापन्न होने के लिए
उनके उपर्युक्त पद का कार्यभार ग्रहण की तिथि तथा समय से
नियक्त करते हैं।

2. उपर्युक्त ग्रधिकारी श्रपने पद का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि तथा समय से सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (इंजी-नियरी), केन्द्रीय जल भ्रौर विद्युत् श्रनुसंधानणाला, पूना के संवर्ग में दो वर्ष की श्रविध के लिए परिवीक्षा पर होंगे ।

> जसवंत सिंह श्रवर सचिव कुत्ते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

पूर्ति और् पुनर्वास मंत्रालय
(पुनर्वास विभाग)
मुख्य ्यांत्रिक श्रभियंता का कार्यालय
पुनर्वास भूमि उद्घार संगठन

जेपुर-764003, दिनांक 28 म्रप्रैल 1976

सं० पी० 2/97—इस कार्यालय के ग्राधसूचना सं० पी० 2/97 दिनांक 9-12-75 के कम में श्री राजा राम बलैया की स्थानापन्न रूप से महायक प्रशासन श्रधकारी (वर्ग-बी० राजपितत) के पद पर 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में पृनर्वास भूमि उद्धार संगठन, शाहपुरा, जिला-बेतुल (मध्य प्रदेश) में तदर्थ रूप में हुई नियुक्ति को दिनांक 1-5-76 के पूर्वाह्न से 6 महीने की ग्रीर ग्रवधि के लिये, या नियमित ग्राधार पर पद के भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

द्र० प्र० सक्सेना प्रशासन श्रधिकारी कृते प्रचालन श्रभियंता

विधि, न्याय धौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रीर सिधाबआला सुगर मिल्स लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 श्रप्रैल 1976

सं० 28764/560/3 — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सिधावआला सुगर मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर रेडिकल इतसिबरेन्स कं० लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 श्रप्रैल 1976

सं० 6897/560 (3)—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रेडिकल इतिसबरेन्स कं० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी। कम्पनी भ्रिधिनियम, 1956, श्रौर सिहारा सुगर<sub>्</sub>मिल्स लिभिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 ग्रप्रैल 1976

सं० 28702 | 560 (3) — कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर सिहारा सुगर मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी म्रधिनियम, 1956 म्रौर नारायन गंज कं० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 म्रप्रैल 1976

सं० 1507/560 (3)—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के म्रवसान पर नारायन गंज कं० प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा भौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर सामसन्स इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, विनांक 28 ग्रप्रैल 1976

सं० 22616/560 (3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सामसन्स इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रीर विजया लक्ष्मी काटन मिल्स लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 श्रप्रैल 1976

सं० 12935/560 (3)——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विजया लक्ष्मी काटन मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रौर हसनपुर सुगर मिल्स लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 मप्रैल 1976

सं० 28703/560 (3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर हसनपुर सुगर मिल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मार्डन सिन्थेटिक फैब्रिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 श्रप्रैल 1976

सं० 27588/560 (3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मार्डन सिन्धेटिक फैब्रिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर माउर्न डिसप्ले प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 स्रप्रैल 1976

सं० 15018/560 (3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के भ्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मार्डन डिसप्ले प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशा न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 स्रौर चिटागोंग कं० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 श्रप्रैल, 1976

सं० 1538/560 (3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर चिटगोंग कं० प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भौर श्रायरा सुगर मिल्स लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 28 श्रप्रैल 1976

सं० 28705/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आयरा सुगर मिल्स लिमिटड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जाएगा स्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एस० सि० नाथ कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर सबारि एजेन्सीस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 4 मई 1976

सं० 6376/560 (3)/176— कम्पनी प्रिधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर सबारि एजेन्सीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एम० श्रीनिवासन कम्पनियों का रिजस्ट्रार मद्रास

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की घारा 445 (2) के ग्रिधीन सूचना : मैंसर्स श्राशिस फाइनान्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद-380009, दिनांक 24 श्रप्रैल 1976

सं० 1400/लीक्वीडेशन---कम्पनी ग्ररजी नं० 57/1975 में ग्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 9-2-1976 के श्रादेश द्वारा मैसर्स श्राशिस फाइनान्स प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन का ग्रादेश दिया गया है।

> जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

मदास, दिनांक 27 म्रप्रैल 1976

र्तं ० 1378/Liqn/स:247 (4)/76 — यत: लिलता बैंक लिमिटेड (इन लिकुडिशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 97, डि॰म्रोप्पकार स्ट्रीट, कोयम्बतुर में है, का समापन किया जा रहा है।

श्रीर यतः श्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है श्रीर यह कि लेखा विवरणियों से समापक द्वारा दिये जाने के लिये श्रपेक्षित है, यह छः क्रमवता मास के लिये नहीं दी गयी है, ग्रतः जब कम्पनी श्रधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 247 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की 3--96GI/76 तारीख से तीन मास के श्रवसान पर लिलता बैंक लिमिटेड (इन लिकुडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दिशात नहीं किया जाता है, तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> के० पंचापकेशन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, मद्रास

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर श्रादित्या होलिंडगस लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 27 भ्रप्रैल 1976

सं० 6747/7188—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यर सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के श्रवसान पर श्रादित्या होलिंडगस लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दिशित निकया गया तो रिजस्टर से काट दिया
जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्रार० के० श्ररोड़ा कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

#### वित्त मंत्रालय

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण)
स्नर्जन रेंज, चण्डीगढ़
156, सैक्टर 9. बी०
चण्डीगढ़, दिनांक 23 मार्च 1976

#### शुद्धि

निदेश सं० LDH/C/116/75-76 — प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना जिसकी निदेश सं० LDH/C/116/75-76 है थ्रीर जो कि भूमि 12 बिसवे 2 बिसवांसी प्रथित 1815 वर्ग गज, ढोलेवाल, रेलवे लाईन के साथ लगभग 100 फुट जी० टी० रोड से परे लुधियाना में स्थित, के बारे में (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2738 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।) भारत के राजपत्र भाग III खण्डा में तिथि 17 जनवरी, 1976 के पृष्ठ संख्या 508 पर प्रकाणित हुन्ना है, उसमें "मैं इन्द्रा मोटरज, जी० टी० रोड, लुधियाना" संक्षेप और शब्दों की बजाय "मैं० इण्डिया मोटरज, जी० टी० रोड, लिधियाना" संक्षेप और शब्द पहें जार्थे।

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, चण्डीगढ़

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्थन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० 899-ए० /अर्जन/मेरठ/ 75-76/ 462----- प्रतः मुझे विजय भागेवा,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त म्रिधिनियम के म्रिधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- 1. (1) श्री हाजी मो० इस्माईल पुत्र श्री शेख बुन्दू कुरैशी सा० पुरवा इलाही बख्श, मेरठ ।
  - (2) मैसर्स राकेश कुमार एण्ड कम्पनी, मेरठ द्वारा सूरज भान मैनेजिंग पार्टनर पुत्र ला० ग्रम्बा प्रसाद, वैश्य, साकिन कमला नगर, बागपत रोड, मेरठ । (श्रन्तरक)
- श्री विपिन कुमार अग्रवाल, पुत्र श्री परघोत्तम प्रसाद साकिन कानून गोयान, शहर, मेरठ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्रज्ञल सम्पत्ति भूमि क्षेत्रफल 10 विस्वे खसरा नम्बर 2035, बाकै दरिमयान देहली श्रीर खत्ता रोड, मेरठ, जो 41,000 ६० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> विजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-5-76

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

कानपुर दिनांक 12 मई, 1976

निदेश सं० 900-ए०/ग्रर्जन/मेरठ/75-76/463--ग्रत: मुझे, विजय भागवा, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∤- रु० से ग्रिधिक है ग्रोर जिसकी सं० प्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के श्रनु-सार स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भ्रोर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच एसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- श्री हाजी मो० इस्माईल पुत्र बुन्दू पुरवा इलाही बख्स, मेरठ ।
  - (2) राकेण कुमार एण्ड कम्पनी, मेरठ द्वारा सूरजभान मैनेजिंग पार्टनर, कमला नगर, मेरठ।

(श्रन्तरक)

2. श्री विशिष कुमार पुत्र श्री परषोत्तम प्रसाद, साकिन कानून गोयन, मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्येबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

श्रवल' सम्पत्ति भूमि 10 बिस्वे पुरखता श्राराजी भूमिधरी श्रज नम्बर, 2035 बाकै कस्या मेरठ, दरमियान देहली रोड, व खत्ता रोड जो 41,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> विजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजैंन रेंज, कानपुर∤

तारीख: 12-5-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मई 1976

निर्देश सं० 901-ए०/ग्रर्जन/भरठ/75-76/464—श्रतः मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-न्त्रपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिन

नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरित्यों) वे धीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से गथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

श्रतः यब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग क श्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्णात्:—

- 1. (1) श्री हाजी मो० इस्माईल पुत्र श्री बुन्दू पुरवा इलाही बख्श मेरठ।
  - (2) राकेश कुमार एण्ड कम्पनी, मेरठ द्वारा सूरजभान मैनेजिंग पार्टनर, कमला नगर, मेरठ।

(ग्रन्तरक)

 श्री विपिन कुमार ग्रग्रवाल पुत्र परषोत्तम प्रसाद साकिन कानून गोयन, मेरठ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिश-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धमुसूची

श्रवल सम्पत्ति भूमि क्षेत्रफल 9 बिस्वे पुख्ता स्राराजी, भूमिधरी अज नम्बर, 2035 स्थित कस्बा मेरठ, दरमियान देहली रोड, व खत्ता रोड़, जो 37,000 ह० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> विजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-5-76

प्ररूप आई० टी० एम० एस०--

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी॰/एक्यु॰/1/एस॰श्रार॰-III/
947/सितम्बर (28)/75-76—श्रतः मुझे एस० सी॰ पारीजा
ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है
ग्रीर जिसकी सं० ए० 461 है, तथा जो डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित
है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन
1-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

ग-9-1975 का प्याक्त सम्पास के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्स अन्तरण लिखित में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उपत अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उपत अधिनियम' की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सुभाष चन्द्र रिशी, सुपुत्र श्री नारायण वास,
   33/3, रमेश नगर, नई दिल्ली ।
  - (2) श्री नारायण दास (स्पैशल पात्रर म्रांफ श्रटारनी) सुपुत्र श्री राभचन्द, निवासी 33/3, रामेश नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रोमप्रकाण, सुपुत्र श्री कंवर भान तथा श्रीमती उषा रानी, पत्नी श्री ग्रोमप्रकाण, निवासी 24/9, पंत नगर, जंगपुरा, एक्सटेन्शन, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)
- 3. (1) मैसर्स माडर्न ट्रेडर्स
  - (2) श्रीमती हरदीप सिंह, निवासी ए०-461, डिफोंस कालौनी, नई दिल्ली

(बहु व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहरताक्षरी जानता कि बहु सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिष्ठित्यम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग, जिसका नं० ए-461 है, और क्षेत्रफल 217 वर्ग गज है, डिफैन्स कालीनी, नई दिल्ली में निम्स प्रकार से स्थित हैं:---

पूर्व : रोड पण्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : जायदाद नं० ए-453

दक्षिण : रोड

एस० सी० पारीजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारी**ख: 5-5-1**976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर० III/रित०/(44)/954/76-77— अतः मुझे, एस० सी० पारीजा, धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी०-82 है तथा जो डिफैन्स कालीनी, नई दिरली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रक्षिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः सब उत्रत समितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री ए० दास गुप्ता, सुपुत्र स्व० श्री पी० सी० गुप्ता,
   तिवासी 21-ए, राजा संतोष रोड, अलीपुर, कलकत्ता-27
   (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती स्वारूप सूद, पत्नी श्री हंस राज सूद, निवासी बी-82, डिफैन्स कालीनी, नई दिल्ली (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई। भी भाक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक डेढ मंजिला बिल्डिंग जोकि 325 धर्ग गर्ज क्षेत्र फल के लीजहोस्डा प्याट पर बनी हुई है, बी-82, डिफैन्स कालीनी, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० सी० पारीजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकप प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1,

तारीख: 29-4-1976

प्ररूप माई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर दिनांक 12 मई 1976

निदेण सं० 898-ए०/ग्रर्जन/मेरट/75-76/461—ग्रतः मुझे, विजय भार्गवा,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो प्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण स्प से विणित है ) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीधक है और प्रन्तरक (भ्रन्तरकों), भौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-गृके श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- 1. श्री हाजी मो० इस्माईल पुत्र बुन्दू पुरवा इलाही बख्श मेरठ
  - (2) राकेण कुमार एण्ड कम्पनी, मेरठ द्वारा सूरज भान मैनेजिंग पार्टनर, भव्य नगर, मेरठ।

(भ्रन्तरक)

 2. श्री विपिन कुमार श्रग्रवाल, पुत्र श्री परषोत्तम प्रसाद, साकिन कानून गोयन, भेरठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त ग्रधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

भ्रचल सम्पत्ति, भूमि क्षेत्रफल 10 बिस्थे खसरा नंबर 2035 बिक्षक बाहर सीमा नगर, पालिका, मेरठ जो 41,000 ६० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

> विजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-5-76

प्ररूप माई०टी०एन०एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पटना (बिहार) पटना, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं. III-160/श्रर्जन/76-66/369--श्रतः मुझे श्रजय कुमार सिंहा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० हो० सं० 1520 (या) है तथा जो, गयाकाल बिगहा, शहर, गया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गया में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त मधि-नियम' के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त भ्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव 'उनत ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उनत ग्रधिनियम' की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :---  श्रीमती मीरा देवी जौजे श्री मदन लाल श्रप्रवाल, सा० चौक बाजार, गया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राज कुमार सिंह बल्द स्व० शिव कुमार सिंह सा० किला श्रन्दर टाउन बिहार शरीफ, जिला नालन्दा एवं श्री दयानन्द प्रसाद सिंहा बल्द श्री हरखंशी लाल, सा० मौगिल कुंग्रा, टाउन बिहार शरीफ, जिला नालन्दा बो तेजारत इन्तजामकार, उपहार पिक्चर पैलेस प्रा० लि० ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3, हिस्सा पूर्ण रक्तवा, 25276 वर्ग फीट या 18.57 कट्ठा का जो गयावाल बिगहा शहर गया में है, वार सं०-9, होर सं०-1520 (नया) है तथा जिसका वर्णन वर्णन दस्तावेज सं०-19592 दिनांक 20-9-75 पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, (बहार पटना

तारीख: 7-5-76

प्ररूप भाई०टी०एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पटना (बिहार) पटना, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० III-161/श्रर्जन/76-77/370—श्रत: मुझे, श्रजय कुमार सिंहा

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिधिक है श्रौर श्रौर जिसकी संग्हों के लंग 1520 (नया) है तथा जो गयावाल, बिगहा, शहर, गया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है ) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गया में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 24-9-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-गके श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :----

4-96GI/76

- श्रीमती सुन्दरी देवी, जौजे स्व० दिन दयाल, अग्रवाल सा० चौक वाजार, गया। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राजकुमार सिंह, बल्द स्व० शिव कुमार सिंह सा० किला ग्रन्दर टाउन बिहार शरीफ, जिला नालन्दा एवं श्री दयानन्द प्रसाद सिंहा बल्द श्री हरबंशीलाल, सा० मोगल कुंग्रा, टाउन बिहार शरीफ , जिला नालन्दा वो तेजारत इन्तजामकार, उपहार पिक्चर पैलेस प्रा० लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति ग्राक्षेप यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

1/3 हिस्सा, पूर्ण रकवा, 25276 वर्ग फीट या 18.57 कट्ठ का जो गयावाल बिगहा शहर गया में है, वा० सं०-9, हो० सं० 1520 (नया) है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं०-20781, दिनांक 24-9-75 में पूर्ण है।

श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 7-5-76

#### प्ररूप आई• टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना (बिहार)

पटना, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० III-162/म्रर्जन/76-77/371—म्प्रतः मुझे, म्रजय कुमार सिंहा,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- रु० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० हो० सं० 1520 (नया) तथा जो गयावाल बिगहा, शहर, नया में स्थित (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 24-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रप्तः अब उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  श्री कृष्ण कुमार श्रग्नवाल, बल्द स्व० दीनदयाल श्रग्नवाल एवं श्री ग्रस्ण कुमार श्रग्नवाल बल्द श्री कृष्ण कुमार ग्रग्नवाल सा० चौक बाजार, गया ।

(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार सिंह, बल्द स्व० शिवकुमार सिंह सा० किला श्रन्दर टाउन, बिहार शरीफ जिला नालन्दा एवं श्री दया नन्द प्रसाद सिंहा बल्द श्री हरबंशीलाल, सा० मोगल, कुंग्रा शहर बिहार शरीफ, जिला नालन्दा वो तेजारत इन्तजामकार उपहार पिक्चर पैलेस, प्रा० लि०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 हिस्सा, पूर्ण रकवा 25276 वर्गफीट या 18.57 कट्ठा का जो गयात्राल बिगहा शहर गया में है, वा० सं०-9, हो० सं० 1520 (नया) है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 20782, दिनांक 24-9-75 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना (बिहार)

तारीख: 7-5-76

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना (बिहार)

पटना, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० 111-163/ग्रर्जन/76-77/372---यतः, मुझे, ग्रजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० हो० नं० 184 वार्ड नं० 15 है, तथा जो कटरा मनदर्इ, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धार। 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री जनार्दन प्रसाद सिंह, उर्फ बबन सिंह, पिता बाबू णिव नन्दन सिंह खुद श्रीर श्री श्रिखिलेण कुमार तथा संजयकुमार नावालिंग, पिता श्री शिवनन्दन सिंह, मुहल्ला कटरा मनदई, थाना—सुल्तानगंज, जिला पटना ।
- 2. बीबी जाहिदा खातून, जौजे मो० शराफुद्दीन साहेब, वो मो० ग्रबुनसर वल्द मरहुम सराफत हुसैन वो ग्रशफाक ग्रहमद, वो मो० सोहाइब वल्द मो० सराफुद्दीन, मुहल्ला——मनदई, मसजिद रोड के नजदीक (मासूमा दरगाह रोड), थाना——सुल्तानगंज, पटना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का क्षेत्रफल 4 कट्ठा 4 धूर, 5 1/2 धुरकी है, जो मुहल्ला कटरा मनदई, थाना सुल्तानगंज, पटना में स्थित है जिसका वार्ड नं० 15, सर्किल नं० 52 तथा होल्डिंग नं० 184 है, जिसका विवरण दस्तावेज सं० 799 दिनांक 10-9-75 में उल्लेख है।

> श्चजय कुमार सिहा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, पटना (बिहार)

तारीख: 7-5-1976

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना (बिहार) पटना, दिनांक 7 मई 1976

निर्देश सं० III-164/म्रर्जन/76-77/373---यतः, मुझे, भ्रजय कुमार सिंहा,

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इ० से ग्रिधिक है

ष्रौर जिसकी सं० हो० सं० 79, सर्किल सं० 167 है तथा जो धौक पटना सिटी में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनी में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—  रामबाब् केमानी बल्द श्री मुन्नीलाल सा० पथरी घाट, थाना : ग्रालमगंज, पटना ।

(ग्रन्तरक)

 श्री तख्त हरमंदिरजी पटना साहैब, द्वारा श्री सरदार मौलेण्वर सिंह (महा सचिव), हरि मन्दिर गली, पटना सिटी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडित रण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

जमीन रकवा 9 कट्ठा, 18 धूर, 16 धुरकी के साथ-साथ कुछ हिस्सा में तीन मंजिला मकान जो चौक, पटना सिटी, सिकल सं० 167, हो० सं० 79, प्लाट सं० 674, जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 686, दिनांक 2-9-1975।

> ग्रजय कुमार सिहा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजीन रेंज, पटना (बिहार)

तारीख: 7-5-1976

प्रारूप आईं० टी० एन० एस० --

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पटना (बिहार)

पटना, दिनांक 7 मई 1976

निर्देश सं० UI-166/ग्रर्जन/76-77/374----यतः, मुझे, भ्रजय कुमार सिंहा, भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृहय 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० सर्वे प्लाट सं० 106 है तथा जो पटना खगौल रोड, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूषी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पू**र्वोद**त सम्पत्ति केउचित बाजार 29-9-1975 को मुरुय से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैऔर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी, करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उप-धारा (1) के ग्रद्यीन निम्ननिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:---

 श्री सुखारी सिंह स्वयं एवं श्री सुरेन्द्र सिंह (ना०) वल्द स्व० संजीवन सिंह के अभिभावक एवं श्री योगेन्द्र सिंहा वल्द श्री सुखारी सिंह, सा० सहजपुरा, श्रालियास सहजपुरा, थाना दीनापुर, जिला पटना।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती रामप्यारी देवी केडिया जीजे श्री राम नारायण केडिया, नागेण्यर कालीनी, वाकरगंज, पटना ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन रकवा 31 डि० स्थित पटना खगौल रोष्ट, पर फुलवारी गरीफ,स्टेशन के विपरीत है, खाता सं० 659 सर्वे प्लाट सं० 106, थाना सं० 38, तौजी सं० 5486 जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 190066, दिनांक 29-9-1975 में पूर्ण है।

> म्रजय कुमार सिंहा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षणं), म्रजैन रेंज पटना, (बिहार)

तारीख: 7-5-1976

#### प्ररूप धाई॰ टी• एन॰ एस०-

# मायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार (पटना) पटना, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० III-166/श्रर्जन/76-77/375---यतः, मुझे, श्रजय कुमार सिंहा,

क्षायकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० 14 से 18 है तथा जो मीरगंज, में स्थित है (भ्रार इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बेगूसराय में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-9-1975

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, 'उपत ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उपत ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:~

- श्री रघुनाथ प्रसाद, मस्करा बल्द स्व० बनारसी लाल मस्करा, एवं श्री शिव दयाल मस्करा बल्द स्व० बूला राम मस्करा, सा० मियांचक, थाना/जिला बेगूसराय,। (श्रन्तरक)
- 2. श्रह्मदेव कुंबर एवं श्री सुर्या कुंबर बल्दान श्री द्वारिका कुंबर सा० बिशनपुर, पो० एवं जिला बेगूसराय। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 15 कट्ठा 12 धूर सा० मीरगंज, थाना एवं जिला बेगूसराय, वा० सं० 4, खाता सं० 26, 27, 28, 40, प्लाट सं० 14 से 18 तथा जिसका वर्णन दस्तावेज दिनांक 11~9-1975 में पूर्ण है।

> भ्रजय कुमार सिंहा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बिहार (पटना)

तारीख: 7-5-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना (बिहार) पटना, दिनांक 7 मई 1976

निर्देण सं० III-167/म्रार्जन/76-77/376---यतः, मुझे, भ्रजय कुमार सिंहा,

ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से श्रधिक है

श्रीर जिसकी संवही वसंव 22, बावसंव 3 है, तथा जो केव सीव चटर्जी, लेन भागलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-9-1975

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दुश्यमान प्रति-फल के लिए प्रत्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर श्रन्तिरिती (प्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इत्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उनत ग्रिश्वियम' के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी फिसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

श्रत: अब 'उन्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :—  श्रीमती बुलबुल विश्वास जौजे प्रो० दिप्ती कुमार विश्वास, सा० मसाचक, थाना, कोतवाली जिला भागलपुर। (ग्रन्तरक)

 श्री उमाकान्त यादव, श्री परमानन्द यादव, श्री कपिलदेव यादव, श्री चितरंजन यादव एवं श्री विजय कुमार यादव, बल्दान श्री राम स्वरूप यादव, सा० दिलवारी, पोस्ट खवासपुर, जिला भागलपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के धर्जन के शिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्दों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

3 कट्ठा 8 धूर 3 धुरकी, जमीन पर एक मंजिला मकान जो के ० सी० चटर्जी लेन, भागलपुर में है, तथा जिसका हो० सं० 22, सर्किल सं० 5, वार्ड, सं० 3 है, एवं जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 11687, दिनांक 23-9-1975 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, पटना (बिहार)

तारीख: 7-5-1976

प्ररूप आई। टी० एन० एस०---

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पटना (बिहार) पटना, दिनांक 7 मई, 1976

निदेश सं० III-168/म्रर्जन/76-77/377---म्रतः, मुझे, भजयंक्मार सिंहा,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खाता सं० 91/1, प्लाट सं० 92/(पी) है तथा जो धुर्गापुर, एवं माजपुर में स्थित है (भीर इससे उपलब्ध म्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय कटिहार में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16)

के ग्रधीन 10-9-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से श्रधिक है ग्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन याय आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- रमाकन्त मजुमदार, बल्द श्री बोरादो कान्त मजुमदार, सा० एवं थाना, श्रान्द, जिला कटिहार । (श्रन्तरक)
- श्री ग्ररविन्द मजुभदार, बल्द श्री रमाकान्त मजुमदार, सा० एवं थाना, ग्रान्व, जिला कटिहार । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

जमीन रकवा 4 कट्ठा 10 धूर, सा० दुर्गापुर, कुलीपारा एवं माजपुर खाता सं० 91/1 प्लाट सं० 92/(पी), जो कटिहार में है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 15604, दिनांक 10-9-75 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना (बिहार)

**तारीख:** 7-5-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. पटना (बिहार) पटना, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० III-169/म्रर्जन/76-77/378—-भ्रतः मुझे श्रजय कुमार सिंहा

श्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिषक है

ग्रीर जिसकी सं ० हो० सं ० 11 बा० सं ० 4 है तथा जो भागलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भागलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्तह प्रतिशत से अधिक है और यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य आस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों प्रपत्ः— 5—96GI/76  श्री बंगीधर केशोरपूरिया बल्द मूलचन्द किशोरपूरिया सा० सुजागंज थाना कोतवाली भागलपुर।

(अन्तरक)

 श्री मदनलाल खेतान श्री बी जय कुमार खेतान श्री पवन कुमार खेतान बल्द श्री चिरनजीवी लाल खेतान सा० सुजार्गज थाना कीतवाली भागलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान रक्षा 3 करी. जो भागलपुर में है एवं जिसका हो० सं० 11 वा० सं० 4 सं० संख्या 6 है धीर जिसका वर्णन दस्तावेज दिनांक 13-9-75 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बिहार, पटना

तारीख: 7-5-76

#### प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई वम्बई, दिनांक 15 मई, 1976

निदेश स० ग्र० इ० 4/ए० पी० 222/76-77--- श्रत: मुझे जी० ए० जेम्स

अधिनियम, 1961 आयकर (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपमे से अधिक है भीर जिसकी स० 41 (पाट) प्लाट सं० सी०-15 है तथा जो विहलेज स्रोगीवरा, में स्थित है (स्रौर इससे उपावद सन्सुची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रॉजस्ट्रीकरण आंधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत अधिनियम के अधीन देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उनत अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. (1) हिश्जी नानजी केनीया
  - (2) जेठलाल खिमजी माकडा,
  - (3) मेधजी लाधुभाई विसारीया,
  - (4) विरचांव केवरजी को सनी
  - (5) तालाक्षी खिमजी मानजा,

- 6) कांतीलास लाधुभाई विसारिया,
- (७) भानुमती मनील(ल डेधीया,
- (८) श्रीबती सुशीला जाधवजी डेधीया, सर्वश्री डालिया, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, द्वारा हसमुखलाल दामजी एण्ड क० 226, नरसी नाथ स्ट्रीट, बम्बई-400009 के साझेदार स्व० श्री जाधवजी मूल जी डेहिया के कान्नी वारीस/ प्रतिनिधि ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) साकरलाल बुलखीदाम शाह
  - (2) ग्रन्विंद साकरलाल शाह
  - (3) प्रवीण साकर काल णाह
  - (4) जयेश जयवंतलाच माह, साझेदार: मैसर्स युनीफार्म अलाय, कारिटग, सीनावाला कास रोड, (पूर्व) गारेगांव अन्तरिती) बम्बई-400063 ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्तों और पदों का, जो अधिनियम 20-क में यदा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बृहतर बम्बई में, बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन उपजिले में ग्रंधेरा तालुका के ग्राम श्रोणीवरा में स्थित जमीन श्रथवा मैदान का तमाम भाग जोकि पैमाइश में 1010 वर्गगज अथवा 873.54 वर्ग मीटर के बराबर है, तथा जो सर्वेक्षण सं० 41 (पार्ट) का भाग है श्रीर जिसका प्लाट सं० सी०-15 है।

> जी० ए० जेम्स, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख: 15-5-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई, 1976

निर्वेण सं० ग्र०-इ०-1/1352-30/सितम्बर/75—-श्रतः मुझे व्ही० श्रार० श्रमीन, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 1, वस्वर्द

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं ० म्युनिसियल प्लाट सं ० 1/ए, बांब्रा टी० पी०एस०-2 है. तथा जो बांब्रा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में धीर पूर्ण रूप में विश्वत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रीधानयम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) शौर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बारतिक रूप से किथत नहीं विया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त 'ग्रिधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: अव, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

1. श्री एल० ग्रार० पाटकर

(भ्रन्तरक)

2. बाह्य गीतांजलि को० ग्रा० सो० लि०

(ग्रन्तरिती)

- 3. (1) थी ए० एस० वर्दे
  - (2) श्रीमती एम० एस० विचारे
  - (3) श्रीमती एम० पी० देशमुख

- (4) श्रीमती श्रार० एन० खन्ना
- (5) श्री ग्राप्ट पी० पिल्ले
- (6) श्रीवी, के० सचदेव
- (7) श्री एस० ससून,
- (৪) डा० पी० पी० कॉंगक
- (9) श्री सी० सी० सुतारिया,
- (10) भिस लीना सी० सुतारिया,
- (11) श्री वी० सी० मुतारिया
- (12) मिसेम बी० बी० सुतारिया,
- (13) श्री एत० आर० पाटकर
- (14) श्री टी० डी० शमचन्दानी
- (15) श्री के० यु० रामनन्दानी
- (16) मिसेन एमें० दुर्वे
- (17) श्री एम० ग्रार० रेगी
- (18) श्रीडी० जी० खेर
- (19) थीं डी० यु० रामचन्दानी
- (20) श्री श्रार० एम० शाह

(वह व्यक्ति जिसके श्राधिभीग में राम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वांद्रा में प्रोरबन्दर मार्ग पर स्थित जमीन श्रौर उम पर बनी इमारत सहित वह तमाम भाग श्रथवा खंड जिसका म्युनिसिपल संव 159/ए, है, जो पैमाईश में लगभग 2528 बर्गगल है श्रौर वांद्रा टाउन प्लानिग स्कीम संव 2 का म्युनिसिपल प्लाट संव 1/ए हैं, श्रौर जो कि इस प्रकार से घरा हुश्रा है कि:

उत्तर में डा० डीमोटी की प्रोपर्टी है जमीन का ग्रोपन प्लाट है ग्रीर पूर्व में पढ़ितक सड़क है, जीकि पोरबंदर नाम से जाना जाता है, दक्षिण में श्री पांडुरंग रामचन्द्र पाटकर की प्रापर्टी है, ग्रीर श्राम सड़क है, तथा पश्चिम में प्रापर्टी है, जीकि स्वर्गीय श्री रामचन्द्र कृष्णजी पाटकर के न्यासी (ट्स्टी) से संबंधित है।

> व्ही० ग्रार० ग्रमोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख: 15-5-1976

मोहरः

# प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० -19/ए० सी० क्यू० श्राप्त-V/कलकता/ 76-77---यतः, मुझे, ए० के० बटब्याल. मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूत्य 25,000/- ६० से प्रधिक भीर जिसकी सं० दाग 707 है तथा जो मीजा हिसाफि, थाना श्रामडांगा. 24 परगना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बारासत, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-9-1975 सम्पत्ति के पूर्वोक्त उचित मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम', के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त श्रिष्ठिनियम', या धन-कर ग्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

मतः स्रव, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:— 1. श्री मिन लाल मुखोपाध्याय

तरक)

- 2. (1) श्री रमनी भुसन चन्नवर्ती
  - (2) श्रीतपन कुमार चक्रबर्ती
  - (3) श्री तापस कुमार चक्रवर्ती
  - (4) श्रीगौतम चऋबर्ती
  - (5) श्री मिदिर कुमार चक्रवर्ती
  - (6) श्री सन्वीप कुमार चक्रवर्ती

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी ध्यिवतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पवों का, जो उक्त अधिनियम, के झध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही झर्थ होगा जो उस झध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भरीब 20 शतक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्राकचरस, (सिनेमा हाउस) जो मौजा-हिसाफि, थाना—-श्रामडांगा, 24 परगना में दाग सं० 707, 29 खीतयान सं० 448 पर श्रवस्थित जो दिलल सं० 1526 तारीख 19-9-1975 का श्रमुसार है।

> ए० के० बटब्याल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज V, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 17-5-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I मधास

मद्रास, दिनांक 3 मई 1976

निर्देश सं० 19 /2/33/75-76--यतः, मुझे, जी० रामनाथनः आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 93 ग्रीर 93ए०, ईस्ट कार स्ट्रीट तिरुनेलवेलि है तथा जो तिरुनेलवेलि में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रिनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय तिरुनेलवेलि डाकुमेंट 2399/75 में भारतीय रजिस्ट्री-

करण प्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के प्रधीन,

तारोख सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अम्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

न्नतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण, में, में, 'उक्त मधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों म्रस्ति :---

- 1. श्री एस० सी० संकर रामेश्वरन (श्रन्तरक)
- 2. श्ररना केमिक्स्स श्रौर फामस (पि०) लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तिस्नेलवेलि, ईस्ट कार स्ट्रीट, डोर सं० 93 और 93 ए०, में 4305 स्कुयर फीट की भूम (मकान के साथ)।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख:: 3-5-1976

मोहर ा

# प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मई 1976

निर्देश सं० टी० IX/6/29/75—यतः, मुझे, जी० रामनाथन भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 10, रामनादन चेट्टियार रोड, मद्रास 10 है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास डाकुमेन्ट 916/75 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (19098 का 16) के अधीन, तारीख 8-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती जे० सकृत्तला वाय

(ग्रन्तरकः)

2. श्री पी० सी० नारायणन नायर

(श्रन्तारती)

3. श्री कें जी ग्यानसम्बनदन (बह व्यांक्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूधी

मद्रास-10, श्रलगप्पा नगर, रामनातन चेट्टियार रोड, डोर सं० 10 में 2 ग्रउण्ड श्रोंग 2031 स्कुथर फीट की भूमि। (मकान के साथ) (जिसका श्रार० एस० सं० 91/74)।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 3-5 1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन०एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास-600006, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश संव 1956/75---यतः, मुझे, जीव रामनाथन आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है और जिसकी सं० 5, 5/1 और 5/2 ग्रीमस रोड मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (पत्र सं० 1278/75 में, राजस्ट्रीकरण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा 1 के श्रधीन निभ्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:---

- श्रीमती सुबान्नसा बीगम श्रौर श्रादि मद्रास (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एम० मुख्येस नायकर मद्रास-4 एम० तिखनावुक्तरसु, एम० ग्रान्नदन ग्रीर टी० गोवीन्द-सामि (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मब्रास 6, ग्रीमस रोड, डोर सं० 5, 5/1 श्रीर 5/2 (प्लाट सं० 5 श्रीर 6) में 4 ग्रजन्ड श्रीर 120स्कुयर फीट श्रीर 3 ग्रकन्ड श्रीर 1315 स्कुयर फीट की भूमि (प्लाटसं० 5 श्रीर 6)।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

त।रीखः : 17-5-1976

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास-600006, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० 1956/75—यतः, मुझे, जो० रामन(यन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5, 5/1, श्रीर 5/2 है तथा जो ग्रीमस रोड मद्रास-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर (पक्ष सं० 1279/75) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 5'9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बता अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- 1. श्रीमती सुबानसा बीगम श्रीर श्रादि, मद्रास (श्रन्तरक)
- 2. श्री एम० मुरुगेस नायकर एम० तिरुना वृक्षकरसु, एम० ग्राम्बदन ग्रीर टी० गोविन्दसामि मद्रास-4 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों, का जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथें होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास, ग्रीमस रोड, डोर सं० 5, 5/1 श्रीर 5/2 (प्लाट सं० 11 श्रीर 12) में उग्राऊन्ड श्रीर 2352 स्कुयर फीट श्रीर 3 ग्राऊन्ड श्रीर 2038 स्कुयर फीट की भूमि (प्लाट सं० 11 श्रीर 12)।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-5-1976

मोहर

प्रक्ष्य आई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, 123, माऊंट रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० 1956/75---यतः, मुझे, जी० रामनाथन धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5, 5/1 और 5/2 है तथा जो ग्रीमस रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (पत्न सं० 1280/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत उक्त स्रधिनियम के स्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रणीत्:—— 6—96 GI/76

- 1. श्रीमती सुबेन्नसा बीगम, मदास
- (ग्रन्तरक)
- श्री पी० एन० शन्मुगम ग्रौर ग्रादि
   एम० मुरुगेस नायकर मद्रास-4, और
  टी० गोबीन्दसामि, मदरास-18 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्र के किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मदरास 6, ग्रीमस रोड डोर सं० 5, 5/1 श्रीर 5/2 में 3 ग्रऊन्ड श्रीर 249 स्कुयर फीटकी भूमि 1 (प्लाट 8) 1

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II<sub>.</sub> मद्रास

तारीख: 17-5-1976

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, 123 माऊंट रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० 1956/75—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 5, 5/1 श्रीर 5/2 है तथा जो ग्रीमस रोड, मद्रास-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दी० नगर, मद्रास (पत्र सं० 128/75) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 5-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः **सब** 'उन्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपक्षारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्ग्वात:-- 1. श्रीमती सुबेन्नसा बीगम भौर ग्रादि

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री एम० मुख्येस नायकर (2) एम० बारविथ (3) एम० तिख्नाबुक्करसु (4) एम० आन्नदन (5) टी० गोविन्दसामि (6) सुबुलकशमि मद्रास (7) योगम्बाल श्रौर (8) दनलकशमी (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अखोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो 'उवत अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मद्रास, ग्रीमस रोड डोर सं० 5, 5/1 श्रीर 5/2 में 5 ग्रकन्ड श्रीर 1479 स्कुयर फीट की भूमि (प्लाट 3)।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख : 17-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

1. श्रीमती सुबेन्नसा बीगम ग्रीरग्नादि मदास (ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० 1956/75—यतः, मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5, 5/1 श्रीर 5/2 है तथा जो ग्रीमस रोड, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, टी॰ नगर (पत्न सं० 1282/75) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 कार्री6) के ग्रधीन, तारीख 5-9-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नहरूप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नहरूप प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत 'उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घम या अम्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अघिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अघिनियम' या घन-कर अघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उन्त श्रिविनयम' की वारा 269-म के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की वारा 269-म की उपधारा (1) के ध्रिवी निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

2. श्री एम० मुरुगेस नायकर , एम० तिरुनाबुक्करसु, एम० श्रान्नदन और टी० गोबीन्दसामि, मद्रास-4 (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या सत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

मद्रास 6, ग्रीमस रोड, डोर सं० 5, 5/1 श्रीर 5/2 में 4 ग्रऊन्ड श्रीर 940 स्कुयर फीट की भूमि (प्लाट-2) ।

जी० रामनातन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-5-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० --

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० 1956/75---यतः, मुझे, जी० रामनातन **धा**यकर **धर्धिनियम**, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपए से ग्रधिक उचित बाजार मूल्य ब्रौर जिसकी सं० 5, 5/1 ब्रौर 5/2 है तथा जो ग्रीमस रोड, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (पत्न सं० 1283/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त प्रिधिनियम के ध्रधीन कर देने के घ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी भन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती सुबेन्नसा बीगम मंगल लक्षमी रियल एस्टेट ग्रीर ग्रादि, मद्रास-8। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनावुक्करसु श्रीर श्रादि मद्रास (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीशर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

मब्रास-6, ग्रीमस रोड डोर सं० 5, 5/1 ग्रीर 5/2 में 4ग्राऊन्ड ग्रीर 1898 स्कुयर फीट की भूमि (प्लाटसं० 7)।

जी० रामनातन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख ः 17-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-II, मद्राम

मद्रास-600006, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० 1956/75-- यतः, मुझे, जी० रामनातन **आ**यकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करमे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० 5, 5/1, 5/2 है तथा जो ग्रीमस रोड, मदास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (पत्न सं० 1284/75) में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ्दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुम्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्लरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम, के अधीन कर देने के अम्लरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिये; क्षोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिबत व्यक्तियों, ग्रयत् :— 1. श्री सुबेश्नसा बीगम, मंगल लक्षमी रियल एस्टेट श्रीर पन्मुगम महास-8 (श्रन्तरक)

2. एम० मुख्गेस नायकर, तिख्नावुक्करसु, श्राश्नदन ग्रार० टी० गोवीन्दसामि, मद्रास-4 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हं।

उभत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीमस रोड डोर सं० 5, 5/1, 5/2 (एस० सं० 43/3 ग्रीर 43/4) में 3 ग्राऊन्ड ग्रीर 125 स्क्रुयर फीट की भूमि (प्लाद सं० 9)।

जी० रामनातन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्राथकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-5-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मई 1976

निर्देश सं०  $I_{\rm X}/4/26$  (एस० ई० पी०)/75-76—-यतः, मुक्षे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 140 है तथा जो गोविन्दप्प नायकन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्न सं० 726/75) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, वा घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिष्ठितयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्रीटी० बालकमाष नायुडु, मद्रास-1 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रार० कन्नप्प चेट्टीयार और के० रुकमधी ग्रम्माल मद्रास-1 (श्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री मोयद् (2) ऋषाष कुरुप (3) पारतसारती
  - (4) बालन नायर (5) ग्रारुमुगम (6) ईक्कहीम
  - (7) सेलवराज

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों अीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्घ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास 1, गोविन्दप्प नायकन स्ट्रीट डोर सं० 140 में 2303 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख: 18-5-1976

प्रस्प आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक द्यायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जून 1976

निर्देश सं० 3437/75-76---यतः, मुझे, जी० वी० द्यायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 128/1, 128/3, 128/4, 129/1, 129/5, 129/6, 129/7, 145 म्रीर 135/4 ए में 5-12 एकर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्दीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कुम्बकोनम (डाकुमेन्ट सं० 1591/75) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-9-1075 की

सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर 1957 (1957 新 27) अधिनियम, प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: अब 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जी० दण्डायदम

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रार० एस० मृतिराजन

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयम्त शब्दों और पदों का, जो 'उम्त अधिनियम', के अध्याय 20-वः में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुम्बकोनम, पलवालांगकट्टलै गांव में 5-12 एकर की भूमि (मेशिनरि, मकान के साथ) जिसका ग्रार० एस० सं० 128/1, 128/3, 128/4, 129/1, 129/5, 129/6, 129/7, 145 श्रीर 135/4-ए०।

(डाक्मेन्ट 1591/75)

जी० बी० झासक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II. मद्रास

तारीख : 10-6-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० 3434/75-76---यतः, मुझे, जी० वी० झाबक प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 新 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधितियम' वहा गया है), के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, की धारा 269-ख यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका म्**रय 25,000/- र० से ग्रधिक है** उचिप्त बाजार ग्रीर जिसकी सं० पन्चायत डोर सं० 3-170, है तथा जो काजा नगर, के ॰ भ्रापिशेकपूरम गाँव तिरुचि में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार० श्राई० तिरुचि 'डाकुमेण्ट 5482/75) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उनत ग्रन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः मब उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्निखित व्यक्तियों, मर्थान् :--- 1. श्री एस० वैतीस्वरन

(श्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० संकरनारायणन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तिरुचि, के० ग्रिपिशेकपुरम गांव, काजा नगर, पन्चायत डोर सं० 3-170 में भूमि श्रौर मकान। (डाकुमेण्ट सं० 5482/75)।

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 10-5-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० 1931/75 76-यत:, मुझे, जी० बी० झाबक धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है। श्रीर जिसकी सं० 2, श्रबिरामपुरम पहला है तथा जो स्ट्रीट, मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० म्रार० म्रो०, मद्रास, (डाक्मेण्ट 7051/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है
ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर ग्रन्तरक
(ग्रन्तरकों)ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी ग्रन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय क्रायकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिश्वनियम, या धनकर ग्रिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों ग्रथातः— 7—96GI/76 1. श्री एल० ग्ररनाचलम

(मन्तरक)

2. श्री एम०एन० वेंकटाचलम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हितबद्ध किसी अन्य स्थवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंग्रे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त मन्दों स्नौर पदों का, उक्त ग्रधिनियम, के मन्द्राय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्म होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मद्रास-18, श्रविरामपुरम पहला स्ट्रीट डोर सं० 2 में त्रीन ग्रउण्ड की भूमि (मकान के साथ) (श्रार० एस० सं० 3637/4)।

जी० वी० झायक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख : 10-5-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मब्रास

मद्रास, विनोक 10 मई 1976

निर्देश सं० 2680/75-76—यतः, मुझे, जी० वी० झाबक सायकर अधिनियम,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्थित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भ्रधिक है और जिसकी सं० सैट सं० 38, है तथा जो सिला नायुडु ले अउट, मेट्टपालयम रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० 3 कोयम्बतूर (श्राकुमेण्ट 3213/

75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख सितम्बर 1975 को

पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के लिए धन्तरित है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे प्रतिशत से प्रधिक दश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह भौर ग्रन्तरक (मन्तरकों) और मन्स रिती (मन्तरितियों) के भीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अस, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, 'उन्त मधिनियम' की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात:—— 1. श्री जी० प्रसन्न रागवन

(ग्रन्तरक)

2. श्री सी० किंदर मोहमद

(भन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्टें होगा, जो उस शब्दाय में विया गया है।

# अनुसूची

कोयम्बतूर, मेट्टुपालयम रोड, सिला नायुडु ले घउट, सैट सं० 38 (5 सेन्ट घोर  $385\frac{1}{2}$  स्कुयर फीट वेस्टर्न हाफ और डोर सं० 15/4 मकान)।

जी० थी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-5-1976

प्ररूप भ्राई० टी०एन० एस-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० 2680/75-76--यतः, मुझे, जी० बी० झाबकः, आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार ग्रीर जिसकी सं०सैट सं० 38 है तथा जो सिला नायुड्ड ले म्राउट, मेट्टुपालयम रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (मीर इससे उपायक ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारो के कार्यालय, जे०एस० ग्रार० III कोयम्बसूर (डाकु-मेण्ट 3214/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1975 की पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त भ्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

ऐसे अम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेम्य से उमत अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भ्रिष्ठितयम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त भ्रिष्ठितयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रष्णीत्:— 1. श्री मृतुकृश्नम्माल

(भ्रन्तरकः)

2. श्री सी० मोहमद इस्मयिल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्तीकरणः – इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों को, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बतूर, मेट्टुपालयम रोड, सिला नायुडु ले घउट सैंट सं० 38 में (5 सेन्ट धीर  $385\frac{1}{2}$  स्कुयर फीट - ईस्टर्न हाफ और डोर सं० 15/4 मकान)

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-II, मब्रास

तारीख: 10-5-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मिनी सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० 2680/75-76---यतः, मुझे, जी० बी० साबक, म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन संज्ञम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाखार मूल्य 25,000/- रु० से घ्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० सैट सं० 39 है तथा जो †सला नायुडु ले ग्रउट, मेट्रपालयम रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्चनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जे०एस० ग्रार० 3 कोयम्बसूर (डाकुमेण्ट 32.15 75) में, रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 क. 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजारे मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीधिनियम, के श्रेष्टीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, ध्रव उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—— 1. श्री जी० प्रसन्न रागवत

(श्रन्तरक)

2. श्री सि० फिदर मोहमद और सि० मोहमद इस्माइल (ग्रन्तां रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी श्र्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोयम्बत्र, मेट्टुपालयम रोड, सिला नायुडु ले अउट सैंट सं॰ 36 में 11 सेन्ट और 385 स्कुयर फीट की भूमि

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीखा: 10-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II. मक्षास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिश्वित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8/64 है तथा जो श्रवनाशि रोड, कोयम्बतूर-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 3 कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 3465/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीम निम्नलिखिस व्यक्तियों, प्रधीत —

- 1. श्री एन० के० सोक्कलिकम
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्री बी॰ वःसुदेवन श्रौर श्रीमती वि॰ सत्या देवि (श्रन्तिरती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कीयम्बतूर, श्रवनाणि रोड, डोर सं० 8/64 में 18-94 सेन्ट की भूमि (मकान केसाथ) (टि० एस० सं० 1/1403)।

> जी० बी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्वास

तारीख: 10-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज -2, मन्नास

मब्रास, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० 2689/76--यतः, मुझे, जी० वी० झाबक अधिनियम, 1961 (1961 आयफर 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 13/10 दिव $_{
m I}$ न बगदुर $^{\circ}$ रोड, श्रार $_{
m I}$ एस० पुरम कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय, जे० एस० आर० III कोयम्बसूर (डाकुमेण्ट 3542/75) में, रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 26-9-1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, 'उनत अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उनत अधिनियम' की धारा 269-ग की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशित्ः—

1. श्री सी० ग्रार० लश्मणन

(भ्रन्तरक)

 श्रीएस०एन०पालाजी कतीखेल राजसेकरन (श्रक्षपूर्रान श्रम्माल के द्वारा) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कीयम्बतूर, म्रार०एस० पुरम, दिवान बहदूर रोड, डोर सं॰ 13/10 में 10.68 सेण्ट की भूमि (2739 3/4 स्कुयर फीट मकान के साथ)।

> जीं० बी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्वास

तारीख: 10-5-1976

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० 2689/75-76--यतः, मुझे, जी०वी० झाबक म्रायकर अधिनियम, (1961 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 10 विवान बहादुर रोड, भार० एस० पुरम कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिकारी के कार्यालय, जे० एस० भ्रार० III कोयम्बतूर (डाकु-मेण्ट 3543/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिएरिअस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, 'उद्मत अधिनियम, के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों ग्रथीत्:—- 1. श्री सी० श्रार० लक्मणन

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० एन० संकमेस्तर रामस्वामि (एस० एन० श्रम पूरिन श्रम्माल के द्वारा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए एतत्तद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसृष्वी

कोयम्बतूर, श्रार० एस० पुरम, दिवान बहाँदूर रोड, डोर सं० 13/10 में 8.64 सेण्ट की भूमि  $(2389\frac{3}{4}$  स्कुयर फीट मकान के साथ)।

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 10-5-1976

प्ररूप आई७ दी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आ**युक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० 2700/75-76—यतः, मुझे, जी० त्री० झाबक श्रायकर श्रीधनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ख्पये से अधिक है और जिसकी सं कोर सं 15, सैट सं 85 है तथा जो एस० आर० पी० कालान कीयम्बतूर (भूमि ग्रीर ग्राउण्ड पलोर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांतिपुरम (डाकुमेण्ट सं 2528/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अक्ते में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-म के अनुसरण में,मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म का उपमारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री एन० श्रार० दुरैसामि

(अन्तरक)

2. श्रीमती जगन्ति कलिंगरायर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

कोयम्बसूर एस० म्रार० पि० कार्लीन सैट सं० 85, डोर सं० 15 में 7.45 सेण्ट की भूमि (ग्राउण्ड फ्लोर के साथ) (डाकुमेण्ट 2528/75)।

> जी० वी० झावक सक्षम प्राधिकारी ुंसहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 10-5-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० 2700/75-76---यतः मुझे, जी० वी० झाबक म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), 269-घ के श्रधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रिधक है श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 15, सैट सं० 85, एस० श्रार० पी० कालनि, कोयम्बतूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांतिपुरम (डाकुमेण्ट सं० 2529/75) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रध-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1975 सम्पत्ति के उचित बाजार को पूर्वोक्स मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत 'उक्त धिकिन नियम,' के धिधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भ्रतः भ्रब 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-घ के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—
8—96GI/76

(1) श्री एन० श्रार० दूरैसामि

(मन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम नन्दा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झविध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झविध, जो भी झविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्तिद्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्योकरण:—इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो 'उबत ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोयम्बतूर, एस० ब्रार० पी० कालनि, सैट सं० 85, डोर सं० 15 में 2.73 सेण्ट की भूमि (पहला पलोर ब्रौर गेरेज के साथ)

> र्जा० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 10 मई 1976

प्ररूप भ्राईं० टी० एन० एस०---

ष्णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० 2704/75-76---यतः मुझे, जी० वी० झाबक मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है), 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ठ० से अधिक श्रौर जिसकी सं० उप्पिलिपालयम में 1.69 1/2 एकड़ (सर्वे सं । 108.) में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सींगनलूर (डाकुमेन्ट 1211/75) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 26 सितम्बर 1975 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रक्षिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात् :— (1) श्री रामसामि

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजम्माल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुपूची

कोयम्बतूर तालुका, उष्पिलिपालयम में 1-69 1/2 एकड़ की भूमि जिसका सर्वे सं० 108।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज II, मद्रास

विनाक: 10 मई 1976

(श्रन्तरक)

प्ररूप प्राई०टी०एन०एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II मद्रास मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० 2718/75-76--यतः मुझे, जी० बी० झाबक धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 年 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस बाजार मुख्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिस की सं० 1 . 78 एकड़, सूरम्पट्टि गांव, (एस सं० 63/3) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित **है );** रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I ईरोड (डाकुमेण्ट 3594/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 4 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है श्रीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर श्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत उक्त अघिनियम के ब्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के क्षिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिमियम या धन-कर श्रधिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: ग्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--- (2) श्री ए० बालसुब्रमनिय मुदलियार एण्ड सन्स (श्रन्तरिती)

(1) श्रीमती एस० दनमाक्यम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ईरोड तालूका, सूरम्पिट्ट गांव में एस० सं० 63/3 में 1.78 एकड़ की भूमि। (डाकुमेण्ट सं० 3594/75)

जीं० वी० साबक सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 10 मई 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० 2718/75/7-यतः, मुझे, जी० बी० झाबकः, भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ভদ্ব ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ब्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 1.78 एकड़, सुरम्पट्टिगांव (एस० सं० 63/3) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० ब्रार० I ईरोड 'डाकुमेण्ट 3595/75 में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 4 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिमात से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उशत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

द्यात: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती पी० सिन्नम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) ए० बालसब्रमनिय मुदालयार एण्ड संस (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ईरोड, तालूका, सूरम्पट्टिगांव में एस० सं० 63/3 में 1.78 एकड़ की भूमि (डाकुमेण्ट 3595/75)

र्जी० वीं० झाबक सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 10 मई 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० 5006/75-76—-यतः मुझे, जीं० वीं० झामक, भायकर मधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राध-नियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 2, डाक्टर रंग चारी रोड़, मैलापुर, मद्रास-4 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I मद्रास, डाक्मेण्ट सं० 8359/75 में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16 सितम्बर 75 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूक्य से कम के षुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्रीमती एस० के० सारादाम्बाल, श्री एस० के० राम-कुमार, एस० के० वेंकट रामन; एस० के० रामकृष्णन श्रीर श्रनदर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० कामाक्शि

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री के० सन्तानम श्रीर संपत (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल खिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्घ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास-4, मैलापूर, डाक्टर रंगाचारी रोड़ में डोर सं० 2 में भूमि और मकान ।

> जी० वीं० झाबक सक्ष्म प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 10 मई 1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० 5060/75-76---यतः मुझे, जी० बी० झाबक (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/ ६० से प्रधिक है <mark>स्रोर जिस की सं० डोर सं० 2/7, 2 ए/7 स्रो</mark>र 1/7 मिल्लर्स रोड, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याक्षय, जे० एस० भ्रार० मद्रास (डाकुमें ण्ट 7009/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 27 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर वेने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/गा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भिक्षितियम', या धनकर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रव 'उन्त श्रिधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उन्त श्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीम, निम्निजित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--- (1) श्रीमती वनलिम श्रम्माल, श्री एम० मानिक मुदलियार एम० मनि श्रीर एम० श्रण्बलकन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० एम० मुहम्मद इडराहिस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपद्ध में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रह्मोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पद्दों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के घ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्थ होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

# अनुनुषी

मद्रास, पुरसवाक्कम, मिल्लर्स रोड, छोर सं० 2/7,  $2 \frac{\pi}{7}$  स्त्रीर 1/7 में 3 प्राउण्ड स्त्रीर 1008 स्कुयर फीट की भूमि 1

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

विनांक । 10 मई 1976 मोहर: प्ररूप आई० टो० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज-]I, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 मई 1976

निदेश सं० 5062/76-76----यतः मुझे, जी० बी० झाबक म्रधिनियम, 1961 (1961 年 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रौर जिस की सं० डोर सं० 2/7, 2ए/7 श्रौर 1/7 मिल्लर्स रोड़, पुरसवाक्कम, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमेण्ट 7113/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 27 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए धन्तरित की गई है झौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपःल के पन्द्रह प्रतिशत से स्रधिक है सीर मन्तरक (मन्तरकों) मौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के **बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय** पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी फिसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उन्त ग्रिधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात् :--- (1) श्रीमती दनलिशम श्रम्माल; एम० मानिक मुदलियार; एम० मनि श्रीर एम० श्रण्बलकन

(अन्तरक)

(2) श्री के० एम० मोहम्मद श्रलि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनयम' के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, पुरसवाक्कम, मिल्लर्स रोड़, डोर सं० 2/7, 2ए/7 श्रीर 1/7 में 3 ग्राउण्ड श्रीर 1885 स्क्वेयर फीट की भूमि।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 10 मई 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 1903/75-76--यतः मुझे, जी० वी० झाबक आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), पश्चात् की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से अधिक है, न्नौर जिस की सं० भद्रास 6, ग्रीम्स रोड़, प्लाट सं०  $13\, \mathrm{ए} \mathrm{v}$  ( 1/3भाग) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकु-मेण्ट सं० 1148/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के पृथ्यमान लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान

प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

- गया है:-
  (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः अन, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,ः— (1) श्रीमती पार्वति

(ग्रन्तरक)

(2) पि० टी० संमत्कुमार

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, ग्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसू ची

मद्रास,6, प्लाट सं० 13ए, ग्रीम्स रोड, (1/3 श्रभिन्न भाग) (एक ग्राउण्ड ग्रौर 488 स्क्वेयर फीट)

> जीं० वीं० झायक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 14 मई 1976

(ग्रन्तरक)

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 5061—पतः मुझे, जी० बी० झाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिस की संव सर्वे संव 34/1 ए-2 हिन्छोट्टियूर गांव, सैदाभेट तालुका में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूर्चा में भ्रीर पूर्ण क्य से विणत हैं), रिजर्ट्यकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेव एसव्यारव्याव-11 सदास, (डाकुमेण्ट 6545/75) में, रिजर्ट्यकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1975

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत्त से प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रविनियम,
   के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी
   करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए में सुविधा के लिए;

श्रव: श्रव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्र्यीत्:— 9—96 GI/26

(1) श्रीमती वसन्ता नटराजन

(2) एशियन कोल्ड स्टोरेज ग्रौर श्राइस फैक्ट्री (ग्रन्तरिती)

को यह <del>सू</del>चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

### अमुसुची

सं० 27, तिरुष्रोहियूर गांव में 24000 स्क्वेयर फ़ीट की भूमि (जिसका एस० सं० 34/1 ए 2) ।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (किरीक्षण) ग्रजन रेंज-1<sup>1</sup>, मद्रास

दिनांब : 14 मई 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 14 मई 1976

निदेश सं० 1937—यतः मुझे, जी० वी० झावक श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनस श्रिधिनयम' नहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 22, ग्रीमस रोड है तथा जो मद्रास -6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 6974/75) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) वे श्रिधीन, विनांक सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, 'उनत श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत श्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रब 'उन्त भ्रधिनियम' की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, 'उन्त भ्रधिनियम' की धारा 269-मं की उप-धारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः—

- (1) श्री रामदास पुरुशोत्तमदास, सदरास-31 (श्रन्तरक)
- (2) सर्तन एकसप्लोसिवस कम्पर्नः मदराग-6 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में, दिया गया है।

### अनुसूची

मदरास 6 ग्रामिस रोड डोर सं० 22 में 10 ग्राउन्ड श्रौर 1520 स्कवेयर फीट की भूमि--श्रार० एस० 39 (मकान के साथ)।

> र्जा० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांक : 14 मई 1976

प्ररूप० धाई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-11, मद्रास

123 माउन्ट रोड मद्रास 600006 मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 2701/75-76—यतः, मुझे जी० वी० झाबक श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत श्रिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिस की सं 12/28 कृष्नस्वामी ले श्रऊट सायिवाबा कालनी कोयम्बत् में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गांतिपुरम डाकु-मेण्ट 2575/75 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह श्रिक्षत से श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रक्षीत:--- (1) एस० जी० दीवाकर मेनन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भार० ए० हरिहरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पटों का, जो उक्त अधिनियम, के स्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

कोयम्बतूर, सायिबाबा कालिन, कृश्नस्वामि ले श्रऊट, डोर सं० 12/28 में भूमि श्रोर मकान (डाकुमेन्ट 2575/75)

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 14 मई 1976 मोहर: प्ररूप म्राई०टी०एन०एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास 123 माउन्ट रोड मद्रास 600006 मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० एफ 3440/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झायक

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

भौर जिस की सं० 146, महंकुर गांव, निश्चलम तालुका आर० एस० सं० 138-12, 138, 13, 138-14, 138-16, 138-17, 138-4 137-2 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागूर (डाकुमेण्ट 933/75) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 सितम्बर 1975

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त मधि-नियम, के मधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; म्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ध्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :---- (1) श्री जीव गोपाल चेट्टियार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बेंकिटु सब्ब चेट्टियार

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो 'उनस श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

निम्नलम तालुका, 146 सं० मध्गुर गांव, टी-सर्व सं० 138-12, 138-13, 138-14, 138-16, 138-17, 138-4 ग्रौर 137-2 (भूमि, मकान ग्रौर मेशिनरी)

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजेंन रेंज-11, मद्रास,

दिनांक 14 मई 1976 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 11

123 माउन्ट रोड मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 2677/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झावक स्नायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिस की सं० नया टि० एस० सं० 3/1865 भाग हफिजपेट रोड, कोयम्बटूर, में स्थित हैं (ग्रीरइससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार० कोयम्बटूर (डाकुमेण्ट 3552/75) में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29 सितम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथल अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती कोमलयल्ली नायरम्माल, वस्तन रागव मुदलियार, सी० श्रार० शन्मुग सुन्दरम, सी० श्रार०, विजयरत्नम, सी० श्रार० मुक्गेसन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नूर्जहान बीबी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बतूर, हिफजपेट रोड, नया टी० एम० सं० 3/1865 भाग में 3512 स्कुयर फीट।

जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 11 मद्रास

दिनांक 14 मई 1976 मोहर: प्रस्प प्राई० टी० एन० एस०----- (1) श्री कोमलबल्लि तायरम्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ∐्मद्राम

मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेण सं० 2677/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झावक, ग्रायकर १६ निय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० नया टी० एम० सं० 3/1865 भाग हाफ़जपेट रोड़, कीयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एसं० ग्रार० कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 3553/75) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 29 सितम्बर 1975

को पृथीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिव है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या विसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की झारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थिकियों अर्थातु :-- (1) श्री कोमलविल्लि तायरम्माल, सी० श्रार० वसन्त रागव मुदलियार, मी० श्रार० णन्मुगमुन्दरम, मी० श्रार० मुक्गेमन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० एन० हनीफा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

कोयम्बतूर डाऊन, हाफजपेट रोड़, नया टी० एस० सं० 3/1865 भाग में 3391 स्क्यर फीट।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक 14 मई 1976 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा. 269-थं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास 123 माउन्ट रोड, मद्रास 600006 मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 1924/75-76--यतः मुझे, जी० वी० झाबक श्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है न्नीर जिस की सं० प्लाट सं० 13/बी (1/3) भाग) है तथा जो ग्रीम्स रोड़, मद्रास में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्मेन्ट 1220/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 5 सितम्बर 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उबत अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे चचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्राचीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्वातुः—— ( 1 )- श्री एम० मुरुगेम नायकर, एम० निरुनाऊकरसु एम० अन्नदन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० एन० शन्मुगम और मी० ए० मंगलम

🗸 (ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पृष्ठवित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिश्रां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्ष) इस सूचता के राजपत्न में प्रशाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अवधि बाद में समापत होती हो, के भीतर पूर्योका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और जो पदों का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

मद्रास-6 ग्रीम्स रोड, प्लाट सं : 13/बी में 1/3भाग (2 ग्राउण्ड और 3० स्कुयर फीट)

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II मद्रास

· दिनांक 14 मई 1976 - मोहर : प्ररूप आई∙ टी० एन० एस०---

भायकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा २६९-घ (1) के श्रिष्टीन सूचना

4732

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास भद्रास. दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 1903/75-76—यतः मुझे, जी० बी० झाबक म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है ब्रीर जिसकी - सं० प्लाट सं० 13 ए ग्रीम्स रोड़, मद्रास-6  $\left( rac{1}{3} 
ight)$ श्रमिन्न भाग) में स्थित है (ऋौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (डाक्मेण्ट सं० 1149/75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 5 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-णत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत श्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनतं अधिनियमं की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—— (1) श्री पार्वती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० म्रार० विजयकुमार

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आउंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मद्रास-6, ग्रीम्स रोड़, प्लाट सं० 13 -ए में 1/3 ग्रभिन्न भाग (एक ग्राऊण्ड ग्रीर 488 स्कुयर फीट) ।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 14 मई 1976 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### मारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 1154--यत: मुझे, जी० बी० झाबक श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चास 'उवत भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 13 वी है तथा जो ग्रीमस रोड, मद्रास-6 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास, (पन्न सं० 1154/ 75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 5 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) कीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत ग्रन्तरण लिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

में बारसविक रूप से कथित नहीं विद्या गया है :--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

भत: भव 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के भ्रधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—
10—96GI/76

- (1) श्री एम० मुरुगेस नायकर और श्रादी मद्रास-6 (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० टी० रमणी श्रीर पी० सी० सान्ती मदास-1 (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास, ग्रीमस रोड प्लाट सं० 13 बी में 2 ग्राउन्ड ग्रौर 30 स्कुयर फीट की भूमि में  $^1/_3$  श्रिभन्न भाग और 850 स्कुयर फीट में आधा भाग ।

जी०वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

विनांक: 14 मई 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्राय्क्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 1904---यतः मुझे, जी० वी० झाबक भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-- रुपये से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 13 बी ग्रीमस रोड़ है तथा जो मद्रास में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्न सं० 1151/75) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 5 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैऔर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री एम० मुरुगेस नायकर श्रौर श्रादी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० एन० शन्मुगम ग्रौर पी० ए० मंगलम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

मद्रास, ग्रीमस रोड़ प्लाट सं० 13 वी में 2 ग्राउन्ड ग्रौर 30 स्कुयर फीट की भूमि में 1/3 ग्रभिन्न भाग ग्रौर 850 स्कुयर फीट में ग्रीधा भाग।

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 14 मई 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर भ्राभ्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 1900--यत: मुझे, जी० बी० झावक श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 13 सी, ग्रीमस रोड़, है तथा जा मद्रास में स्थित ह (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्न सं० 1147/75) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 5 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रम उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रीधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रीधान निम्निस्थित व्यक्तियों, ग्रथीत :-- (1) श्री एम० मुहगेस नायकर, मद्रास-4

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० एन० चन्द्रन, मदास-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त आक्सियों में से किसी ध्यिक्त हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस द्यधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भ्रय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मद्रास-6, ग्रीमस रोड़ प्लाट सं० 13 सी में 2327 स्कुयर फीट की भूमि में 1/3 श्रभिन्न भाग ।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 14 मई 1976

प्ररूप आई० टी० एन• एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 1900—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 13 सी, ग्रीमस रोड़ है तथा जो मदास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्न सं० 1146/ 75) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 5 सितम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित:— (1) श्री एम० मुख्लेस नायकर, मद्रास-4

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० एस० राजलकशमि, मद्रास-1 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुवत शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मद्रास-6, ग्रीमस रोड़, डोर सं० 13 सी में 2327 स्कुयर फीट की भूमि में 1/3 ग्राभिन्न भाग।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 14 मई 1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मई 1976

निदेश सं० 1900---यतः मुझे, जी० वी० झाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/-७० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 13 सी है तथा जो ग्रीमस रोड़, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्न सं० 1145/75) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक सप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

धत: श्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, मद्रास-6

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० एन० पलनी मद्रास-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  स्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

्र मद्रास-6, ग्रीमस रोड़, प्लाट सं॰ 13 सी में 2327 स्क्रुपर फीट की भूमि में 1/3 ग्रभिन्न भाग।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

विनांक: 14 मई 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई, 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 75/76-77——यतः मुझे,एस० वी० सुब्बाराव

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 1946 है, जो नैलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नैलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने मेसुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन-कर अधिनियम, या भ्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्ति व्यक्तियों भ्रथात् :---

- श्री टीकावरपु पटाभी रामीरेडी पिता रामी रेडी, (2)
   टीकावरपु कोनारक मनोहर रेडी, पिता पटाभीरेडी 58 (20-बी०), सेन्ट मार्क रोड, बेंगलूर-1। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री यारामनी नागा संजीव प्रसाद सुपुत्न कोटेश्वर राव मैनेजिंग डाइरेक्टर, ईस्ट इन्डिया सम्बाकू कम्पनी, प्राईवेट लिमिटेड मंगलागिरी रोड, गुंटुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति- सूखा जमीन, विस्तृन 7.99 एकड़ पट्टा नं० 130 सर्वे नं० 1946, नेलूर में बीट नं० 1, पंचायत में।

एस० वी० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 5-5-1976

and the later of

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 5 मई 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 76/76-77—यतः मुझे, एस० वी० सुब्बाराय

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से स्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 9-2-104/105 है, जो मुस्तादपुरा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-9-1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- $L^{\frac{3}{2}}(1)$  श्रांमिती श्रकतरी हमीद, (2) डाक्टर जवीद श्रकतर, (3) डाक्टर ग्रहीन श्रकतर इलयास डाक्टर ग्रहीन हुमायुम, (4) डाक्टर नवीद श्रकतर, (5) रगीद श्रकतर, (6) जुनेद श्रकतर, (7) मोयीद श्रकतर, (8) श्रवीन श्रकतर, तमाम लोग श्रागापुरा, हैंदराबाद । (श्रन्तरक)
  - 2. (1) श्रीमती राबीया बाई पति हाजी इदिस।
- (2) श्रीमती फातीमा बाई, पति हाजी हरून दोनों मुस्तेद-पुरा, निजामाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति---घर नं० 9-2-104/105 मुस्तेदपुरा, निजामा-बाद (ग्रान्ध्र प्रदेश) ।

> एस० वी० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारी**ख** : 5-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1976

निर्देण सं० ग्रार० ए० सी०-77/76-77—यतः मुझे, एस० वी० सुब्बाराव,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी

सं० 3-8-51,3-7-105 है, जो राममनदीर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय महबूबनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **श्राधी**न 24-9-1975 पू**र्वोक्**त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य वम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह विश्वास करने का कारण गई है झौर मुझे है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धीर यह कि भ्रन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्म-जिखित उद्देश्य से उमत ग्रन्तरण लिखित में नास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उकत ग्राधिनियम के ग्राधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की श्रारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रग्यात:--

- (1) राचमल्ला इशवरय्या पिता चनद्राय्या, (2) राच-मल्ला विश्वन।थम पिता कीशटय्या, गांव गंगापुर, महबूबनगर, जिला। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गुनडाबथुला गनगारथनम, पत्निश्री जी०वी० नरसिम्हा राव, निवासी महबूबनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किमी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति नं० 3-8-51 फ्रौर 3-7-105 दो मंजिला घर रवीन्द्र-नगर, महब्बनगर।

> एस० वी० सुध्वाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैंदराबाद।

तारी**ख**: 5-5-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 14 मई 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 81/76-77—यतः मुझे, एस० वी० सुब्बाराब,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है और जिसकी सं० 3-4-855/1 है, जो बरकतपुरा में स्थित है (शौर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत:—— 11—96GI/76

- 1. (1) श्रीमती ग्रमीरूनीसा बेगम, (2) ग्रशराफूनीसा, (3). फेंजुनीसा, (4) जीनथुनीसा, (5) ग्रसमातुनीसा, (6) जहीं रूदीन, (7) ग्रजारूद्दीन, (8) नैजामुद्दीन, (9) हबीदुनीसा—तमाम मैनर लोग हकीकी माता के पालन में हैं। श्रीमती ग्रमीरूनीसा बेंगम तमाम घर नं० 3-4-855/! बरकतपुरा हैदराबाद में रहते हैं। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती मरमराजु राधम्मा पत्निश्री एम० गोपाल किशन राउ, (2) मरमराजु रधवीर राव पिता गोपाल राव, दोनी पीलकमपल्ली गांव में रहते हैं । इश्राहीमपटम, तालूका हैदराबाद जिला। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उम श्रद्ध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

सम्पत्ति घर नं० 3-4-855/1 वरकतपुरा हँदराबाद, श्रतराय दीवार के साथ, विस्तीर्न 872 वर्ग गज।

> एस० वी० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख : 14-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 14 मई, 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० ७९/७६-७७--यत: मुझे एस०

वी० सुब्बाराज, आयकर अधिनियम
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनतः
प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है
श्रीर जिसकी सं० 10-2-317/15 है, जो विज्यानगर कालोनी

श्रीर जिसकी सं० 10-2-317/15 है, जो विज्यानगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सितम्बर, 1975

को पर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत :—— सर्वंश्री (1) उमर कलिक पिता कलिक, (2) इसीद कलीक पिता कलीक गरीफ, घर नं० 22-2-47 धारुल हरमत, डवीरपुरा हैंदराबाद। (ग्रन्तरक)

 $2\cdot$  (1) सर्वश्री बी० एम० चन्द्रय्या, पिता रामान्ना, (2) बी० रमेश पिता बी० एम० रामचन्द्रेया, दोनों 10-2-317/15 विजयानगर कालोनी, हैंदराबाद। (ग्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

सम्पत्ति जमीकासता घर नं० 10-2-31क्र/15 कुली जमिन, विजयानगर कालोनी, हैंटराबाद। विस्तीनं 1703 वर्ग फिट।

> एस० बी० सुब्बाराउ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-5-1976

प्रह्म आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, हैदरावाद

हैदराव(द, दिनांक 14 मई 1976

निर्देण सं० थार० ए० सी० 80/76-77——यतः मुझे एस० वी० स्⊜वाराव,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 5-9-164 है, जो चापलरोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन हैदरावाद को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास व रने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिविनयम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निचित व्यक्तियों, श्रिषीत् :---

- श्री मुहम्मद अब्दुल हुसेन करीम, पिता अब्दुल हुसेन,
   5-9-165 चापल रोड, हँदशबाद । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कमर जहान वेगम, पति कान ग्ररीम कान, 5-9-161 चापल रोड, हैंदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--'

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्तेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति घर नं० 5-9-164 कुला जमीन कम्पाउण्ड दीवार, चापल रोड के पास, हैदराबाद विस्तंन 443 वर्ग गज।

> एस० वी० सुव्वाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारीख : 14-5-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 24 भ्रप्रैल, 1976

निर्देश सं० घ्रार० ए० सी० 64/76-77--यत: मुझे के० एस० वैंकटरामन भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० 2-2-4/1 है जो श्रडीकमेट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है प्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या फिसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में; मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

- श्री बी० मधुसूदन रेड्डी, पिता श्री नरसीमा रेड्डी, ग्रडीकमेंट, हैंदराबाद। (ग्रन्तरक)
- श्री सुधाकर रेड्डी, पिता सत्यनारायन रेड्डी, 1-1-192/ए०, पोस्ट श्राफिस बली जीकडपली, हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

सम्पत्ति नं ० 2-2-4/1 ब्रडीकमेट, यूनिवर्सिटी रोड, हैदराबाद-7

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारीख : 24-4-1976

प्ररूप श्राई० टी०एन०एस०---

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 65/76-77—यतः मुझे, के० एस० वैंकटरामन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० पडीला, यडगी नं० 10-ग्रार० है, जो 4-1-938/ R-10 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उपत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:--

- श्रीमती गीबाबाई पति धीरीराज धरन, नं० 21-2-547, उरह शरीफ, हैंदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दादन बाई, पति सतरमदास, पुलकन सतय्या, घर जनरल बाजार, सिकन्द्राबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्र**र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टी करण -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 1, सत्ता शफ नं० प्रार०-10 में 4-1-938/म्रार०-10 तिलक रोड पर हैंदराबाद, खरीवी गई डीड नं० 3823/75।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारीख: 24-4-1976

# प्रकप प्राई० टी० एन० एस०---

# भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 ग्रप्रैल, 1976

सं० श्रार० ए० सी० 60/76-77:—~यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-सत्ता गली नं० श्रार०-9 है, जो 4-1-938 श्रार-9 तीकरोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखिखत व्यक्तियों, ग्रथीत:--

- 1. श्रीमती रुकमीनी बाई पति महाबीर प्रसाद मे ० नं ० 21-2-547 उरदूशरीफ के पास, हैंदराबाद। (ग्रन्तरक)
  - श्रीमती मीराबाई पति रामचंद्र ग्रशोक नगर, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति J पहील सता मलगी नं० ग्रार०-9 नं० 4-1-938/ ग्रार०-9 तिलक रोड पर, हैंदराबाद, कखरीदी Decd No. 33825/75।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारीख: 24-4-76

प्ररूप प्राई०टी०एन०एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 श्रप्रैल, 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 67/76-77--यतः मुझे के०

गमि वेंकटरामन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं ा। सता मलरी नं आर०-7 है जो 4-1-938/ आर० 7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के ग्रधीन -9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रश्विनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः---

- 1. श्रीमती शीबाबाई पित हरीराम नं 3-2-350, चपल-बाजार, हैंदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बी० सुन्दरास्वामी श्रौर पी० ईश्वरलक्ष्मी मार्फत श्रीदेवी होटल, तिलक रोड, हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)
- 4. दी म्रान्ध्रा बैंक लिमिटेड, सुलतान बाजार। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्त क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति II सता मलरी नं० श्रार०-7 घर नं० 4-1-938/ श्रार० तीलक रोड, हैंदराबाद। खरीदी पत्न सं० 3722/75।

के० एस० वेंकट रामन संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंबराबाद ।

तारीख: 24-4-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 68/76-77--यत: मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्रत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रौर जिसकी सं० दूसरी मंजिल दुकान नं० श्रार०-8-4-1-938/ श्रार०-8 है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबख श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रसिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरिक (ग्रन्तरिक) भीर श्रम्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- 1. श्रीमती बसन्ती बाई पति केदार नाथ नं० 3-2-350 चप्पल बाजार, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बी० सुन्दरारामी रेड्डी ग्रौर श्रीमती पी० ईश्वरी लशमी मार्फत श्रीदेवी होटल, हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)
- 3. दी भ्रान्ध्रा बैंक लिमिटेड, सुलतान बजार, हैदराबाद। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति दूसरी मंजिल दुकान नं० श्रार०-8 घर नं० 4-1-938/ श्रार०-8 तिलक रोड पर, हैंदराबाद । डोक रोड नं० 3721/75।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 24-4-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 ग्रप्रैल, 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 69/76-77—यतः मुझें, के० एस० वेंकटरामन

म्रायकर म्रिविनयम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त म्रिविनयम कहा गया है) की धारा 269 ख के म्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से म्रिविक है और जिसकी

सं० दूसरी मंजिल षुकान नं० धार०-6 है, जो 4-1-938/ धार०-6 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 1-9-1975 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और धन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर धन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाकत, उकत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्:---12-96 GI/76

- 1. श्री राजकुमार 3-2-350 चपल बाजार, हैवराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री वी० सुन्दरारामी रेड्डी और श्रीमती पी० ईक्वरालक्ष्मी मार्फत श्रीदेवी होटल, तिलक रोड, हैंदराबाद। (ग्रन्तरिती)
- 3. दि म्रान्ध्रा बैंक लिमिटेड, सुलतान बाजार, हैदराबाद। (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

सम्पत्ति दूसरी मंजिल दुकान नं० 6-बिशनलाल आहूजा भारकीट नं० 4-1-938/ग्रार० 6 तिलक रोड, हैंदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 24-4-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

न्नायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 श्रप्रैल, 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 70/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उन्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास नरने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है प्रौर जिसकी संग्र दूसरी मंजिल दुकान नंग्र प्रारंग-9 है, जो तिलक रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड प्रमुखी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोश्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उश्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्षत ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या भन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्ः

- श्रीमती रुकमिनी बाई पित महाबीर प्रसाद, म०नं० 21-2-547, उरदू गरीफ हैंदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बी० सुन्दरारामी रेड्डी और श्रीमती पी० ईश्वरीलक्ष्मी, मार्फत श्री देवी होटल, तिलक रोड, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)
  - दि आन्ध्रा बैंक लि०, सुलतान बाजार, हैदराबाद ।
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति दूसरी मंजिल दुकात नं० श्रार०-9 श्रौर म० नं० 4-1-938/श्रार०-9 तिलक रोड, हैदराबाद। नं० 3723/75।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारी**ख ।** 24-4-1976 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 श्रप्रैल, 1976

निर्देण सं० श्रार० ए० सी० 71/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उधत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी संव दूसरी मंजिल दुकान नंव श्रारव्-10 4-1-938/ श्रारव्-10 है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनयनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1-9-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है स्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचमे में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उन्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रधीन :---

- 1. श्रीमती शोबाबाई पति गिरीराज चरन, 21-2-547 उर्दू शरीफ, हैंबराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री वी० सुन्दरारामी रेड्डी श्रीर श्रीमती पी० ईम्बरालक्ष्मी, मार्फत श्रीदेवी होटल, तिलक रोड, हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)
- दी ग्रान्ध्रा बैंक लिमिटेड, सुलतान बाजार, हैदराबाद।
   (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्वों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रक्षितियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पक्ति दूसरी मंजिल दुकान नं० श्रार०-10 घर नं० 4-1-938/श्रार०-10 तिलक रोड पर, हैदराबाद डोक० नं० 3720/75।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख : 24-4-1976

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 24 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 72/76-77---यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रींग जिसकी सं० पहली मंजिल दुकान नं० 6-ग्रार० 4-1-938/ग्रार०-6 है, तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है भ्रोर ग्रन्सरक (भ्रन्सरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम,' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त ध्रधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री राज कुमार पिता केदार नाथ, घर नं० 3-2-350 चपल बाजार, हैंदराबाद।
   (ग्रन्तरक)
- श्री गोपीचन्द पिता मोहन दास, पुलकम सतया का घर, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उन्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

सम्पत्ति पहली मंजिल दुकान नं० आर०-6 मकान नं० 4-1-938/आर०-6 तिलक रोड पर, हैंदराबाद। खरीदी गई सं० 3827/75।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख: 24-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 73/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पहली मंजिल दूकान नं० श्रार०-7 है, जो 4-1-938/ श्रार०-7 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिकस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्रोमती शोवाबाई, पति श्री हरीराम, घर नं० 3-2-350 चपल बाजार, हैंदराबाद। (अन्तरक)

2. मोहनदास पिता शमनवास, पुलकम सतस्या का घर, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पति पहिला मंजिल दूकान नं० द्यार०-7, घर नं० 4-1-938/म्रार०-7 तिलक रोड, हैंदराबाद।

> के० एस० बेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारीख: 24-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रीयकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक द्यायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 म्राप्रैल, 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 74/76-77—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका मुख्य 25,000/-₹0 -से अधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० 6-2-30 है, जो नकडीकापुल में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्राधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण भ्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृध्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईहै और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन गिम्नलिखत व्यक्तियों, श्रयात्:—

- श्रीमती तहजीबुश्नीसा बेगम श्रीर श्रणरफ श्रली बेग, घर न० 6-2-30/1 लकड़ी का पुल, हैंदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2 दौलतकातुन पिता घ्रब्दुलाकाम सहीब सलीम मेनशन सैपाबाद, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के क्षर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना के तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़दों ग्रीर पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

सम्पत्ति कुली सत्ता उसमें चार घर न० 6-2-30 लकड़ी का पुल के पास, हैवराबाद।

> के०एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीखा : 24-4-1976

(भ्रन्तरक)

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन-रेंज-1 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-782 (308)/1-1/-75-76—स्तः मुझे जे० कथूरिया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी संव सर्व नंव 36-1/ (भाग) तथा 42-2 (भाग) है जो थलतेज गांव, ताल्का दस्कोई, डिस्ट्रीक्ट श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उप बढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय र्गजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अग्तरण से हुई जिसी आय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम' के अधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

घतः भव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत् :---

- (1) लक्ष्मी कारपोरेशन 23 लक्ष्मी नगर को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी श्रहमदाबाद ।
- (2) खाखरीया को० आप० हाऊसिंग सोसायटी लि० (प्रन्तरिती) थलतेज प्रहमदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ब्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्व्यक्तरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 12213 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं 36-1/(भाग) तथा 42-2/ (भाग) है तथा जो थलतेज गांव में ड्राई-इन-सिनेमा के पीछे महमदाबाद में स्थित है।

> (जे० कथूरिया) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद ।

तारीख **। 1-4-197**6 मोहरः

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-J-783 (309)/1-1/75-76—यतः मुझे जे० कथ्रिया,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं सर्वे न० 79/2 टी० पी० एस० नं० 8 एप० पी० नं० 217 सब प्लाट नं० 2 है, जो श्रसारवा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त घिंध-नियम' के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रव, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) पृथीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथितः च

- (1) 1. श्री पुरुषोत्तमदास बालाभाई, शाही बाग, श्रहमदाबाद
- (2) 2. श्रीभूपेन्द्रकुमार विकमलाल णाह, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) हिर्मागरी की० आप०हाङसिंग सोसायटी लि०, की ओर में :--
- (1) श्री भीखाभाई कचराभाई पटेल, पार्वात-नगर, श्रसारवा होली चकला, श्रहमदाबाद ।
- (2) श्री गांडा भाई केणवलाल पटेल, नई परमेण्वर सोसायटी , सिविल श्रस्पताल के पीछे, ग्रसारवा, शहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ विसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापिश्माधित है, वही धर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2525 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 79/2, कायनल प्लाट नं० 217, सब प्लाट नं० 2 टी०पी० एस० नं० 8 है, तथा जो श्रसा खा में नए सिविल श्रस्पताल के पास श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूग्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 1-4-76

मोहर;

प्ररूप श्राई०टी० एन० एस०----

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन-रेज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० वयू० 23-I-821 (321)/5-1/75-76—यत: मुझे जे० कथ्रिया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्वनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिश्वीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी स० सर्वे नं० 151, 152 तथा 479, है. जो महुवा डिस्ट्रीकट भावनगर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय महुश्रा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर यह कि घन्तरक (धन्तरकों) प्रौर धन्तरिति (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त प्रधि-नियम' के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव 'उक्त ग्रधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण गों, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रचीत :-13-96G1/76 (1) श्रीमती क्रिजनन्दनी देवीबा, नीलम बाग पैलेस, भावनगर।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री रमणीकलाल माणेकलाल मेहता,
  - 2. श्री संजयकुमार हरिकशन दास मेहता, बम्बई मेंसर्स मेहता फामर्स, फर्म की श्रीर से (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जी उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खेती वाली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 29 एकड़ 1 ग्ठा है तथा जिसका सर्वे नं ० 151, 152 तथा 479 है तथा जो महबा, डिस्ट्रीक्ट भावनगर में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-4-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रिधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 श्रप्रैल, 1976

निदेण सं० ए० सी० वर्नु० 23-T-990 (346)/1-1/ 75-76---धतः मुझे जे० कथ्रिया, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ध्पए से भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 406-1-3, 383-तथा 407, एफ० पी०नं० 48 (भाग) 65 (भाग) तथा 52 टी० पी० एस० न० 12 है, जो, असारवा (नरोड़ा रोड़) अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्राधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भ्रौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया <mark>गया प्रतिफल, निम्नलिखित</mark> उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री श्रनिल नरोत्तमभाई हाथीसिह,
   शाहो बाग, श्रहमदाबाद।
   (2) श्री दिलीप नरोत्तमभाई हाथीसिह,
   शाही बाग श्रहमदाबाद।
   (श्रन्तरक)
- (2) अनारको० प्रॉप० इन्डस्ट्रीयल एस्टेट लि० की ग्रोर से :---श्री एच० एल० परीख, (प्रमुख) ग्रहमदाबाद। (ग्रन्सि)
- (4) (1) अशनी कन्सट्रकशन कं भागीदार श्री हिम्मत लाल कालीदास शाह द्वारा,
  - (2) श्री भ्रनिल नरोत्तमभाई हाथी सिंह, स्वयं तथा अवयस्क पुत्र समीर अनिल हाथी सिंह की ओर से,
  - (3) श्री दिलीप नरोत्तमभाई हाथीसिंह (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 8038 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 406-1-3, 383 तथा 407 है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 48 (भाग), 65 (भाग), 52 टी०पी०एस० नं० 12 है तथा जो असारवा, नरोड़ा रोड, अहमदाबाद में स्थित है।

> जे० के० कथूरिया सक्षम प्राधिकारीः सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1. श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 23-4-76

# प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 ग्रप्रैल, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-991 (347)/1-1/-75-76—यतः मुक्ते जे० कथूरिया भ्रायकःर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 407 (भाग), फायनल प्लाट नं० 48, टी०पी० एस० नं० 12, है, जो श्रसारवा (नरोडा रोड) श्रहमवाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा श्रधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह घिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) घ्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ध्रिधिनयम के ध्रिधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या ग्रम्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब उन्त धिवितयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त धिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल ब्यन्तियों, धर्मात्:---

- (1) श्री ग्रनिल नरोत्तम भाई हाथीसिह, णाही बाग, श्रहमदाबाद। (2) श्री दिलीप नरोत्तमभाई हाथी सिह, शाही बाग, श्रहमदाबाद। (श्रन्सरक)
- (2) श्रनंत को० ग्रोप० इन्डस्ट्रीयल, एस्टेट लि०, की ग्रोर से :--प्रमुख :---श्री मनुभाई हरीलाल शाह, श्रहमदाबाद। (अन्तरिती)
- (4) (1) श्रशनी कन्सट्रक्शन कं०, फर्म, भागी-दारश्री हिम्मतलाल कालीदास शाहद्वारा श्रहमदाबाद।
  - (2) श्री श्रनिल नरोत्तमभाई हाथीसिंह, स्वयं तथा श्रवयस्क समीर श्रनिल हाथीसिंह की श्रोर से:---(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 3128 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 407 (भाग), एफ० पी० नं० 48 (भाग) टी० पी० एस० नं० 12 है तथा जो ग्रसारवा, नरोडा रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-J, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-4-76

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सीं० क्यू० 23-I-791 (350)/1-1/<sub>-</sub>-75-76--यत: मुझे जे० कथुरिया भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० एफ पी० नं० 473/1, 471/4, 471/5, तथा 476, टी०पी०एस० नं० 3, है, जो मीगखली, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्टीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-9-75 को पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के

> (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त मधि-नियम' के स्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या

लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

> (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त भ्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: ग्रब 'उक्त श्रधिनियन' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्ः—

- (1) श्री लालजीभाई भगवानलाल खारावाला, एल्सि---क्रिज, (ग्रन्तरक) ग्रहमदाबाद।
- (2) श्रनुराग को० श्रांप० हार्ऊासग सोसायटी लि०, की श्रोर से:——
  श्री चिनु भाई मगनलाल गाह, उत्तर गुजरात पाटीदार सोसायटी, जहांगीरपुरा, श्रहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उषत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2878 वर्ग गज है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 473/1, 471/4, 471/5, तथा 476 है, टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो मीठा-खली, ग्रहमदाबाद में स्थित ।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 23-4-76

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-687 (366)/16-6/ 75-76---यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 7608/डी०, है जो डा० राधाकृष्ण रोड, मोटी टेंकी के पास, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-9-75 के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति वा उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है

भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

कथित नहीं किया गया है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः—

- (1) मैंसर्स रतीलाल प्रेमचन्द शाह, एन्ड सन्स
  फर्म, की ग्रोर से भागीदार:
  श्री भूपतराए रतीलाल शाह तथा श्रन्य,
  17, पंचनाथ प्लाट,
  राजकोट।
  (श्रन्तरक)
- (2) श्री चंद्रकांत विठ्ठल दास बक्षी, राज टाकीज वाली गली, "कमल" राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही ग्रंथ होगा को उस अध्याय में वियागया है।

# अनुसुची

एक श्रवल सम्पत्ति जो 160-1-40 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका नं० 7608/डी है तथा जो डाँ० राधा कृष्ण रोड पर, मोटी टैंकी के पास, राजकोट में स्थित है।

> जे० कंथूरिया सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 11-5-76

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

गार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1014 (367)/16-6/-75-76---यतः मझे जै० कथरिया श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 18-9-1913 का लेख नं० 97, है, जो देबर रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दःयमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया <del>हे</del> —

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, 'उन्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः—

- (1) सर्वश्री (1) हेमेन्द्रकुमार केणवलालभाई महता
  - (2) भरतकुमार केशवलालभाई मेहता,
  - (3) जम्बुकुमार केशबलाल भाई मेहता,
  - (4) विनोदकुमार केशवलाल भाई मेहता, गली नं० 23, कराणपरा मेन रोड, मेहता आई होस्पीटल,

राजकोट । (ग्रन्तरक)

- (2) श्री (1) भरतकुमार केणवलालभाई जीवराजाजी.
  - (2) श्रीमती सरस्वतीदेन केणवलाल जीवराजजी,

गली नं० 6, जयराज प्लाट, राजकोट।

काट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिध-नियम', के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अब्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल अंबफल 200 वर्ग गज है तथा जिसका 18-9-1913 का लेख नं० 97 है तथा जो ढेबर रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण, सब रजिस्ट्रार, राजकोट के 1-9-1975 वाले बिकी दस्तावेज नं० 3062 में दिया गया है।

जे० नथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 11-5-76

# प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० वयू० 23-I-1015 (368)/16-6/75-76---यतः मुझे जे० कथूरिया धायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 18-9-1913 का लेख नं० 97, है, जो ढेवर रोड, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के नायालय राज-कोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधि-नियम', के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रव 'उमत श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, 'उनत श्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यम्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) सर्वेश्री (1) हेमेन्द्रभाई केशवलालभाई मेहता
  - (2) भरतकुमार केशवलाल भाई मेहता,
  - (3) जम्बुकुमार केशवलालभाई मेहता,
  - (4) त्रिनोदकुमार केशवलालभाई मेहता, गली नं० 23, करणपरा मेन रोड, मेहता ग्राई होस्पीटल, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री (1) मगनलाल प्रेमजीभाई व्यास,
  - (2) श्रीमती रामकुंबरबेन मगनलाल, परा बाजार, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए आ सकगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनयम' के श्रष्ट्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्य होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा जिसका 18-9-1913 का लेख नं० 97 है तथा जो ढेबर रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण 1-9-75 वाले बिकी दस्तावेज नं० 3063 में दिया गया है। तथा जो सब रजिस्ट्रार, राजकोट द्वारा रजिस्ट्री किया गया है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

विनोक: 11-5-76

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1016 (369)/16-6/75-76---यतः मुझे जे० क्यूरिया गायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 15, जागनाथ प्लाट, है, जो राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-9-75 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या फिसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रिश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित स्यक्तियों ग्रथीत :--

- (1) मैसर्स वोराह कन्सट्रक्शन कं०, 7, जागनाथ प्लाट, राजकोट। (श्रन्तरक)
- (2) श्री दससुख माणेकचन्द गेठ, एडवोकेट, ढेबर रोड, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 152-8-96 वर्ग गफा है तथा जो 15, जागनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण 15-9-75 वाले उस बिकी दस्तावेज नं० 3171/75 में दिया गया है जो सब रजिस्ट्रार, राजकोट द्वारा रजिस्ट्र किया गया है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायु<del>क्त</del> (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 11-5-76

# प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०---

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदायाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1976

निदेण सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1017 (370)/16-6/ 75-76---यतः मुझे जे० कथुरिया स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 15, जागनाथ प्लाट, है, जो राजकोट में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्सरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) मीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रघीन कर देने के ग्रन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिप्तियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:—— 14—96GI/76 (1) मैसर्स घोराह कन्सट्रक्शन कं०, ७, जागनाथ प्लाट, राजकोट।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्री महेन्द्र गौरीशंकर
  - (2) श्री रमेंश गौरीशंकर, 2, जागनाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्दों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 307-2 वर्ग गज है तथा जो 15, जागनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण सब रजिस्ट्रार, राजकोट के 1-9-75 वाले क्षिकी दस्सावेज नं० 2879/75 में दिया गया है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ।

दिनांक: 11-5-76

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1005 (353)/1-1/-75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया
ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 721, सब-प्लाट नं० 3+4/1, टी०पी० एस० नं० 3, है, जो छदावाड, श्रहमदाबाद में स्थित है) श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विण्ति है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 4-9-75

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तिरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तिरती (श्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत, उस्त ग्रिंधिनियम के ग्रिंधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: म्रब, उन्त म्रिविनयम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उन्त भ्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री मुकेशचन्द्र शांतीलाल शाह, नगर शेठ नी वांडो, पुराने सिविल ग्रस्पताल के पास, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) विशाल को० ग्राप० हार्ऊसिंग सोसायटी लि० की श्रोर से :---श्री शशिकांत हिम्मतलाल, शकुन्तला सोसायटी, उस्मानपुरा, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य ध्यवित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 442 वर्ग गज है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 721, सब प्लाट नं० 3+4/1, टी० पी० एस० नं० 3, है तथा जो छवावाड, ग्रहम-दाबाद में स्थित हैं।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-76

मोहरः

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • —

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-686 (254) | 1-1 | 75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर ध्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ध्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000 | रू० से ध्रिधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० \$24 | 25 (भाग), प्लाट नं० 21 से 52 तक, है, जो मावड़ी गांव, तालुका राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बावत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय यो किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रिवियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) भ्रामीन, निम्निक्षिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः---

(1) मैसर्स भूपतराम शिवराम (रजिस्टर्ड फर्म) की श्रोर से भागीदार :---श्री भूपतराम शिवराम, ढेबर रोड, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) पुनीतनगर को० ग्रोप० हाऊसिंग सोसायटी
लि०, भावड़ी, तालुका राजकोट,
की ग्रोर से:— (ग्रन्सरिती)
प्रमुख:—श्री सेवाराम गोपाल दास:
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल (सड़कों तथा सामान्य स्थानों को छोड़कर) 21376-7-0 वर्ग गज है, तथा जिसका सर्वे नं० 24/25 (भाग), प्लाट नं० 21 सं० 52 तक हैतथा जो मावड़ी गांव, तालुका राजकोट में स्थित हैं।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-76

मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1976 निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-792 (355)/1-1/-75-76—यत:, मुझे, जे०कथूरिया,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रीर

जिसकी सं० सर्वे नं० 233, सब प्लाट नं० 2-ए, फायनल प्लाट, नं०, 256-257 (भाग), टी० पी० एस० नं० 3 है, जो सरदार पटेल स्टेडीयम के सामने, नवरंगपुरा, ब्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम 12-9-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बोजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उिचत बोजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रवीत :---

मैसर्स निर्मल लैन्ड कारपोरेशन, की श्रोर से भागीक्षार

- (1) 1. भरतकुमार सीताराम देहलीवाला, पालडी, श्रहमदाबाद।
  - राधेश्याम परमानन्द, द्रस्टी, हेमन्त राधेश्याम, द्रस्ट की श्रोर से: ---जलविहार सोसायटी, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद।
  - 3. नरेश राजाराम, श्राश्रम रोड, गिरधर सोसायटी, श्रहमदाबाद,
  - भूरालाल हरजीवनदास, (एच० यू० एफ०),
     जैन वाडी, माणेक चौक,
     श्रहमदाबाद,
  - रमेशचन्द्र भूरालाल, जैन वाड़ी माणेक चौक, श्रहमदाबाद,
  - रमणलाल सोमेश्यर दबे, (एच० यू० एफ०)
     दर्शन सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद,
  - सैलेश रमणलाल दवे, दर्शन सोसायटी नवरंगपुरा, ग्रहमदावाद ,
  - 8. मन्जुलाबेन चिनुभाई शाह, मणीनगर

वकील वाड़ी, ग्रहमदाबाद.

- इन्दुमती रसीक लाल गाह, भालकीया बस स्टेन्ड, मणीनगर, श्रहमदाबाद,
- 10. सीताराम परमानन्द, पदम प्रभु, सीसायटी , पलडी, श्रहमदाबाद,
- 11. लीलावती ठाकुरभाई, भूलाभाई पार्क के सामने, मणीनगर, ग्रहमदाबाद,
- 12 जसोदाबेन नटवरलाल शाह, शाहीबाग, कैम्प सदर बाजार श्रहमदाबाद,
- राजेश बलूभाई शाह, उस्मानपुरा, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीयस णोपिंग सेन्टर भ्रोनर्स एसोसीयेशन, की भ्रोर से:----सेकेटरी श्री महेन्द्रकुमार नाथालाल, शाहीबाग, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)
- (3) वी सेन्ट्रल एक्साईज डिपार्टमेन्ट अहमदाबाद। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिमोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक श्रचल सम्पत्ति की दूसरी मंजिल जो 3000 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 233, फायनल प्लाट नं० 256-257 (भाग), सब प्लाट नं० 2-ए, टी०पी०एस० नं० 3 है, तथा जो सरदार पटेल स्टेडीयम के सामने, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 10-5-76

## प्ररूप घाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०: 23-I-1009 (359)/1-1/ 75-76--यत:, मुझे, जे० कथ्रिया, आयकर प्रधिनियम, (1961 1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अबत श्रधिनियम' वहा गया है), की द्यारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 209-1, 209-2, फायनल प्लाट नं० 269-ए, एस० पी० नं० 6-बी, टी० पी० एस० नं० 14, है, जो दरीयापूर काजीपूर, शाहीबाग, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए श्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत

सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत्त द्यधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घ्राय था किसी धन या घन्य घ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घ्राय-कर घ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रिधिनियम, या धन-कर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री भरतकुमार चिनु भाई बैंकर मधुवन, उफनाला, शाहीबाग ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) दीप-जेमीनी को० श्राप० हाऊसिंग, सोसायटी णाह कालोनी, शाहपुर दरवाजा के बाहर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्वनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 553 वर्गगज तथा जिसका सर्वे नं० 209-1, 209-2, फायनल प्लाटनं० 269-ए, सब प्लाट नं० 6-बी, टी०पी० एस०नं० 14, तथा जो दरीयापुर-काजीपुर, शाहीबाग, श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०——— आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार 🥈

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू:—23-1-770 (360)/1-1/-75-76—यत:, मुझे, जे० कथूरिया,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 354, रखीयाल, है, जो रखीयाल, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब उनत ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात:---

 श्री संतराम चंब्रशेखर शेठ, धनलक्ष्मी सुपुत्री जमना दास बालकदास द्वारा किये गए वसीयतनामा के एडमिनिस्ट्रेटर धनलक्ष्मी मारकेट, पांचकुता दरवाजा के बाहर, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

प्रवयस्क,

- श्री रखीयाल धनलक्ष्मी को० भ्रोप० हाऊसिंग सोसायटी, की भ्रोर से:
  - (1) प्रमुख:—श्री ग्रविन्दकुमार भगवानदास पटेल, रखीयाल, श्रहमवाबाद।
  - (2) सेकेटरी:—श्री रसीकलाल रामभाई पटेल, कृष्णनगर, सरकपुर, श्रहमवाबाद। (ग्रन्तरिती)
- (1) श्री सजीत रोमेशचन्द्र, बक्षी, ग्रिभिभावक तथा पिता की हैसियत से:

i कुमारी विश्वति सजीत बक्षी, ो

ii मोहनीश सजीत बक्षी, ∫ 2-ए, बैंक श्रोफ बड़ोदा कालोनी, प्रभुदास ठाक्कर कोलेज के पास, पालडी, श्रहमदाबाद।

- (2) श्री संतराम चंद्रणेखर शेठ, ग्रभिभावक तथा पिताकी हैसियृत सेः
  - कुमारी बिन्द्रा संतराम,

2. कुमारी जिगीसा संतराम, पांचकुवा दरवाजा के बाहर, धनलक्ष्मी मारकेट, ग्रहमदाबाद,

(3) श्रीमती श्रीदेवी, खांडीया, गोलवाड, ग्रहमदाबाद।

(4) कुमारी संगीता दामोधर दवे, खाडीया, गोलावाठ, श्रहमदाबाद,

(5) श्री संजय दामोधर दवे, खाडीया, गोलवाड, ग्रहमदाबाद,

- (6) श्रीमती भगवती गौतम कंतारीया, स्वयं तथा श्रिभभावक की हैसियत से :-i श्रीनंद गौतम कंतारीया, (श्रवयस्क)
  ii सौभाग्य गौतम कंतारीया, (श्रवयस्क)
  खाडिया, गोलवाड, अहमदाबाद,
- (7) श्रीमती जनकानंदिनी रमेश मिश्रा, खाडीया, गोलवाड, श्रहमदाबाद
- (8) श्री रमेश श्रनंतकुमार मिश्रा, श्रमिभावक तथा पिता की हैसियत से :--i कुमारी पिनू रमेश मिश्रा, ii कुमारी भ्रपणा रमेश मिश्रा, खाडीया, गोलवाड, श्रहमदाबाद,

(9) श्री संतराम चंद्रशेखर शेठ, स्वयं तथा ग्रिभभावक की हैसियत से:— i श्री नेतन संतराम शेठ, (ग्रवयस्क)

(10) श्रीमती रमालक्ष्मी चन्द्र शेखर शेठ (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रश्चोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 16124 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 354, रखीयाल है तथा जो रखीयाल, श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-76

### प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

श्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यु० -23-I-770(361)/1-1/ 75-76-यतः, मुझे, जे० कथूरिया न्नायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है म्रीर जिसकी सं० सर्वे न० 505, 506, 507-2-3, है तथा जो श्राढेव, श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध <mark>श्रनुसूची में ग्रौ</mark>र पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) धौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिश्चित्यम', के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त घ्रधिनियम' या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-व की उप-श्रारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--

- श्री संतराम चंद्रशेखर शेठ, श्रीमती धनलक्ष्मी सुपुत्री श्री जमना दास बालक दास द्वारा किए गए वसीयतनामा के एडिमिनिस्ट्रेटर, पांचकुवा दरवाजा के बाहर, धनलक्ष्मी मारकेट, श्रह्मदाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री रिखयाल धनलक्ष्मी को० श्रो० हाऊसिंग सोसायटी लि०, रखीयाल, ग्रहमदाबाद की श्रोर से :---
  - (1) प्रमुख--श्री ग्रविंद कुमार भगवानदास पटेल,

(2) सेकेटरी—रसीकलाल राम भाई पटल, कृण्ण नगर, सरसपुर, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

- 1. श्री संतराम, चंद्रशेखर शेठ, स्वयं तथा श्रभिभावक की हैसियत से :--
  - (1) श्री नेतन संतराम शेठ, (भ्रवयस्क)
- 2. श्रीमती रमालक्ष्मी चंद्रशेखर शेठ, ग्रहमदाबाद।
- 3. श्रीमती जनकनंदिनी रमेश मिश्रा, खाडिया, गोलवाड, ग्रहमदाबाद ।
- श्री राजीत रोमेशचन्द्र वक्षी, श्रिभिभावक तथा पिता की हैसियत से :---
  - (1) कुमारी विश्वृति सजीत बक्षी, } अवयस्क (2) कुमारी मोहनीश सजीत बक्षी } अवयस्क 2-ए, बैंक भ्रोफ बड़ोदा कालोनी, प्रभुदास ठक्कर कालेज के पास, पालाडी, श्रहमदाबाद ।
- 5. श्री संतराम चंद्रशेखर शेठ, श्रभिभावक तथा पिता की ै हैसियत से :----
  - (1) कुमारी बिंद्रा संतराम
  - (2) कुमारी जिगीसा संतराम पांचकुवा दरवाजा के बाहर, धनलक्ष्मी मारकेट, श्रहमदाबाद ।
- 6. श्रीमती श्रीदेवी, खाडीया, गोलवाड, ग्रहमदाबाद ।
- कुमारी संगीता दामोधर दवे, खाडीया, गोलवाड ग्रहमदाबाद ।
- श्री संजय दामोदर दवे, खाडीया, गोलवाड, ग्रहमदाबाद।
- श्रीमती भगवती गौतम कंतारिया, स्वयं तथा श्रिभावक की हैसियत से :--
  - (1) श्रीनंद गौतम कंतारिया, (भ्रवयस्क)
  - (2) सौभाग्य गौतम कंतारिया (श्रवयस्क) खाडीया, गोलवाड, श्रहमदाबाद ।
- 10. श्री रमेण ग्रनंतकुमार मिश्रा, ग्रभिभावक तथा पिता के हैिसियत से:--
  - '(1) कुमारी पिनू रमेश मिश्रा,
    - (2) कुमारी प्रार्पणा रमेश मिश्रा, खाडीया, गोलवाड, घ्रहमदाबाद ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकक्क है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

# अभुसूची

एक ग्राचल सम्पत्ति जो 19386 वर्ग गज /भूमि पर स्थित है तथा जिसका ग्रोढव का सर्वे नं० 505, 506, 507---2-3, है तथा जो ग्रोढव ग्रहमदाबाद में स्थित है ।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-], श्रहमदाबाद

तारीख : 10-5-1976

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1010-362)/1-1/75-76--यतः मुझे, जे० कथूरिया
आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधक है श्रीर जिसकी सं० सर्वेनं० 1330-1, सब प्लाट नं० बी० है तथा जो वस्त्रापुर रेलवे स्टेशन के पास, वेजलयुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपायक प्रतिकृत है। स्थार के स्थार करने करने करने करने करने स्थार स्थार के स्थार करने करने करने करने स्थार स्थार स्थार से कम के स्थार स्थार प्रतिकृत है। स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार से कम के स्थार स्थार स्थार स्थार से स्थार करने स्थार स्थार स्थार स्थार से स्थार करने स्थार स्थार स्थार स्थार से स्थार करने स्थार स्थार स्थार से स्थार स्थार से स्थार स्थार से स्थार स्थार से स्थार स्थार स्थार से स्थार स्थार स्थार से स्थार स्थार स्थार से स्थार स्थार स्थार स्थार से स्थार स्थार से स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार से स्थार स्थार से स्थार स्थार स्थार स्थार से स्थार स्

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धनकर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भधितियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात :---

- श्री मफ्तजी रमतुजी, वेजलयुर, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती हंसाबेन बाबुलाल चौहान, वल्लभाचार्य सोसायटी, जीवराज पार्क के पास, ग्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिल में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के म्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3991 वर्ग गज है श्रीर जिसका सं० नं० 1330-1, सब प्लाट-बी० है श्रीर जो वस्त्रापुर रेलवे स्टेशन के पास, वेजलयुर, श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

तारीख : 10-5-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के भिधीत सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू-23-I--1011(363)/ 1-1/75-76---यतः, मुझे, जे० क्यूरिया आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 1330~1, सब प्लाट नं० ए० हैं तथा जो वस्त्वापुर रेखवे स्टेशन के पास, वेजलपुर, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-9-1975

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में सस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उक्त श्रघिनियम', की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रघिनियम', की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 15—9601/76

- 1. श्री मफत जी रमतुजी, वेजलपुर, श्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती भगवती बेन बाबुलाल, वल्लभाचार्य सोसायटी, जीवराज पार्क के पास, ग्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एसदृद्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अरर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3991 वर्ग गज है श्रीर जिसका सर्वे नं० 1330-1, सब प्लाट-ए० है श्रीर जो वस्त्रापुर रेलवे स्टेशन के पास, वेजलपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

**बा**यकर श्रद्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1976

1-1/75-76---यतः, मुझे जे० कथूरिया आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), पश्चात 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 330-ए०, भाग-1 श्रौर 2 है तथा जो वासणा, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10-9-1975 को पुर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (छ) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: ,भव, उनत मधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अजीम निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात :-

- श्री पोपट भाई श्राशाभाई पटेल, वासणा, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रारहित को० श्रॉप० हाऊसिंग सो०, की श्रोर से :— प्रमुख :—जितेन्द्र श्रार० पटेल, पार्श्वनाथ नगर, नारण पुरा, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रब्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाड़वात हक्कों की बिक्री जो दो निम्नलिखित रिजस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेजों के प्रनुसार की गई है:—

नं०	रजि० नं०	तारीख	सम्पत्ति का वर्णन नं०	क्षेत्रफल	दृश्यमान फल
1.	13494	10-9-75		1179, 75 वर्गगज	33033/
2.	13500	10-9-75	सर्वे नं० 330-ए भाग-1, वासणा, श्रहमदाबाद	1119.75 वर्ग गज	33033/-

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-1976

प्ररूप माई०टी०एन०एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

भ्रह्मदाबाद, दिनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1—1013(365)/
1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त धििनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के धिश्वान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
श्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 330-बी० श्रीर 331 है तथा जो
वासणा, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-9-1975
पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने

(झन्तरिसियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—— (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत 'उक्त झिनियम', के झझीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

के लिए; भौर/या

का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उबत भ्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव 'उनत धिविनयम', की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, 'उनत धिविनयम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखित स्थितियों, धर्षातु:---

- श्रीमती मधुबेन श्राशाभाई पटेल, वासणा, ब्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- 2. अरिर्हत को० मोप० हाऊसिंग सोसायटी, की मोर से,

प्रमुख :--जितेन्द्र श्रार० पटेल, पार्श्वनाथ नगर, नारणपुरा, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जून के लिये कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की ध्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविधि, जो भी ध्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची
भाड़वात हक्कों की बिक्री जो दो निम्नलिखित रिजस्ट्रीकृत
बिक्री दस्तावेजों के श्रनुसार की गई हैं:—

नं ०	रजि० नं०	तारीख	सम्पत्ति का वर्णन	क्षेत्रफल	<b>वृ</b> श्यमान फल
1.	13497	10-9-75	सर्वे नं० 331 बासणा, श्रहमदाबाद	1452 वर्गगज	40656
2.	13498	10-9-75	सर्वे नं० 330-बी. वासणा, ग्रहमदाबार	वर्गगज	25410

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-1976

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1976

सं० ए० सी० क्य०-23-I---1018(371)/ निर्देश 1-1/75-76---यतः, मुझे जे० कथूरिया भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य \_\_\_\_\_25,000/- रु० से **मधिक** है श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 197-2 तथा 197-1-2, है तथा जो मेमनगर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-9-1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण सिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधिनियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त भ्रिधिनियम', या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपद्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री श्रमृतलाल ग्रम्बालाल पटेल, पावर ग्रोफ ग्रटार्नी ल्डिंर:

فمستعمرين ومستواهسون الكشارات والمتفارين والمستفارية

श्री कालीदास बेचर दास पटेल, श्रचलायतन सोसायटी, नाराणपुरा, श्रहमदाबाद (श्रन्तरक)

2. श्री प्रवीण भाई चूनीभाई पटेल, दिनेश नगर सोसायटी, नारणपुरा, रेबवे कोसिंग के पास, ग्रहमदाबाद (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ताकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जो मेमनगर, श्रहमदाबाद में स्थिन है तथा जिसका बिक्री दो निम्नलिखित बिक्री दस्तावेजों द्वारा की गई है:---

	नं०	दस्तावेज मं०	तारीख	सम्पत्ति	बिकी कीमत	सर्वें नं ०
	1	10945	2-9-75	1179 वर्ग गज	29,475 夜o	197-2 तथा
1	2	10946	2-9-75	1180.5 वर्ग गज	29,512 ह्	197-1-2 197-1- 2

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजना, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-5-1976

# प्ररूप धाई०टी०एन०एस०--

भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1019(372)/1-1/75-76—यत:, मुझे, जे० क्यूरिया, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 116 तथा 117, एक० पी० नं० 338-2, टी० पी० एस० नं० -19 है तथा जो नवरंगपुरा,

भ्राराजसका से ० सर्व ने ० 116 तथा 117, एफ० पा० ने 338-2, टी० पी० एस० नं० -19 है तथा जो नवरंगपुरा, भ्रष्टमदाबाद में स्थिन है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 30-9-1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है प्रौर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या भ्रन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण मे, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- 1. श्री मृदुल्ला अनीलकुमार शाह, पी०-34, इण्डिया एक्सचेंज पलेस, शाह हाऊस, कलकत्ता (श्रन्तरक)
  - 2. (1) श्री ग्रनील कुमार गिरधारलाल शाह,
    - (2) श्री ग्रलोक ग्रनील कुमार शाह,
    - (3) श्री निखिलेश श्रनील कुमार शाह, 334, इण्डिया एक्सचेंज पलेस, कलकत्ता (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर १दों का, जो उन्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1058 वर्ग गज का तीन चौथाई भाग (यानी 793 वर्ग गज) है तथा जिसका सर्वे नं० 116 तथा 117, एफ० पी० नं० 338-2, टी० पी० एस० नं० 19 है तथा जो नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

नारीखा: 12-5-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाव

घहमवाबाद, दिनांक 12 मई 1976

निर्देश सं. ए० सी० क्यू० 23-1--102(373)/1-1/ 75-76--यतः, मुझे, जे० कथूरिया श्रिधिनियम, 1961 (1961 年 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त धाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० धुकान नं० 10, फायनल प्लाट नं० 119, टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रह्मदाबाद में रजिस्ट्री करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-9-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान रजिस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार के लिए श्रन्सरित की गई है ग्रीर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :---

- 1. श्री एम० पी० कामट, फर्म, की श्रोर से भागीदार:
- (1) श्री एम० पी० कामट तथा
- (2) श्री डी॰ पी॰ कामट, एलिस ब्रिज, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. सन्तोष बेनीफिट प्रा० लि० की झोर से :-मैनेजिंग डायरेक्टर श्री जे० पी० वरगीज
  (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

एक भ्रचल सम्पत्ति जिसका बांध काम 980 वर्ग फुट है तथा जो एम्बेसी मारकेट में दुकान नं० 10 है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 119; टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहसवाबाद

तारीख: 12-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23- -1021 (374)/ 1-1/75-76---यतः, मुझे, जे० कथूरिया, द्यायकर द्यिघनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० सर्वेनं० 116 तथा 117, एफ० पी०नं० 338-1, टी० पी० एस० नं० 19 है सथा जो नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याक्षय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 30-9-1075 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (धन्तरकों) भ्रौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उसत अधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी घन या भ्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रत: ग्रम, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रधीत्:—

- 1. श्रीमती पश्चिनी बिपिनचन्द्र शाह, पीं-34, इन्डिया एक्सचेंज प्लेस, शाह हाऊस, कलकत्ता-1 (श्रन्तरक)
  - 2. (1) श्री बिपिनचन्द्र गिरधरलाख शाह,
    - (2) श्री हिमान्सू बिपिनचन्द्र शाह,
    - (3) श्री भारत विपिनचन्द्र गाह् (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
  हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त मध्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1059 वर्ग गज़ का तीन चौथाई भाग (यानी लगभग 794 वर्ग गज़) है तथा जिसका सर्वे नं० 116 तथा 117 एफ० पी० नं० 338-1, टी० पी० एस० नं० 19 है तथा जो नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1022(375)/
1-1/75-76--यत:, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य
25,000/- रु० से ग्रिधिक है
ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 197-1-1 है तथा जो मेमनगर,
ग्रहमवाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर
पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकरी के कार्यालय,

श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- 1. (1) श्री शंकर लाल मोहन लाल पटेल,
- (2) श्री रमेशचन्द्र भ्रात्माराम तथा ग्रन्य : मीठाखली, एलिस ब्रिज, ग्रहमदाबाद (श्रन्सरक)
- 2. श्रीमती इन्दिराबेन नवनीत भाई पटेल, दिनेश नगर सोसायटी, नाराणपुरा रेलवे क्रोसिंग के पास, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड्दों धीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के आध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही आर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जो मेमनगर, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसकी बिकी दो निम्नलिखित दस्तावेजों द्वाराकी गई है:—-

नं०	दस्ता- वेज नं०	तारीख	बिक्री कीमत	सम्पत्ति	<del></del>
			रुपए	— <u>-</u> - ———	
1.	10943	2-9-75	32,150-15	2359.5	वर्ग
				गज़ का	प्राधा
				भाग ।	
2.	10944	2-9-75	32,150-15	2359,5	वर्ग
				गज्ञकाश	गधा
				भाग।	

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, म्रहमदाबाद

तारीख: 12-5-1976

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 12 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1023(376)/
1-1/75-76---यत:, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर
श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसेक्ष इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

मौर जिसकी सं सर्वे नं 9, एफ पी नं 292, सब प्लाट नं 11 तथा 12, टी पि एस नं 27 है तथा जो मगराईबाड़ी, महमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद मम्मूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 1-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसीन, तारीख 1-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसीन, तारीख 1-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसीन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से मधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) मौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीआय की बाबत उसत प्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रिधीन किम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात्:——
16—96GI/76

- ा श्रीमती मंगलगौरी तथा श्रन्य, शीतल बाग, मीठाखली, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगदीश ट्रेडिंग कं०, मार्फत: जगदीश चन्द्र छगनलाल रंछोडजी नी पोल, सारंगपुर, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)
- 3. खोखरा शोपिंग सेन्टर को० घोप० हाऊसिंग सोसायटी; अहमदाबाद ( वह व्यक्ति, जिसके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पक्षों का, जो 'उक्त प्रक्षिनियम', के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही आर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका सर्वे नं० 9, एफ० पी० नं० 292, टी० पी० नं० 27 है तथा जो स्रमराईवाई। स्रहुमवाबाद में स्थित है तथा जिसकी बिकी दो निम्निखिस दस्तावेजों द्वारा की गई है:---

नं ०	वस्ता- वेषा नं०		सब- प्लाट	क्षेत्रफल	बिकी कीमत
1.	11778	1-9-75	12}	144 सहीं नाप के बाद ।	रुपए 44,800
2.	11779	1-9-75	11	बाद । 	32,928

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

सारीख : 12-5-1976

### प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांस 14 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 32-I-1024(377)/1-1/75-76 ---यतः, मुझे, जे० कथ्रिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/— रुपये से अधिक है

न्नौर जिस की संव सर्वे नंव 72-1, 72-2-ए, एफव पीव नंव 213, 214, सब लाट नंव 8, टीव पीव एसव-8, हैं, जो न्नसारवा, न्नह्मदाबाद में स्थित हैं (न्नौर इससे उपावद्ध अनुसूची में न्नौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ब्रह्मदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 16 सितम्बर 1975

क अधान, दिनाक 16 सितम्बर 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त क्षिध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- (1) श्री वीरेन्द्र बाबाभाई, सरकारी गोदामों के पास, शाही बाग, ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सोमाभाई हरजीवन दास पटेल, प्रभुनगर सोसायटी, श्रसारवा, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में किई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य कानित द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पैंदों का, जो उक्त अधिनियम के अधुयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगों, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 639 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 72-1, तथा 72-2-ए, फायनल प्लाट नं० 213, 214, सब लाट नं० 8, टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो श्रसारवा श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम श्रधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1, श्रमदाबाद

दिनांक: 14-5-1976

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०——— आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सुद्कार

कायलिय, सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-I, म्रहमद(बाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 मई 1976

निर्देश सं० ए०-सी० क्यू० 23-I-1025/(378)/1-1/ 75-76—-यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्स प्रधिनियम' कहा
गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति;
जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क० से प्रधिक है
और जिस की सं० सर्वे नं० 323, हिस्सा नं० 36, एफ० पी०
नं० 252, सब प्लाट नं० बी० तथा ए, टी० पी० एस०-24 हैं, जो
खोखरा मेहमदाबाद, अहमदाबाद में स्थित हैं (प्रीर इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, प्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22 सितम्बर 1975

1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त ध्रधिनियम के घ्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री सरोस धनजीमा कटपिटिया, (2) पीरोजबाई धनजोगा कटपिटिया, डा० ग्रंकलेगरीया कम्पाऊन्ड, रेलवे स्टेशन के पीछे, ग्रहमदाबाद-18।

(भन्तरक)

(2) श्रीजी कापोरेणन (फर्मों की ग्रोर से भागीदार श्री नरेन्द्र मोहनलाल तलाटी, जीवनप्राण सोसायटी, भैरवनाथ रोड़, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पक्षों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन बाल, प्लाट जिसका सर्वे नं० 323, हिस्सा नं०, 36, एफ० पी० नं० 252, टी० पी० एस० नं० 24 है तथा जो खोखरा मेहमदाबाद, श्रहमवाबाद में स्थित है तथा जिसकी बिकी दो निम्नलिखित बिकी दस्तावेजों द्वारा की गई हैं:—

न॰ दस्तावेज नं ०/तारीख सब प्लाट क्षेत्रफल बिकी कीमत 1. 14433/22-9-75 बी॰ 907.5 वर्ग गज ६०47,190 2. 14434/22-9-75 ए० 907.5 वर्ग गज ६०47,190

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (1नरीक्षण); ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमद(बाट

दिनांक 14-5-1976 मोहर:

# प्रारूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-I, स्नहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 मई 1976

निर्वेश सं० ए-सी० क्यू०-23-I-1026(379)/1-1/75 76---यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिश्विम' कहा गया है), की द्वारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 15,000/- ६० से अधिक है और जिस की संग्रम वालाट नंग्य 3, फायनल प्लाट नंग्य 381 + 382, टीग्पी॰ एस॰ नंग्य 21 है जो पालडी, श्रहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद श्रमुस्ति। में और पूर्ण रूप से वणित है), रिज-स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमवाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 6 सितम्बर 1975 को

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल क लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में क्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट कहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविद्या के लिए;

अतः अब उक्त घधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री कांतीलाल केशवलाल शाह, 2, माधव बाग सोसायटी भूल भाई पार्क के पीछे, गीता मींदर रोड़ श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भगवतप्रसाद साकल चंद शाह, स्वयं तथा हिन्दु ग्रविभक्त कुर्दुंब के कर्ता की हैंसियत से :-1200, मांडवी नी पोल, देव नी० शेरी, श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भन्निथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भन्निथ, जो भी भन्निश्च बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्ष-नियम के शब्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 469 वर्ग गज है तथा जिसका सब प्लाट नं० 2, फायनल प्लाट नं० 381 + 382, टी० पी० एस० नं० 21 है तथा जो सी० एन० विद्यालय के पास, पालडी, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक : 14-5-1976

प्रकृप भाई ०टी ०एन ०एस ०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 मई 1976

निर्देश सं० ए०सो०क्यू०23-I-1027(380)/एच/75-76— यतः मुझे, जे० कथुरिया,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 371, फायनल लाट नं० 280, सब प्लाट नं० 60,टी०पी० एस० नं० 25, है, जो खोखरा मेहमदाबाद, श्रहमदाबाद, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कायिलय, श्रहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1508 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 6 सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के भए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात् :-- (1) श्री जीवणताल मणी लाल गीर, उन्नति सदन, जसदा नगर-- रोड़, खोखरा मेहमदाबाद, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रम्बीका कार्पोरेशन (फर्म), की भ्रोर से भागीदार श्री भाईलाल भाई शंकरभाई पटेल तथा श्रन्य, 2223, बच्सवास पोल, रायपुर-चकला, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 371, फायनल प्लाट नं० 280, सब प्लाट नं० 60, टी० पी० एस० नं० 25 है तथा जो खोखरा मेहमदाबाद, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (fनरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 14 मई 1976 मोहर:

# प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०--

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, म्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 मई 1976

निर्देश सं० ए-सी० क्यू०-23-I-1028 (381)/एव/75-76--

यतः मुझी, जे० कथूरिया, धायकर ध्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 39-ए, सब प्लाट नं० 23, है, जो नारायण नगर सोसायटी, पालडी, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर

इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 23 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उाचत

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स घिन नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- श्री विनोद चंद्र जेठा भाई, पालडी, ब्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती कृष्णावती धर्मपत्नी श्री भगवानदास खानचंद
  - (2) श्री भरतकुमार खानचंद (अवयस्क) की स्रोर से अभिभावक श्री खानचंद जिंदाराम, लक्ष्मी कालोनी, कांकरीया, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1173 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 39-ए, सब प्लाट नं० 23 है तथा जो नारायणनगर सोसायटी, पालडी, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 14 मई 1976 मोहर: ·-·

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० ए०सी० क्यू०23-I-1029(388)/एच/75-76--यतः मुझे, जे० कथुरिया, म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उवत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 81/ए०, सब प्लाट नं० 1, है, जो मेमनगर <mark>ष्ट्राईव-इन-सिनेमा के पास, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे</mark> उपबाद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10 सितम्बर 1975 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभ्रीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रथीतु :--- (1) श्री हरीमाई पुरुषोत्तम दास पटेल, ऊसमानपुरा गांव, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) सौमिल फ्लैंट्स को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि० मार्फत:- कनुभाई भगुभाई पटेल, ग्रमी कार्पीरेशन, 5, रायल एपार्टमेन्टस, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2500 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं 81/ए०, सब् प्लाट नं ०, 1 है तथा जो मेमनगर ड्राईव-इन-सिनेमा के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसकी बिकी दो निम्नलिखित बिकी दस्तावेजों द्वारा की गई है:—

नं० दस्तावेज नं०/तारीख क्षेत्रफल सब प्लाट नं०/सर्वे नं० बिकी कीमत

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 15 मई 1976

<sup>1. 12566/10-9-75 1250</sup> वर्गगज 1 81/ए रु० 41,250

<sup>2. 12586/10-9-75 1250</sup> बर्गगज 1 81/ए रु० 41,250

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 15 मई, 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यु० 23-I-1030 (389)/एच/ 75-76---यतः मुझे, जे० कथुरिया, भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त घ्रधिनियम' फहा गया सक्षम धारा 2.69-ख के अधीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 81/ए, सब प्लाट नं० 8 है, जो मेमनगर, ड़ाईब-इन-सिनेमा के पास, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिरर्ट् करण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: ग्रब, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-म की उप-धारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री मोतीलालं चिमनलाल पटे**ल,** उसमानपुरा **गांव,** श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- 2. सौमिल फ्लैंट्स को० ग्रोप० हाऊसिंग सोसायटी लि० मार्फत श्री कनुभाई भगुभाई पटेल, ग्रमी कार्पोरेशन, 5 रायल एपार्ट-मेन्ट्स, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 833 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 81/ए, सब प्लाट नं० 8 है तथा जो मेमनगर, ड्राईव-इन-सिनेमा के पास, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

दिनांक: 15-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1031(390)/एच/75-76----यत: मुझे, जे० कथूरिया,

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 81/ए, सब प्लाट नं० 6 है, जो मेम-नगर, ब्राईव-इन-सिनेमा के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है प्रीर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात्:— 17—96 GI/ 76

- श्री चंद्रलाल चिमनल ल पटेल, उसमानपुरा गांव, ग्रह्मदा-बाद। (ग्रन्सरक)
- 2. सौमिल फ्लैट्स को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, मार्फत श्री कनुभाई भगुभाई पटेल, ग्रमी कार्पोरेशन, 5, रायल एपार्टेमेन्ट्स, श्रहमदाबाद। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1250 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 81/ए, तथा सब प्लाट नं० 6 है तथा जो मेमनगर, ड्राईव-इन-सिनेमा के पास, म्रहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I,श्रहमदाबाद

दिनांक: 15-5-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

धायकर सिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू-23-I-1032(391) /एच/75-76--यत: मुझे, जे० क्यूरिया ,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार महय 25,000/- रु० से श्रधिक है

ध्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 81/ए, सब प्लाट नं० 4, है, जो मेमनगर, इाईव-इन-सिनेमा के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावज श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विश्व है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और झन्तरक (अन्तरकों) और झन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रत: ग्रव उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातु:---

- 1. श्रीमती सवीताबेन हरीभाई पटेल, उसमानपुरा गांव, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्सरक)
- 2. सौमिल पर्लेट्स को० ग्रोप० हाऊसिंग सोसायटी लि०, मार्फत:--श्री कनुभाई भगुभाई पटेल, ग्रमी कार्पोरेशन, 5, रायल एपार्टमेन्ट्स, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या सत्संबंधी ध्यविसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत ध्यविसयों में से किसी व्यविस द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2500 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 81/ए, सब प्लाट नं० 4 है तथा जो मेमनगर, ड्राईव-इन-सिनेमा के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसकी बिकी दो निम्नलिखित बिकी दस्तावेजों द्वारा की गयी हैं:---

नं॰ दस्तावेज नं॰/ क्षेत्रफल सव प्लाट नं॰/ बिकी तारीख सर्वे नं॰ की मत (वर्ग गज में) रुपये

1. 12589/10-9-75 1250 4 81/ए 41,250
2. 12568/10-9-75 1250 4 81ए 41,250

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I,ग्रहमदाबाद

दिनांक: 15-5-1976

प्ररूप माई०टी०एन०एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू-23-I-1033(392)/1-1/75-76--यतः मुझे, जे० कथूरिया,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 81/ए०, सब प्लाट नं० 9 है, जो मेमनगर, ड्राईब-इन-सिनेमा के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 सितम्बर, 1975 की

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उचत श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीन्:—

- श्रीमती जया बेन मोतीलाल पटेल, उसमानपुरा, गांव,
   श्रहमदाबाद।
   श्रन्तरक)
- 2. सौमिल फ्लैंट्स को० थ्रोप० हाऊसिंग सोसायटी लि०, मार्फत:—श्री कनुभाई भगुभाई पटेल, श्रमी कार्पीरेशन, 5, रोयल एपार्टमेन्ट्स, श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्टं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 833 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 81/ए०, सब प्लाट नं० 9 है तथा जो मेमनगर, ड्राईव-इन-सिनेमा के पास, ग्रहमदाबाद में रिस्ट है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निर्रक्षण) स्नर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

दिनांक: 15-5-1976

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू-23-I-1034(393)/1-1/75-76—-यत: मुझे, जे० कथूरिया,

म्रायकर मधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमे का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 81/ए०, सब प्लाट नं० 14 है, जो मेमनगर, ड्राईव-इन-सिनेमा के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम, की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री अचूभाई चिमनलाल पटेल, उसमानपुरा गांव, ग्रहमदा-बाद। (ग्रन्तरक)
- 2. सौमिल फ्लैट्स को० ग्रोप० हाऊसिंग सोसायटी लि०, मार्फत:—श्री कनुभाई भगुभाई पटेल, ग्रमी कार्पीरेशन, 5, रायल एपार्टमेन्ट्स, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 625 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 81/ए०, सब प्लाट नं० 14 है तथा जो मेमनगर, ड्राईव-इन-सिनेमा के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I,ग्रहमदाबाद

दिनांक: 15-5-1976

प्ररूप ग्राई० टी०एन० एस० ---

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 15 मई 1976

निर्देण सं० ए० सी० क्यू-23-I-1035(394)/1-1/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया, प्रायकर श्रीधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 81-ए, सब प्लाट नं० 15 है, जो मेमनगर, ड्राईव-इन-सिनेमा के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रिजर्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन, कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुनिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित्:-

- कुमारी ताराबेन बच्चूभाई पटेल, उसमानपुरा गांव, श्रहमदाबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. सौमिल फ्लैट्स को० श्रोप० हाऊसिंग सोसायटी लि०, मार्फत: --श्री कनूभाई भगुभाई पटेल, श्रमी कार्पोरेशन, 5, रायल एपार्टमेन्ट्स, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन याला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 625 वर्ग गज़ है तथा जिसका सर्वे नं० 81/ए, सब प्लाट नं० 15 है तथा जो मेमनगर, ड्राईव-इन-सिनेमा के पास, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 15-5-1976

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### New Delhi, the 30th April 1976

No. A.32014/2/75-Admn.lII.—The President is pleased to revert Shri M. A. Ganapathy Ram, a permanent officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Stenographers Service cadre of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer in the Central Secretariat Service cadre of Union Public Service Commission, to the Selection Grade of Central Secretariat Stenographers Service in the same cadre with effect from the afternoon of 30th April, 1976

P. N. MUKHERJEE Under Secy. (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

# CABINET SECRETARIAT (DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th April 1976

No. S-158/67-AD-V.—The Director, Central Burcau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shrí S. Rathi at present posted as PP on deputation to CBI from Orissa State, as Deputy Superintendent of Police on cod hoc basis in the Central Burcau of Investigation, Special Police Establishment on deputation with effect from the forenoon of 16-4-76 until further orders.

#### The 4th May 1976

No. K-12/71-AD-V.—Shri K. Mohandas, DIG/CBI/New Delhi relinquished charge of the office of DIG/CBI/New Delhi on the afternoon of 15-4-76.

His services were placed back at the disposal of the State Government of Tamil Nadu.

> G. L. AGARWAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 30th April 1976

No. 4/7/76-Admn.—Consequent on his selection for appointment to the post of Vigilance Officer in the Indian Drugs and Pharmaceuticals Ltd. (a Govt. of India Undertaking), on deputation basis, Shri D. N. Bahri, a permanent Section Officer of the Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post in the Commission on the afternoon of 30th April, 1976.

SHRI NIVAS
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

## DIRECTORATE GENERAL, CRPF, MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 24th April 1976

No. O-II-1045/76-Estt.—The Director General CRPF, is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murthy as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on ad-hoc basis for a period of 3 months only w.c.f. the forenoon of 11th March 1976.

2. Dr. V. Dalip Murthy is posted to 2nd Base Hospital, CRPF, Hyderabad.

No. O-II-1046/76-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Koshy Eapan, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on an ad-hoc basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 13th March 1976.

2. Dr. Koshy Eapan is posted to 2nd Base Hospital, C.R.P.F. Hyderabad.

#### The 26th April 1976

No. O-II-69/76-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Col. S. W. Scudder, an officer of the Indian, Army as Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Commandant 41st Bn. CRP Force on the forenoon of 6th April, 1976.

#### The 4th May 1976

No. O.II-1033/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Shyama Raina, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 22nd April, 1976.

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak, as Junior Medical Officer in the CRPF on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 18th April 1976.

No. O.II-1038/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain, as Junior Medical Officer in the CRPF on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 18th April 1976

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

# OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 15th April 1976

No. E-38013(3)/3/76-Ad.I.—On transfer from CISF Unit Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City, Shri S. L. Prasad, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit F.S.D., Dighaghat Patna with effect from the Forenoon of 24th March 1976 vice Shri C. R. Singh, who relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

## DIRECTORATE GENERAL, CRPF,

The 28th April 1976

No. E-38013(3)/1/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector D. D. Devaney to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Madras Fertilizer Limited, Manali, Madras, with effect from the Forenoon of 24-3-1976, until further order and he assumed the charge of the above post with effect from the same date, vice Shi M. Balakrishnan, who assumed the charge of the post of Assistant Commandant (JAO), Central Industrial Security Force, Southern Zone, Madras with effect from the forenoon of 24-3-1976.

L. S. BISHT Inspector General

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 26th April 1976

No. 11/7/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri S. R. Luhadia, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the forenoon of 22 March, 1976 or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri S. R. Luhadia is at Bhopal.

No. 11/7/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri J. C. Kalra, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Punjab as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Bihar, on a purely temporary and ad hôc basis, for a period of six months with effect from the forenoon of 19 March 1976 or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri J. C. Kalra is at Patna.

### The 27th April 1976

No. 25/15/73-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/15/73-RG(Ad.I) dated 16 December 1975, the President is pleased to extend the period of reemployment of Shri T. R. Rajagopalan as Deputy Director of Census Operations, Tamil Nadu, by three months with effect from 1 June 1976 to 31 August 1976.

The headquarters of Shri T. R. Rajagopalan will continue to be at Madras.

R. B. CHARI Registrar General, India & ex-offició Joint Secretary

# MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF FCONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 23rd April 1976

No. 148/A.—The undersigned hereby appoints Shri V. V. Bapat, Head Accountant (Class III—Non-Gazetted), Central Stamp Store. Nasik Road, to officiate as Assistant Controller of Stamps (Class II Gazetted post) in the Central Stamp Store in the revised scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 12th April, 1976 to 30th June, 1976 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

No. 149/A.—The undersigned hereby appoints Shri V. G. Sane, a permanent Inspector Control, India Security Press, Nasik Road (Class III—Non-Gazetted), to officiate as Deputy Control Officer (Class II Gazetted post) in India Security Press in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 12th April, 1976 to 30th June, 1976 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

No. 150/A.—In continuation of Notification No. 1889/A dated 10-2-76. the ad-hoc appointment of Shri D. P. Jamotkar as Purchase Officer is further extended upto 30th June. 1976 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. J. JOSHI General Manager

# (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS, DEWAS

Dewas, the 27th April 1976

No. BNP/C/6/76.—Shri Ganpati Disawal, permanent Junior Supervisor (Electrical) promoted on ad-hoc basis to officiate as Assistant Engineer (Electrical) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40.—1000—EB—40—1200/- in the Bank Note Press, Dewas is appointed on regular basis with effect from 3-4-1976 (F.N.) to officiate in the same capacity until further orders.

#### The 1st May 1976

No. BNP/E/8/H-4.—The appointment on deputation of Shri K. C. Hindual, as Deputy Control Officer in the Hauk Note Press, Dewas (M.P.) is continued on regular basis for a period of 2 days beyond 31-3-1976.

D. C. MUKHERJEA General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

No. 1691-GE I/III-76

New Delhi, the 26th April 1976

1. No. 5822-GE.I/S-157/PF, dated 18th October 1975

The Comptroller & Auditor General of India is pleased to appoint Shri Y. C. Satyawadi, IAAS to Senior Scale of I.A.A.S. (Rs. 1100—1600) in officiating capacity and without prejudice to the claims of his seniors during the period from 18th April 1975 (AN) to 25th May, 1975 and again from 29th May, 1975 (AN) until further orders.

During the period 18th April, 1975 (AN) to 25th May 1975 he held the charge of the post of Dy. Accountant General (Admn.) in the office of the Accountant General (II), Maharashtra, Nagpur in addition to bis own duties.

2. No. 6864-GE.I/123-70, dated 26th December 1975

The Comptroller & Auditor General of India is pleased to appoint the following officers of the IAAS in a substantive capacity in the junior Administrative Grade with effect from the dates noted against each:—

Shri S. Jayaraman—20th December 1973.

Shri K. J. Kuriyan-23rd January 1974.

Shri C. S. Menon-29th January 1974.

Shri M. Ramaswamy-1st September 1974

Shri T. M. George—1st September 1974

Shri S. Ramachandra—1st September 1974

Shri A. L. Kohli-1st September 1974

Shri A. N. Biswas-1st September 1974

Shri C. Venkataraman-1st September 1974

Shri V. Subramanian-1st September 1974

Shri K. Ranganadham-1st September 1974

Shri M. Parthasarthi-1st September 1974

Shri Manjit Singh—1st September 1974

Shri B. M. K. Mattoo-1st September 1974

Shri A. G. Narayanaswami-1st September 1974

Shri K. N. Murthi-1st September 1974

Shri S. P. Joshi-1st September 1974

Shri O. P. Goel—1st September 1974 Shri G. C. Raghubir—1st September 1974

Shri M. K. Behl-1st September 1974

Shri M. N. Patnaik-1st September 1974

Shri D. N. Ghosh-1st September 1974

Shri J. D. Sud-1st September 1974

Shri C. R. Mukherjee-1st September 1974

Shri M. Y. Ranade-1st September 1974

Kumari Amrita Grover-1st September 1974

Smt. I. Indira Menon—1st September 1974

Shri K. R. Rabindra Nath-1st Septembe r1974

Shri A. Krishnan-1st September 1974

Shri T. P. Khosla-1st September 1974

Shri P. K. Biswas-1st September 1974

Shri R. Saran-1st September 1974

Shri P. Bhattacharjea-1st September 1974

Shri B. C. Das Gupta-1st September 1974

Shri Ved Prakash-1st September 1974

Shri M. A. Qadiri-1st September 1974

Shri A. M. Lankar-1st\_September 1974

Shri A. N. Chaku-1st September 1974

hri Ramaswamy R. Iyer-1st September 1974

Shri D. B. S. Sachdev-1st September 1974

Smt. Girija Eswaran-1st September 1974

Shri V. R. Katey-1st September 1974

Shri D. K. Chakravorty—1st September 1974

Shri K. R. Baliga-1st January 1975

Shri K. R. Parthasarathy-1st May 1975

Shri S. C. Mookherjee-1st September 1975

Shri V. K. Subramanian—1st September 1975

Shri C. P. Mittal-1st September 1975

Shri S. C. Mittal—1st September 1975

Shri S. S. Ahmed-1st September 1975

Shri Y. P. Passi-1st September 1975

Shri R. Rajagopalan-1st September 1975

Shri S. G. Stephen—1st September 1975

Shri K. L. Jhingan-1st September 1975

Shri R. P. Shrivastava-1st September 1975

Shri O. S. Kutty-1st eptember 1975

Shri R. K. Ganguly-1st September 1975

Shri J. Veeraraghavan—1st September 1975

Shri Rajendra Kumar-Ist September 1975

Shri R. S. Gupta-1st September 1975

Shri G. M. Mani-1st December 1975

The date of confirmation of Shri R. S. Maunder in Jr. Administrative Grade has been antedated to 29-5-1973.

#### 3. 10-GEJ/B-57/PFJII dated 3rd January 1976

Consequent upon his permanent absorption in the Uranium Corporation of India Ltd., Jaduguda (A Govt. of India Enterprise) in public interest w.e.f. 1st Sept., 1975, Shri M. M. Bhattacharya, IAAS. is deemed to have retired from Govt, service with effect from the same date in terms of Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

#### 4. 176-GE.I/V-17-PF.III dated 12th January 1976

Shri Ved Prakash, IAAS has taken over as Accountant General (II), U.P., Allahabad with effect from 30th December, 1975 (AN). He relieved Kumari Amrita Grover, IAAS.

5. 420-GE,I/B-28/PF,V, dated 30th January 1976

On return from leave from 13th Nov., 75 to 28th Dec., 75 Shri M. K. Behl, IAAS has taken over as Accountant General, Tripura, Agartala, w.c.f. 29th Dec., 75 (F.N.). He relieved Shri G. C. Raghubir, IAAS.

#### 6. 635-GE,I/G.I/PF.V, dated 10th February 1976.

On return from leave from 19th December, 1975 to 13th January, 76 Shri G. B. Singh, IAAS has taken over as Accountant General, Central Revenues, New Delhi w.e.f. 14th January, 76 (FN). He relieved Shri S. P. Gungani, IAAS.

## 7. No. 636-GE.I/R-13/PF.III, dated 10th February 1976

On return from leave from 2nd January, 76 to 24th January, 76 with the permission to affix holidays on 1st, 25th & 26th January, 76 to the leave Shri K. S. Rangamurti, IAAS has taken over as Chief Auditor, Northern Railway, New Delhi with effect from 27th January, 1976 (FN). He relieved Shri H. M. S. Bhatnagar, IAAS of his additional charge.

#### 8. No. 675-GE,I/V-10/PF.IV

Shri V. B. Verma, I.A. & A.S., Addl. Accountant General, Office of the Accountant General, Assam, Meghalaya, Aurnachal Pradesh & Mizoram, Shillong has retired on attaining the age of superannuation with effect from 31-1-76 (AN).

9. No. 906-GE.I/C-I/PF.VI, dated 27th February 1976

Shri M. L. Chopra, IAAS, Officer on Special Duty, office of the Accountant General, Assam etc., Shillong has retired from Govt. service with effect from 5th Feb., 1976 (AN).

10. No. 1023-GE.I/326-71, dated 10th March 1976.

The Comptroller & Auditor General of India is pleased to appoint the following officers of the I.A.A.S. to the Accountant General Level II Grade (Rs. 2250-125/2-2500/-) in an officiating capacity while holding the posts mentioned against them with effect from the date indicated against each until further orders under second proviso to F.R. 30(1).

- Shri A. Krishnan, Financial Controller Guyana Bauxite Co. Ltd., George Town, Guyana—30th December 1975 (AN).
- Shri K. R. Rabindra Nath, Financial Adviser & Chief Accounts Officer, Central Hydro Electric Projects Control Board, New Delhi-12-1-1976 (AN).

M. M. B. ANNAVI, Asstt. Compt. & Auditor General (Personnel)

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 29 April 1976

No. Admn. I/2/(4)/V/264-69—The Accountant Genral. Commerce, Works & Miscellanceous, New Delhi has been pleased to promote the following section Officers (Audit & Accounts) as temporary Accounts Officers on provisional basis from the dates and in offices noted against each until further orders.-

#### S/Shri

1. Vipin Chand			1-4-76 (FN)	In the office of
2. M. S. Negi .			1-4-76 (FN)	the Accountant
3. J. K. Jain .			1-4-76 (FN)	General, Co-
4. S. P. Jain .		-	1-4-76 (FN)	mmerce, Works
5. B. L. Madan			1-4-67 (FN)	& Misc, New
6. L. N. Datta	-		1-4-76 (FN)	Delhi
7. S. P. Puri .			1-4-76 (FN)	
8. P. L. Ranjan			7-4-76 (FN)	
9. N. Srinivasan	•	٠	2-4-76 (FN)	In the office of the Sr. Dy. Accounant General, Commerce, Works & Miscellaneous Bombay.

B. B. DEB ROY, Sr. Dy. Accountant General (Adm) Commerce Works & Miscellaneous

#### New Delhi, the 1st May 1976

O.O. No. Admn.IV/41(GO)/NCR/2.—Consequent attaining the age of superannuation (58 years) Shri N. C. Roy, Accounts Officer, (permanent Accounts Officer) of this office retired from Govt. service we.f. 1-4-76 Forenoon,

His date of Birth is 29-3-1918.

(Sd/-). ILLEGIBLE Accountant General

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL POSTS AND TELEGRAPHS

#### Delhi-110054, the 27th April 1976

O.O. No. 1/Admn.V-23(A)(2)R.—Shri R. S. Mukherjee, a permanent Accounts Officer in the office of the Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Calcutta has retired from service with effect (rom 29-2-1976 (A.N.).

P. N. MALAVIYA
Sr. Deputy Accountant General
(H. Qrs. I)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, WEST BENGAL

Calcutta-1, the 26th April 1976

No. Admn.I/1038-XIV/354.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint Sri Sisir Kumar Bhowmick, permanent\_Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 26-4-76 or any date thereafter on which he actually takes over charge as Accounts Officer in this office until further orders.

The inter-se-seniority of the officer in the Accounts Officer's grade will be indicated in due course.

GHANSHIAM DAS Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL RAJASTHAN

Jaipur, the 29 April 1976

No. Admn, II/G-G-Notificttion—The following Section Officers of the Office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur are appointed as officiating Accounts Officers until further orders from the dates noted against each:--

S. No,	Name S/Shri	 		Date from which appointed officiating Accounts Officers.
	ota Ram Jain ita Ram Sharma	•		19-4-76 (FN) 17-4-76 (FN)

Sd, Illegible

Senior Deputy Accountant General/Adm

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERALS ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-500004, the 3rd May 1976

No. E.B.I./8-312/74-77/42.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri H. Suryanarayana Murthy a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—FB—40—1200 with effect from 28-4-1976 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHERJEE Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Centroller General of Defence Accounts

New Delhi, the 27th April 1976

No. 40011 (2)/75-AN-A(1)—The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Ser:	ial Name with Roster Number	er 		G	rade	Date from which transferred to pension establishment.	Organisation.
1	2				3	4	5
	Sarvashri						
	S. Rajagopalan (P/24)			Permanent Accounts Officer.		31-7-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
2.	K. Mallikarjuna Rao (P/115)	•		. Permanent Accounts Officer.		30-6-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
3.	F. A. Benjamin Soosai (P/170)	•		. Permanent Accounts Officer.		31-5-76	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
4.	(1/240)			- Permanent Accounts Officer.		31-7-76	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
5.	R. Padmanabhan (P/247) .	•	•	Permanent Accounts Officer.		31-7-76	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
6.	S. Ramanathan (P/291)	•	-	. Permanent Accounts Officer.		30-6-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
7.	S. Narayana Rao (P/367)		•	. Permanent Accounts Officer.		31-3-76	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
	V. K. Subramanian (P/381)			Permanent Accounts Officer.		31-7-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
9.	S. Varada-chari (Old No. 0, 16)			. Permanent Accounts Officer.		31-8-76	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.

1	2	_		3	4	5
Sarvashri		-				
10. A. Soma	nsundaram (Old No. 0/30)		. Permanent Accounts Officer.		30-6-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
11. V. P. Ci	nibber (Old No. 0/62) .	•	. Permanent Accounts Officer.		31-8-76	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.
12. A. Janal	kiraman (Old No. 0/80) .	٠	. Permanent Accounts Officer.		31-7-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
13. H. K. Ba	ancrice (0/225) .	•	. Officiating Accounts Officer.		31-5-76	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.

Shri S. Narayana Rao, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 120 days from 3-12-75 to 31-3-76 pending his retirement.

Entries against serial number 2 in this department notification bearing No. 40011 (2)/75-AN-A dated 17-3-76 relating to Shri Ram Lal Anand are cancelled.

(3) The following is added as sub para to para (2) of this department notification bearing No. 40011 (2)/75-AN-A dated 28-2-76. "Shri R. Bhashyam, Permanent Accounts Officer has been sanctioned EL for 74 days from 30-4-76 to 12-7-76 under Rule 39 (6) of CCS (Revised) Leave Rules 1972".

S. K. SUNDARAM Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

DIRECTOR GENERAL, ORDNA	NCE	FACTOR	RIES		18.	Shri Kshirodo Lal SENGUPTA .	8th	Apl.,	1968
D.G.O.F. Hors Civil Ser	VICE				19,	Shri Amarendra Nath CHAUDHURI	23rd	Nov.,	1968
•						Shri Pravash Kumar MUKHERJEE	16.1	ь	1000
Calcutta, the 17th April 1						(Since retired)	16th	Dec.,	1969
No. 27/76/G.—The D.G.O.F. is pleaunder-mentioned Offg. Assistant Staff Of						Shri Krishna Lal DEBNATH	31st	Dec.,	1969
capacity in that grade with effect from the	dates	specified	:		22.	Shri Suresh Chandra BANERJEE (Since retired)	lst	Feb.,	1970
1. Shri Hara Pada CHOWDHURY					23.	Shri Kalipada MUKHERJEE	10th	May,	1970
(Since retired)	8th	Apl.,	1968		24,	Shri S. SIVASANKARAN (Since			
2. Shri Hari Bhusan GPOSH	8th	Apl.,	1968			*	1st	Sep.,	1970
3. Shri Prafulla Nath SANYAL	8th	Apl.,	1968			Shri Narayan Das CHOWDHURY	lst	Sep.,	1970
4. Shri Tirtha Prasad BAGCHI (Since retired)	8th	Apl.,	1968		26.	Shri Subodh Chandra CHAUDHU- RY (Since retired)	1st	Sep.,	1970
5. Shri Kanai Lal MUKHERJEE	8th	Apl.,	1968		27.	Shri Guru Prasad MAZUMDAR			
6. Shri Hari Pada CHATTERJEE	8th	Apl.	1968			(Since retired)	lst	Sep.,	1970
7. Shri Manindra Nath MOITRA (Sinc	c	. ,			28.	Shri Sunil Kumar DUTTA (Since retired)	1st	Sep.,	1970
retired)	8th	Apl.,	1968		29	Shri Bhabani Prasad DUTTA	• 100	БСР.,	1770
8. Shri Silananda BRAHMACHARI (Since retired)	8th	Apl.,	1968			(Since retired)	Ist	Sep.,	1970
9. Shri Pulin Behari GHOSH (Since	Olli	Apt.,	1900		30.		1st	Oct	1970
retired)	8th	Apl.,	1968		31.	Shri Subodh Kumar MITTER (Since		,	
10. Shri Satyabrata NAG	8th	Apl.,	1968		-	retired) . , , .	28th	Nov.,	1970
11. Shri Gopal Chandra Das GUPTA					32.	Shri Patit Paban JANA (Since	10.1	<b>.</b> 1	1071
(Since retired)	8th	Apl.,	1968		2.2	refired)	13th	July,	1971
12. Shri Timir Ranjan DUTTA	8th	Apl.,	1968			Shri Bipulendra Nath MITRA	lst	Oct.,	1971
13. Shri Amiya Ranjan BOSE	8th	Apl.,	1968			Shri Byomkesh MANIK	1st	Мау.,	1972
14. Shri Nirmal Chandra SENGUPTA	8th	Apl.,	1968		35.	Smt. Atreyee MAJUMDAR (Since retired)	1st	May.,	1972
15. Shri Bhupati Bhusan BISWAS .	8th	Apl.,	1968		36.	Shri Jiban Krishna BANERJEE	•	,	
16. Shri Santi Kumar BANERJEE	8th	Apl.,	1968	Α,		(Since retired)	27th	July,	1972
17. Shri Rajeswar MITRA (Since retired)	8th	Apl.,	1968		37.	Shri Narendra Mohan GANGULI (Since retired)	27th	Dec.,	1972

<sup>(2)</sup> Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459 (i) CSR Volume I, Shri Ram Lal Anand, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/244), serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 24th June, 1976.

	<del>,,</del> ,				··		
38.	Shri Raghunath DAS	GUPT#	<b>.</b>		1st	Гeb.,	1973
39.	Shri Sital Chandra (Since retired)	MAJU	MDA	R ·	15th	May.,	1973
40.	Shri Anileswar (Since retired)	MUKF	ERJI	EE	1st	Λug.,	1973
41.	Shri Mahima Ranjan	GHOS.	AL		1st	Nov.,	1973
42.	Shri V. VENKITESV retired)	VARAN	(Sin	ice	Ist	Jan.,	1974
43.	Shri V. KAJLASA				İst	Jan.,	1974
44.	Shri Parbati Kumar	GOSWA	MI		1st	Jan.,	1974
45.	Shri Annada Mohan	GHOSE	ŀ		1st	Peb.,	1974
46.	Shri Hemtosh Kuma retired)					Apl.,	1974
47.	Shri Animesh DASG	UPTA			Ist	July,	1974
48.	Shri Nirmal Chandra	a DAS			1st	July,	1974
49,	Shri Prasanta Kuma	r MALL	ICK		181	July,	1974
50,	Shri Sadhana Beh (Since expired)	ari S <i>A</i>	RKA	AR	Ist		
51.	Shri Ranjit Kumar I	DAS			lst	July,	1974
52.	Shri Probhat Chandi	a NATI	ŀ		6th	Aug.,	1974.

#### DG OF HORS, STENOGRAPHERS' SERVICE

No. 28/76/G.—The D.G.O.F. is pleased to appoint Shri Vaidyanatha NATARAJAN, Offig. Stenographer (Selection Grade)/ P.S. to D.G.O.F. in substantive capacity in that grade with effect from 1st Sep., 1970.

> M. P. R. PILLAI Assit. Director General, Ordnance Factories

# MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 1st May 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 6/312/55-Admn(G)/2775.—On attaining the age superannuation Shri M. D. Chitnis relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 31st March, 1976.

No. 6/419/56-Admn(G)/2769.—On attaining the age of superannuation Shri U. B. Pardeshee relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt, Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 31st March, 1976.

P. K. KAUL Chief Controller of Imports and Exports

# New Delhi, the 27th April 1976

No. 6/1046/74-Admu(G)/2682.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri J. L. Das, District Social Welfare Officer, Tribal Areas and Welfare of Backward Classes Department, Government of Assam, Dibrugarh as Controller of Imports and Exports Class-II (Non-CSS) in the office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports, Kanpur in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd March, 1976, until further orders.

2. Shri J. L. Das as Controller of Imports and Exports will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

#### The 29th April 1976

No. 5/8/70-Admn(G)/2736.—Chief Controller of Imports and Exports hereby confirms Shri P. R. Narang in the post of Controller of Imports and Exports (Class-II) in the Import and Export Trade Control Organisation, Ministry of Commerce, with effect from 15-10-1971.

> A. T. MUKHERJEE.
>
> Dy. Chief Controller of imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

#### Bombay-20, the 30th April 1976

No. CER/17/76.—In exercise of the powers conferred on me by sub-clause (5) of Clause 21 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CFR/1// 74, dated the 14th January, 1974, namely:-

In the said Notification the following proviso shall be added, namely:-

"Provided that, notwithstanding anything contained in para I above, every producer of yarn, shall pack yarn for civil consumption, in hank form, from the month of May, 1976 and in every subsequent month, for a period of six months beginning from the 1st day of May, 19/6 and ending on the 31st day of October, 1976, in proportion not less than the monthly average proportion of yarn in hank form, packed by him, during the year 1972, for civil consumption."

G. S. BHARGAVA. Joint Textile Commissioner

#### OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 1st May 1976

No. Jute(Λ)/147/65.—Jute Commissioner hereby appoints Shri K. K. Das, Inspector (Tech.) as Assistant Director (Jute Technology) Class II in the Scale of Rs. 650—1200/on an ad-hoc officiating capacity in the same office from the 1st May (F/N) to 15th June, 1976 vice Shri D. K. Dutta proceeded on leave.

> N. K. ROY Administrative Officer for Jute Commissioner

# (DEPARTMENT O FEXPLOSIVES)

Nagpur, the 21st April 1976

No. E.11(7).--In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969:

Under Class 2-NITRATE MIXTURE

- (i) in the entry "PERMAFLO-1" the words and figures "for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1976" shall be deleted;
- (ii) in the entry "PERMAFLO-3" for the figures "1976" the figures "1977" shall be substituted; and
- (iii) in the entry "PRM-101, PRM-102 and PRM-103" the letters and figures "PRM-101 and PRM-103" shall be deleted and for the figures "1976" the figures "1977" shall be substituted.

I. N. MURTY Chief Controller of Explosives

# DEPARTMENT OF SUPPLY DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 30th April 1976

No. A-1/1(1039).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri J. L. Shah, Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate as Assistant Director (Admn.) (Grade 11) on regular basis in the office of the Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of 1st April, 1976 and until further orders.

2. Shri Shah will be on probation for one year from 1-4-76 to 31-3-77.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

# New Delhi, the 4th April 1976

No. A-1/1(534).—The President is pleased to appoint S/Shri S. P. S. Bhatia, K. K. Chakravarty, L. C. Wadhawan and Man Mohan Lal, Assistant Directors (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate as Assistant Director (Grade I) in the same Dte. General with effect from the forenoon of 26th February, 1976

2. S/Sbri Bhatia, Chakravarty, Wadhawan and Lal will be on probation for one year from 26-2-1976 to 25-2-1977.

K. L. KOHLI Deputy Director (Administration)

#### (ADMN. SEC. A-6)

# New Delhi, the 27th April 1976

No. A-17011/101/76-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri P. X. Antony, Junior Field Officer in the office of the director of Supplies & Disposals Bombay to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Met. Chem.) in the Jamshedpur Inspection Circle w.e.f. the forenoon of 24th March, 1976, until further orders.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

# MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

#### Nagpur, the 22nd April 1976

No. A19011(84)/70-Estt.A.—Consequent to the acceptance of the resignation tendered by Shri K. R. Sheth, Quasi permanent Assistant Controller of Mines, by the Government, Shri Sheth is struck off from the strength of this department with effect from the afternoon of 3rd April, 1976.

#### The 30th April 1976

No. A19011(187)/75-Estt,A.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Argra to the Post of Assistant Controller of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th April, 1976, until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY
Sr. Administrative Officer
for Controller

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

#### New Delhi-1, the 1st May 1976

No. F.11/2-3(a)/75-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Raghu Nath Meena, as Archivist (General) (Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 19-4-76, until further orders.

#### The 4th May 1976

No. F.11-17/75-A-1.—Shri Kabir Kausar, Asstt. Archivist Grade I (Oriental Records) is appointed to officiate as Archivist (Oriental Records) (Class II Gazetted) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 23rd April, 1976 and until further orders (vice Shri R. R. Aggarwal, Archivist (O.R.) on leave). This ad-hoc appointment will not

confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

(Sd/-) ILLEGIBLE Director of Archives

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 23rd April 1976

No. 6/39/56-Est.I.—The Additional Chief Producer, Films Division, Bombay, has retired from service Shri B. S. Arshi, Permanent Newsreel Officer in the Films Division at Bhopal, with effect from the forencen of the 19th April, 1976, under clause (j)(ii) of rule 56 of the Fundamental Rules.

#### The 29th April 1976

No. A-31014/2/75-Est.f.—The Chief Producer, Films Division, Bombay, hereby appoints Shri A. Visvanatham, Quasi Permanent Recordist and Offg. Chief Recordist to the post of Chief Recordist in a substantive capacity with effect from 29th March, 1976.

R. S. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th April 1976

No. A.31014/1/76(JIP)-Admn.1.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. K. Natarajan in a substantive capacity to the permanent post of Chemist (Non-Medical Assistant) (Microbiology) at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the 12th December, 1975.

No. 6-7/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Sowrirajulu, Assistant Accounts Officer, Central Research Institute, Kasauli as Accounts Officer at the same Institute with effect from the forenoon of the 6th November, 1975, on an ad-hoc basis, and until further orders.

No. A.22012/1/76-Admn.I.—Consequent on his transfer from the Govt. Medical Store Depot, Calcutta, Shri D. S. Desikan assumed charge of the post of Deputy Assistant Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services, New Delhi w.e.f. the forenoon of the 6th April, 1976.

No. 17-13/73-Admn.-I.—On the expiry of the extension of service granted to Shri A, K. Ghosh (Deputy Asstt. Director General (Stores) in the Directorate General of Health Services, he relinquished charge on retirement from service with effect from the afternoon of 31st Match, 1976.

Shri A. K. Ghosh has been granted refused leave for 120 days with effect from the forenoon of 1st April, 1976,

### The 1st May 1976

No. A.12023/2/(CHEB)/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. G. Oswal, Research Officer, Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services to the post of Deputy Assistant Director General (D.H.E.—Non-medical) in the same Bureau on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 8th April, 1976 and until further orders.

2. Consequent on his appointment to the post of Deputy Assistant Director General (D.H.E.—Non-medical), Shri Oswal relinquished charge of the post of Research Officer in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, on the forenoon of the 8th April, 1976.

R. N. TEWARI Dy. Director Administration (CHS)

### New Delhi, the 28th April 1976

No. 33-14/75-Admn.I.—Consequent on his reversion to the Accountant General, Central Revenue, New Delhi's office, Shri

Hazari Lal relinquished charge of the post of Accounts Officer, Satdarjang Hospital. New Delhi on the forenoon of the 1st March, 1976.

#### The 4th May 1976

No. 19-12/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. Ramakrishnan in the post of Professor of Biochemistry at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 26th December, 1975 in an officiating capacity and until further orders.

S. P. JINDAL Dy. Director Administration (O&M)

# INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT OFFICE OF THE GENERAL MANAGER, MADRAS TELEPHONES

Madras-600001, the 30th April 1976

No. AST/AE.5/1.—Sri N. S. Kandaswamy, Offg. Assistant Engineer in local arrangement stands reverted to his parent cadre with effect from 23-3-1976 afternoon.

No. AST/AE. 5/2—The General Manager, Madras Telephones is pleased to appoint the undermentioned Junior Engineers to officiate as Asst. Engineers in local arrangement in Madras Telephone District from the dates mentioned against each:—

Sl. No.	Name	Date of promotion to TES Group	Date of reversion, if any		
	P. Nemarajan	18-2-76	4-4-76	AN	
2. Shri	S. Nageswaran	4-3-76			
3. Shri	N. S. Kandaswamy	26-3-76	31-3-76	ΑN	
4. Shri	N. S. Kandaswamy	8-4-76			
5. Shri	P. Nemarajan .	9-4-76			
6. Shri	D. Parimalasekaran	26-4-76			
7. Shri	P. S. Srinivasan	26-4-76			
8. Shri	V. Dandapani	26-4-76			

K. V. DURGADAS Assti. General Manager (Admn) for General Manager

### Madras-600001, the 30th April 1976

No. AST/AO/VO/101.—Sri G. Nilakantan, officiating Accounts Officer in local arrangement (on leave) stands reverted to his parent cadre with effect from 8-4-76 Afternoon.

K. V. DURGADAS Asstt. General Manager (Admn.)

# MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF AGRICULTURAL AVIATION

New Delhi-110003, the 12th March 1976

No. 2-25/73-Adm.I.—The Director of Agricultural Aviation is pleased to appoint Shri R. Srinivasan, a permanent Accounts Officer of Defence Accounts Department as Accounts Officer in the Directorate of Agricultural Aviation

on transfer basis with effect from the forenoon of 3rd January 1976, until further orders. He accordingly ceases to be on deputation terms w.e.f. 3-1-1976 (forenoon).

S. SAHNI Air Cdre Director of Agricultural Aviation

#### DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 27th April 1976

No. F.2(7)/70-Fstt.(1).—Shri G. D. Gulati, officiating as Superintendent (Grade I), Class II (Gazetted), on ad-hoc basis, is reverted to the post of Superintendent (Grade II), Class III, with effect from afternoon of the 8th April, 1976.

N. K. DUTTA Director of Administration

# DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

Nagpur, the 24th April 1976

No. F.2/8/75-D.II,—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Forcign Trade, Ministry of Commerce, Ministry of Finance (Department of Revenue & Company Law), Ministry of Finance (Department of Revenue Division) Notifications No. 125, 126, 127 dated 15-9-1962, No. 1131, 1132 dated 7-8-1965, No. 2907 dated 5-3-1971, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C dated 1-10-1971, No. 3099 dated 3-11-1973, No. 1133, 1134 dated 7-8-1965, No. 448 dated 14-3-1964, No. 12 dated 9-6-1945, No. 1 Camp dated 5-1-1946, No. 6 dated 5-2-1949, No. 64 dated 17-6-1961, No. 1130 dated 7-8-1965 published in the Gazette of India, I hereby authorise Shrificate of Grading from the date of issue of this Notification in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugteck Seed, Celery Seed, Cumin Seed, Onion, Garlic, Pulses, 'Table Potatoes, Tobacco & Tendu Leaves, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading & Marking Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marketing) Act, 1937 (1 of 1937).

No. F.2/8/75-D.II,—For the purpose of Government of India, Ministry of Commerce, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade, Notifications No. 125, 126, 127 dated 15-9-1962, No. 1131, 1132 dated 7-8-1965, No. 2907 dated 5-3-1971, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C, dated 1-10-1971, No. 3099 dated 3-11-1973, No. 1127 dated 21-4-1973, No. 48 dated 24-5-1954, No. 173 dated 29-12-1954, No. 5 dated 14-1-1961, No. 174-CUS dated 26-12-1964 published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri R. Narasimhan, Assistant Markeling Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this Notification in respect of Black Pepper, Chillics, Cardamoms, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek Seed, Celery Seed, Cumin Seed, Curry Powder, Wool, Bristles, Goat Hair and Animal Casings, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading & Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

#### The April 1976

No. F.2/8/75-D.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Commerce Notification No. 1127 dated 21-4-1973 published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri B. S. Bhardwaj, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading in respect of Curry Powder which have been graded in accordance with the provisions of Curry Powder Grading and Marking Rules formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading & Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

J. S. UPPAL Agricultural Marketing Advisor

# MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Nagpur, the 4th May, 1976

No. F. 5/11/69-D. II (PT. I)—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification (Customs) No. GSR-448 dated 14-3-1964, No. 124 dated 15-9-1962 published in the Gazette of India, I hereby authorise the following Officers from the date of issue of this notification to issue certificate of Grading in respect of commodities shown against each which have been graded in accordance with the provisions of the Table Potatoes and Myrobalans Grading and Marking Rules as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

Name & Designation of the Officers	Commodity for Which Authorised		
1. Shri M. Kuralnathan, A.M.O.	Myrobalans.		
<ol> <li>Shri V. K. Verma, A.M.O.</li> <li>Shri K. N. Rai, A. M.O.</li> </ol>	Table Potatoes. Table Potatoes.		
Agricul	J. S. UPPAL tural Marketing Adviser		

#### REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 25th March 1976

No. RRC-II-13(11)/76-/P3421.—Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints S/Shri YESUBAKTHAN RAHULDAN PETER and MALLPPAN PALANICHAMI, temporary Scientific Assistants 'C' of this Research Centre as Scientific Officer (SB) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—55—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Centre, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

#### The 15th April 1976

No. RRC-II-1(26)/72/P4129.—Project Director, Reactor Research Centre appoints Shri PORUNTHAPAKKAM tant of this Centre, as an Assistant Administrative Officer in VENUGOPALACHARY SUNDARARAJAN, an officiating - Assitant of this Centre, as an Assistant Administrative Officer in the same Centre in an officiating capacity, on an ad-hoc basis, from March 9, 1976 until further orders vice Shri K. Venkatakrishnan, Assistant Administrative Officer transferred to the Department of Atomic Energy.

K. SANKARANARAYANAN Senior Administrative Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 27th April 1976

Réf. No. HWPs/Estt/1/G-51/2491.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Peter Manuel Gonsalves officiating Selection Grade Clerk, Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project from March 29, 1976 (FN) to May 1, 1976 (AN) vice Shri S. C. Thakur, Assistant Personnel Officer, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY Senior Administrative Officer

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 5th May 1976

No. £(1)03878.—On attaining the age of superannuation, Shri D. R. Gokhale. Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director (Instruments), Poona, retired from Govt. service with effect from the afternoon of 29th February, 1976.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

# OFFICE OF THE D'RECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th April 1976

No. A-12025/1/75-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Rameshwar Prem Chaudhry as a Hindi Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 7th April, 1976 (FN) on ad-hoc basis and until further orders, and post him in the office of the Regional Director, Calcutta.

#### The 29th April, 1976

No. A. 31013/1/75-ES.—The President is pleased to appoint the following officers in substantive capacity in the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection in the Civil Aviation Department with effect from the date indicated against each:—

S. Name of the Officer No.			Date from which confirmed		
1. Shri V. Chellappa .			 16-4-1972		
2. Shri S. D. Behl .			15-8-1973		
3. Shri S. B. Deokule .			12-9-1974		
4. Shri K. N. S. Krishnan			13-7-1975		

H. L. KOHLI

Deputy Director of Administration for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 26th April 1976

No. A.38012/5/76-ES.—On attaining the age of superannuation. Shri S. L. Guram, Senior Aircraft Inspector in the Office of the Regional Director, Bombay, relinquished charge of his duties in the forenoon of the 1st April, 1976.

#### The 3rd May 1976

No. A. 32013/4/76-EC—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till regular appointments are made whichever is earlier, with effect from the date indicated against each and to post them at the same station:—

S. Name, designation and station of posting. No.	With from	estect
1. Shri F. C. Banerjee, A.T.O., Central Radio Stores Depot, New Delhi.	7-4-1976	
<ol> <li>Shri N. V. Pathy, A.T.O., Central Radio Stores Depot, New Delhi.</li> </ol>	7-4-1976	
3. Shri S. P. Jain, A.T.O., A.C.S., Palam.	7-4-1976	
4. Shri J. C. Gupta, A.T.O., A.C.S. Palam.	7-4-1976	

#### The 4th May 1976

No. A.32013/1/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri G. Govindaswamy Assistant Director of Communication in the Civil Aviation Department working as Controller (on an ad-hoc basis), Central Radio Stores Depot, New Delhi on a regular basis in the same capacity with effect from the 1-3-1976 (FN) and until further orders and to post him at the same station.

No. A.32013/1/75-EC.—The President is also pleased to appoint Shri B. B. Bandhopadhyay, Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department working as Controller of Communication (on an ad-hoc basis) Aeronautical Communication Station, Calcutta on a regular basis in the same capacity with effect from the 1st March, 1976 (FN) and until further orders and to post him at the same station,

H. L. KOHLI Dy. Director (Administration)

#### New Delhi, the 29th April 1976

No. A.12025/5/75-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint Shri B. B. Deb, to the post of Assistant Fire Officer, in the Civil Aviation Department, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the 21st April, 1976 and until further orders. Shri Deb is posted at Hyderabad Airport, Hyderabad.

No. A.31013/2/75-F.A.—The President has been pleased to appoint Shri H. C. Rai Chowdhury, in the post of Fire Officer in the Civil Aviation Department, in a substantive capacity with effect from the 20th October, 1974.

V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

# OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 24th April 1976

No. 12/7/76-EST—The following officiating Deputy Traffic Managers are appointed as Deputy Traffic Managers in a substantive capacity, with effect from the date shown against each under Column No. 3:—

S. No.	Name			Date from which appointed as Deputy Traffic Manager in a substantive capacity
1. Shri I	into Thomas	 	 	1-11-1974
2. Shri V	/. P. Sharma			1-3-1975

### The 26th April 1976

No. 1/288/76-EST.—On the expiry of earned leave preparatory to retirement granted to him with effect from the 181 April. 1976 to the 30th June, 1976, Shri P. C. K. Nair, Officiating Assistant Administrative Officer, D.T.S. Poona, will retire from service with effect from the afternoon of the 30th June, 1976.

> P. G. DAMLE Director General

#### Bombay, the 27th April 1976

No. 1/385/76-EST.—The Director General, Overseas Communication: Service, has accepted the resignation from Government Service, of Shri Subhash Chandra Jain, Temporary Assistant Engineer, Arvi Branch, with effect from the afternoon of the 28th March, 1976.

M. S. KRISHNASWAMY Administrative Officer for Director General

# DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 27th April 1976

No 2/76/C. No. 1041/20/76.—On reversion from deputation in the Enforcement Directorate, Shri D. N. Gaur, Assistant Collector of Customs and Central Excise, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class I in the Hqrs. Office of the Directorate of Inspection Customs and Central Excise, New Delhi on 31-3-1976 (FN).

#### The 1st May 1976

No. 3/76/C. No. 1041/20/76.—Shri V. S. R. Anianeyulu, lately posted as Junior Analyst in the COFEPOSA Unit of the Deptt. of Revenue and Banking, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Class II in

the Headquarters Office of the Directorate of Inspection, Custom, and Central Excise, New Delhi, on 1-4-1976 (Forenoon) vice Late S. R. Narang. Who expired on 28-3-1976.

S. VENKATARAMAN Director of Inspection

# CFFICE OF THE CONTROLLER OF INSURANCE

Simla-4, the 27th April 1976

No. Ins.42(7)-Adm/72.—On being relieved of his duties in this office, in the afternoon of 3rd March, 1976, the services of Shri H. L. Fulwaria, an officiating Senior Examiner in this office, are placed at the disposal of the Oriental Fire and General Insurance Company Limited, New Delhi, a subsidiary of the General Insurance Corporation of India.

2. He is not entitled to any joining time, joining time pay and travelling allowance etc.

(Sd/-), ILLEGIBLE Controller of Insurance

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 1st May 1976

No. A-32012/9/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri R. C. Jadhav, Research Assistant, to the post of Assistant Research Officer (Engineering) at the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on regular basis, in an officiating capacity, with effect from the date and time he takes over charge of the above post.

2. The above Officer will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering). Central Water and Power Research Station, Poona, for a period of two years, from the date of taking over charge of the above post.

JASWANT SINGH Under Secretary for Chairman, C.W. Commission

# MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 29th April 1976

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all concerned that the 132 kV double circuit transmission line constructed by Northern Railway from Railways Sub-station at Khuria In, to Sahibabad (km. 1370 to km 1440) running parallel to the Railway track and in the vicinity of the nearby villages will be energised on 132 kV A.C. 50 Cycles per second on or after 30-4-1976. On and from the same date the overhead transmission line shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead line.

A. L. GUPTA Secretary, Railway Board

# NORTHEAST FRONTIER RAILWAY OFFICE OF THE GENERAL MANAGER (PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 20th April 1976

No. E/55/III/91 P.III(O).—Shri M. Raikhan a Junior Scale Officer of the T(T) & C Department is Confirmed in the Senior Scale with effect from 1-8-74.

H. L. VERMA General Manager

# MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

### (DEPARTMENT OF REHABILITATION)

# OFFICE OF THE CHIEF MFCHANICAL ENGINEER REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore-764003, the 28th April 1976

No. P.2/97.—In continuation of this office notification No. P.2/97 dated 9-12-1975, the officiating appointment of Shri Rajaram Balaiya, as Assistant Administrative Officer (Group B—Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the Rehabilitation Reclamation Organisation, posted at Shahpura, Distt, Betul (MP), on ad-hoc basis is extended for a further period of six months w.e.f. the forenoon of 1-5-1976 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier

B. P. SAXENA Administrative Officer for Operational Engineer

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

#### COMPANY LAW BOARD

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the companies Act, 1956, and of Sidhwalia Sugar Mills Limited

Calcutta, the 28th April 1976

No. 28704/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Radical Insurence Co. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Radical Insurence Co. Limited

Calcutta, the 28th April 1976

No. 6897/560(3),—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Radical Insurance Co. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Seohara Sugar Mills Limited

# Calcutta, the 28th April 1976

No. 28702/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Seohara Sugar Mills Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Narayangong Co. Private Limited

# Calcutta, the 28th April 1976

No. 1507/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date bereof the name of the Narayangong Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Samson Industries Private Limited

### Calcutta, the 28th April 1976

No. 22616/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Samson Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Bijoya Lakshmi Cotton Mills Limited

Biloya Lakshmi Cotton Mills Limited .

No. 12935/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bijoya Lakshmi Cotton Mills Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Hasanpur Sugar Mills Limited

Calcutta, the 28th April 1976

No. 28703/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hasanpur Sugar Mills Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Modern Synthetic Fabrics Private Limited

Calculta, the 28th April 1976

No. 27588/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Modern Synthetic Fabrics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Modern Display Private Limited

Calcutta, the 28th April 1976

No. 15018/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date bereof the name of the Modern Display Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Chittagony Co. Private Limited

Calcutta, the 28th April 1976

No. 1538/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date bereof the name of the Chittagong Co. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the companies Act, 1956, and of Aira Sugar Mills Limited

#### Calcutta, the 28th April 1976

No. 28705/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date bereof the name of the Aira Sugar Mills Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Sabart Agencies Private Limited

Madras-34, the 4th May 1976

No. 6376/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sabari Agencies Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

(Sd/-). ILLEGIBLE Assistant Registrar of Companies, Tamil Nadu

#### NOTICE UNDER SECTION 445(2)

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Ashish Finance Private Limited

Ahmedabad-380009, the 24th April 1976

No. 1400/Liquidation.—By an order dated 9-2-1976 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in company Petition No. 57 of 1975, it has been ordered to wind-up M/s. Ashish Finance Private Limited.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Gujarat

#### Coimbatore, the 27th April 1976

No. 1378/Liqn/S.247(A)/76.—Whereas "M/s. Lalitha Bank Limited" (In Liquidation) having its registered office at No. 97-D, Oppanakara Street, Coimbator, is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that statement of accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of Section 247 of the Indian Companies Act. 1913 notice hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of "M/s. Lalitha Bank Limited" (In Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

(Sd/-). ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies,

In the matter of the companies Act, 1956, and of Aditya Holdings Limited

#### Delhi, the 27th April 1976

No. 6747/7188.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aditya Holdings Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. K. ARORA Assit. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 23rd March 1976

#### CORRIGENDUM

F. No. LDH/C/116/75-76.—In the notice under section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) bearing Ref. No. LDH/C/116/75-76 in respect of land measuring 12 biswas and 2 biswansis i.e. 1815 sq. yds. situated in Dholewal alongside the railway line about 100 feet away from the G.T. Road, Ludhiana (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2738 of June, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana) published in the Gazette of India, Part III, Section I. dated 17th January, 1976 at page 616, for the abbreviations and words "M/s India Motors, G.T. Road, Ludhiana", read abbreviations and words "M/s India Motors, G.T. Road, Ludhiana".

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th May 1976

Rcf. No. 899-A/Acq/Meerut/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Meerut on 9-9-1975,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) I. Haji Mohd. Ismail S/o Shekh Bundu, R/o Purwa Ilahi Buksh, Meerut.
  - M/s. Rakesh Kumar & Company, Meerut, through Suraj Bhan, Managing Partner, S/o Amba Prasad, R/o Kamla Nagar, Baghpat Road, Meerut (Transferor)
- (2) Shri Bipin Kumar Agrawal S/o Parshottam Prasad, R/o Kanoon Goyan, Mcerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 10 Biswa, Khasra No. 2035, situated between Delhi and Khatta Road, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 41,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 12th May 1976

Ref. No. 900-A/Acq/Meerut/75-76/463.---Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 16-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following person, namely:—

- (1) 1. Haji Mohd. Ismail S/o Bundu, Purwa Ilahi Buksh, Mccrut.
  - Rakesh Kumar & Company, Meerut, through Suraj Bhan, Managing Partner, S/o Amba Prasad, Kamla Nagar, Baghpat Road, Meerut, (Transferor)
- (2) Shri Bipin Kumar Agrawal S/o Parshottam Prasad, R/o Kanoon Goyan, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 10 Biswa, Bhumdhari, No. 2035, situated between Delhi Road, and Khatta Road, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 41,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

#### KANPUR

Kanpur, the 12th May 1976

Ref. No. 901-A/Acq/Meerut/75-76/464.—Whereas, 1. VIJAY BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 16-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Haji Mohd. Ismail S/o Bundu, Purwa Ilahi Buksh, Meerut.
  - Rakesh Kumar & Company, Meerut, through Suraj Bhan, Managing Partner, Kamla Nagar, Baghpat Road, Mecrut. (Transferor)
- (2) Shri Bipin Kumar S/o Parshottam Prasad, R/o Kanoon Goyan, Meerut.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 9 Biswa, Bhumdhari Number 2035, situated between Delhi Road, and Khatta Road, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 37,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI-(110001)

New Delhi-1, the 5th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR. III/947/Sept(28)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

A-461, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 12-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Subhash Chander Rishi s/o
 Shri Narain Dass, r/o
 33/3 Ramesh Nagar, New Delhi through Special
 Power of Attorney Sh. Narain Dass s/o
 Sh. Ram Chand, r/o
 33/3, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Sh. Kanwar Bhan & Smt. Usha Rani w/o Sh. Om Parkash, r/o 24/9 Pant Nagar, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A 21 storeyed building bearing No. A-461, on a plot measuring 217 sq. yds. and is situated in Defence Colony, New Delhi and bounded as under:—

North: Property No. A-453

South: Road East: Road

West : Service Lane,

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tux
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 5-5-1976

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-(110001)

New Delhi-1, the 29th April 1976

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/954/Scpt(44)/75-76.—Whereas. I. S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-82, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 20-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

/1) Shri A. Dass Gupta, s/o Late Shri P. C. Gupta, r/o 21-A, Raja Santosh Road, Alipur, Calcutta-27

(Transferor)

(2 Smt. Swaroop Sood, w/o Sh. Hans Raj Sood, r/o B-82, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

One and half (1½) storeyed building on lease-hold plot No. B-82. Defence Colony, New Delhi, measuring 325 per sq. yds.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 29-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th May 1976

Ref. No. 898A/Acq/Meerut/75-76/461.—Whereas, I. VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mccrut on 8-9-1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Haji Mohd. Ismail S/o Bundu,

Purwa Ilahi Buksh, Mecrut.

2. Rakesh Kumar & Company, Meerut, through Suraj Bhan, Managing Partner, S/o Amba Prasad, Kamla Nagar, Baghpat Road, Mecrut.

(Transferor)

(2) Shri Bipin Kumar Agrawal S/o Lala Parshottam Prasad, Kanoon Goyan, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 10 Biswa, Khasra No. 2035, situated out of Municipal Limit, Mecrut, transferred for an apparent consideration of Rs. 41,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-5-1976

FORM ITNS ----

(1) Shrimati Mira Devi w/o Sri Madan Lal Agrawal of Chauk Bazar, Gaya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. III-160/Acq/76-77/369.—Whereas, J, A. K. SINHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 1520 (New)

situated at Gayawal Bigha, Town Gaya

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaya on 20-9-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) Shri Raj Kumar Singh s/o Late Sheo Kumar Singh of Kila under town Biharsharif Dt. Nalanda & Sri Dayanand Prasad Sinha s/o Sri Harbanshi Lal of Mogal Kuan, Town Beharsharif, Dt. Nalanda, on behalf of M/s Uphar Picture Palace Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share of total area 25,276 sq. ft. or 18.57 Kathas at Gayawal Bigha Town, Gaya, W. No. 9, H. No. 1520 (New) as described in deed No. 19592 dated 20-9-75.

A. K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-5-1976

 Shrimati Sundri Devi w/o Late Din Dayal Agrawal of Chauk Bazar, Gaya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. III-161/Acq./76-77/370.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 1520 (New)

situated at Gayawal Bigha, in Town Gaya,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Gaya on 24-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20-96G1/76

(2) Shri Raj Kumar Singh s/o Late Sheo Kumar Singh of Kila under town Biharsharif Dt. Nalanda & Sri Dayanand Prasad Sinha s/o Sri Harbanshi Lal of Mogal Kuan, Town Beharsharif, Dt. Nalanda, on behalf of M/s Uphar Picture Palace Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share of total area 25,276 sq. ft. or 18.57 Kathas at Gayawal Bigha Town, Gaya, W. No. 9, H. No. 1520 (New) as described in deed No. 20781 dated 24-9-1975.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE III.

ACQUISITION RANGE,

BIHAR

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. III-162/Acq./76-77/371.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 1520 (New)

situated at Gayawal Bigha in Town Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaya on 24-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishna Kumar Agrawal 5/0 Late Din Dayal Agrawal & Sri Arun Kumar Agrawal 5/0 Sri Krishna Kumar Agarwal of Chauk Bazar, Gaya.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Singh s/o Late Sheo Kumar Singh of Kila under town Biharsharif Dt. Nalanda & Sri Dayanand Prasad Sinha s/o Sri Harbanshi Lal of Mogal Kuan, Town Biharsharif, Dt. Nalanda, on behalf of M/s Uphar Picture Palace Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share of total area 25,276 sq. ft. or 18.57 Kathas at Gayawal Bigha Town, Gaya, W. No. 9, H. No. 1520 (New) as described in deed No. 20782 dated 24-9-1975.

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA
BIHAR

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. 111-163/Acq/76-77/372.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 184, W. No. 15

situated at Katra Mandai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Patna City on 10-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the Section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely:—

(1) Shri Janardan Prasad Singh alias Baban Singh s/o Babu Sheonandan Singh, self and Kkhilesh Kumar & Sanjoy Kumar both minor sons of Sri Sheonandan Singh of Katra Mandai, P.S. Sultan Ganj, Patna.

(Transferor)

(2) Bibi Jahida Khatoon w/o Md. Sarfuddin Saheb, Md. Abu Nassar S/o Late Sharafat Hussain Ashfaque Ahmad & Md. Shoaib sons of Md. Sharfuddin of Mandai near Masjid Road dargah Road), P.S. Sultan Ganj, Patna. Masuma dargah Road), P.S. Sultan Ganj, Patna.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land area 4 K. 4 Dhur 61 Dhurki at Katra Mundai, P.S. Sultanganj, Patna, W. No. 15, Cr. No. 52, H. No. 184 etc. as described in deed No. 799 dated 10-9-1975.

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-5-1976

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. III-164/Acq/76-77/373.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 79, Gr. No. 167 and situated at Chouk Patna City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 2-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Ram Babu Kemani
 S/o Sri Munni Lal of Patharighat
 P.S. Alamganj, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Takht Harmandirjec Patna Saheb, Through, Sri Sardar Mouleshwar Prasad Singh (General Secretary), Harimandirgale, Patna City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said,
Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land area 9 K. 18 Dhur 17 Dhurki with partly three Storcyed house thereon at Chouk Patna City, Cr. No. 167, H. No. 79, Plot No. 674 as described in deed No. 686 dated 2-9-1975.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income lax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. III-165/Acq/76-77/374.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey Plot No. 106 situated at

Patna Khagaul Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 29-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sukhari Singh self & Guardian of Surendra Singh (Minor) s/o Late Sanjivan Singh, Shri Yogendra Singh S/o Sri Sukhari Singh, of Village Sahwajpura alias Sahjpura, P.S. Dinapur, Dt. Patna.

(Transferor)

(2) Shrimati Ram Pyari Devi Kedia w/o Sri Ram Narain Kedia, of Nageshwar Colony, Bakerganj, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 31 dec. at Patna-Khagaul Road opposite Phulwarisharif Railway Station, Khata No. 659, Survey Plot No. 106, Thana No. 38, Tauzi No. 5486 as described in deed No. 10066 dated 29-9-1975.

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BIHAR, PATNA

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. III-166/Acq/76-77/375,—Whereas, I, A. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot Nos. 14 to 18

situated at Mirganj

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Begusarai on 11-9-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raghunath Prasad Maskara, S/o Late Banarasi Lal Maskara & Sri Sheodayal Maskara S/o Late Bula Ram Maskara of Miyanchak, P.S./Dt. Begusarai,

(Transferor)

(2) S/Shri Brahmdoo Kunwar & Surya Kunwar sons of Sri Dwarika Kunwar of Bishanpur, P.O./Dt. Begusarai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 15 K. 12 Dhur at Mirganj, P.S. & Dt. Begusarai, W.No. 4, Khata No. 26, 27, 28, 40 Plot Nos. 14 to 18 as described in deed dated 11-9-1975.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-5-1976

1 '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. III-167/Acq/76-77/376.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

H. No. 22, W. No. 3

situated at K. C. Chatterjee Lane, Bhagalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 23-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Bulbul Biswas w/o
Prof. Dipti Kumar Biswas of Masachalk,
P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Uma Kant Yadav, Parmanand Yadav, Kapildeo Yadav, Chitranjan Yadav & Bijoy Kumar Yadav, sons of Sri Ram Swaroop Yadav, of Dilwari, P.O. Khawashpur, Dt. Bhagalpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed building on 3 K. 8 dhur 3 dhurki in K. C. Chatterjee Lane Bhagalpur, H. No. 22, Cr. No. 5, W. No. 3 as described in deed No. 11687 dated 23-9-1975.

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-5-1976

(1) Shri Rama Kant Mazumdar, S/o Sri Borado Kant Mazumdar, At & P.S. Aand, Dist. Katihar.

(2) Shri Arbind Mazumdar, S/o

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Shri Rama Kant Muzumdar, At & P.S. Aund, Dist. Katihar.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. III-168/Acq/76-77/377.—Whereas, I, A. K.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 91/1, Plot No. 92/(P)

situated at Durgapur & Majpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Katihar on 10-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land area 4 K. 10 Dhur at Durgapur-Culipara and Majpur Khata No. 91/1, Plot No. 92/(P) in Katihar as described in deed No. 15604 dated 10-9-1975.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-5-1975

(1) Shri Banshidhar Keshorpuria s/o Sri Mulchand Keshorpuria of Sujaganj, P.S. Kotwali, Bhagalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 7th May 1976

Ref. No. III-169/Acq/76-77/378.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 11, W.No. 4,

situated at Bhagalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 13-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-21-96 GI/76

(2) S/Shri Madan Lal Khetan, Bijay Kumar Khetan. Pawan Kumar Khetan, sons of Sri Charanjibi Lal Khetan of Sujaganj. P.S. Kotwali, Bhagalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person transferred in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building area 3 Kari at Bhagalpur, H. No. 11, W. No. 4, Cr. No. 6 as described in deed dated 13-9-1975.

> A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar

Date: 7-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG., 5TH FLOOR, ROOM NO. 524 NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th May 1976

Ref. No. Acqn.Range-IV/AP.222/76-77.—Whereas, G. A. JAMES, the Inspecting Astt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 41(Pt), Plot No. C-15,

situated at Village Oshivara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 30-9-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :---

(1) 1. Hirji Nanji Kenia,

- lethalal Khimji Makda, Meghji Ladhubhai Visaria,
- Virchand Kuverji Korani, Talakshi Khimji Makda,

Kantilal Ladhubhai Visaria,
 Bhanumati Manilal Dedhia,

 Smt. Sushila Jadhavji Dehia, presentative of the late Shri Legal heir/re-Jadhavji Mulii Dehdia, Partners of M/s. Dalia Industrial Estate, C/o Hasmukhlal Damji & Co.,

226 Narsi Natha Street, Bombay-400009.

(Transferors)

(2) Sakarlal Bulkhidas Shah,

Arvind Sakerlal Shah, Pravin Sakerlal Shah,

 Jayesh Jashwatlal Shah, Partners of M/s. Uniform Alloy Castings, Sonawala Cross Road, Goregaon (East) Bombay-400063.

(3) As in Annexure 'A'; M/s. Dalia Industrial Estate. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 1010 sq. yards equal to 873.54 sq. metres forming part of Survey No. 41(Pt) bearing Plot No. C-15, situate at Village Oshivara, Taluka Andheri, in the Registration Sub-District Bombay Suburban within Greater Bombay.

G. A. JAMES Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquition Range-IV, Bombay

Date: 15-5-1976

(1) Shri L. R. Patkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, SMT. KGDMP. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG. NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th May 1976

Ref. No. ARI/1352-30/Sept.75.-Whereas, I, V. R. AMIN, the Inpecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Municipal Plot 1/A of Bandra TPS.II

situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Ltd. (Transferee)

(2) Bandra Geetanjali Co-operative Housing Society

(3) 1. A. S. Varde 2. Mrs. S. S. Vichare 3. Mrs. R. H. Khanna

4. Mrs. I. P. Deshmukh 5. Mr. R. V. Pitale

6. Mr. B. K. Sachdev 7. Mr. M. Sasson

8. Dr. P. P. Karnik 9. Mr. C. C. Sutaria &

Miss Leena C. Sutaria
10. Mr. B. C. Sutaria &
Mrs. B. B. Sutaria
11. Mr. L. R. Patkar

12. Mr. T. D. Ramchandani 13. Mr. K. U. Ramchandani

14. Mrs. M. Durve 15. Mr. M. R. Rego

Mr. D. G. Kher
 Mr. D. U. Ramchandani

18. Mr. R. Shah

19. Mr. D. U. Ramchandani.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land together with the building standing thereon being lying on the Ghodbunder Road, Bandra bearing Municipal No. 159A, admeasuring about 2528 sq. yds in the Municipal Plot No. 1/A of Bandra Town Planning Scheme No. 2 and bounded as follows:

On the North by property of Dr. Dimonto open plot of land and on the East by public Road known us Ghodbunder Road, on South Property of Shri Pandurang Ramchandra Patkar and common road and on the West by property belonging to the trustee of the late Shri Ramchandra Krishnaji Patkar.

> V. R. AMIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15-5-1976

(1) Shri Mani Lal Mukhopadhyay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 17th May 1976

Ref. No. AC-19/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, A. K. BATABYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 707,

situated at Mouza-Hisafi, P.S. Amdanga, Dist. 24-Pgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat, 24-Pgs. on 19-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the porperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :-

(2) 1. Sri Ramani Bhusan Chakraborty

Sri Tapan Kumar Chakraborty
 Sri Tapas Kumar Chakraborty

Sri Gautam Chakraborty
 Sri Mihir Kumar Chakraborty
 Sri Sandip Kumar Chakraborty.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The and expressions terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parsel of land measuring 20 decimal together with structures (Cinema House) thereon situated on Dag No. 707 of Kh. No. 448 in Mouza-Hisafi, P.S. Amdanga, Dist. 24-Pgs. more particularly as per deed No. 1526 dated 19-9-1975.

> A. K. BATABYAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Calcutta

Date: 17-5-1976

(1) Shri S. C. Sankararameswaran S/o Shri Chinnakannu Great Cotton Road, Tuticorin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/8. Aruna Chemicals & Farms P. Ltd. 36, Mount Road, Madras.

(3) Central Bank of India, Tirunelveli Town.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Madras-6, the 3rd May 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

G. RAMA-Ref. No. 19/2/33/75-76---Whereas, I, NATHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

93 & 93A, situated at East Car St., Tirunelveli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli (Doc. No. 2399/75) on September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

Land & building situated at Door Nos. 93 & 93A East Car Street, Tirunelveli.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd May 1976

Ref. No. 1X/6/29/75.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10, Ramanathan Chettiar Road, Alagappa Nagar, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras (Doc. No. 916/75) on 8-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. J. Sakuntala Bai, W/o late M. Jambulinga Mudaliar, No. 12, Ramaswami Pillai St., Purasawalkam, Madras.

(Transferor)

(2) Mr. P. C. Narayanan Nayar No. 21, Temple St., Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

(3) Shri K. V. Gnanasambandam, Superintendent of Police, Crime Branch, C.I.D., Madras. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 2031 Sft. (with building) situated at No. 10, Ramanathan Chottiar Road, Alagappa Nagar, Madras-10 (R.S. No. 91/74),

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 3-5-1976

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th May 1976

Ref. No. F. No. 1956/75.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot Nos. 5 & 6, situated at Greames Road, Madras-6

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. T. Nagar (Doc. No. 1278/75) on 5-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Mrs. Zubaunnissa Begum, w/o Humayun Mirza, 31/2A, Pantheon Road, Madras-8.
  - 2. M/s Mangala Lakshmi Real Estate, represented by its Managing Partner N. Shanmugham 109, Mount Road, Madras-2.
  - Shri P. N. Shanmugham, Managing Partner of M/s. Mangala Lakshmi Real Estate, 109, Mount Road, Madras-2. (Transferor)

(2) 1. M/s. M. Murugesa Naicker,(2) 1. M/s. M. Murugesa Naicker,

3. M. Anandan,
1, First Link Street, C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4.

4. Shri T. Govindaswamy, 62-B, Mowbrays Road, Madras-18,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Greams Road Madras-6. Pllot Nos. 5 & 6. (4 grounds 120 s. ft. and 3 grounds 1315 s. ft.), (S. No. 43/3 R.S. No. 43/4)

G. RAMANATHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II (I/c), Madras-6

Date: 17-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, **ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-6**

Madras-6, the 17th May 1976

Ref. No. F. 1956/75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing Plot Nos. 11 and 12, situated at Greames Road, Madras-6, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O.T. Nagar, (Dec. No. 1279/75) on 5th September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Sald Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:-

- (1) 1. Mrs. Zeebunnissa Beguni, w/o Humayun Mirza, 31/2A, Pantheon Road, Madras-8.
  - 2. M/S. Mangala Lakshmi Real Estate, represented by its Managing Partner P. N. Shanmugham, 109, Mount Road, Madras-2.
  - 3. Shri P. N. Shanmugham, 109. Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

- (2) 1. M/s. M. Murugesa Naicker,2. M. Thirunavukkarasu,3. M. Anandan,
  - - 1, First Link Street, C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4.
  - 4. Shri T. Govindaswamy,

62-B, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period cf 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Greams Road, Madras-6. (Plot Nos. 11 & 12) (3 grounds 2352 s. ft. and 3 grounds 2038 s. ft.). (S. No. 43/3 R.S. No. 43/4)

> G. RAMANATHAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II (I/c), Madras-6

Date: 17-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-U,
MADRAS-6

Madras-6, the 17th May 1976

Ref. No. F. 1956/75.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8,

situated at Greames Road, Madras-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at

S.R.O. T. Nagar (Doc. No. 1280/75) on 5-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
22—96 GI/76

- Mrs. Zeebunnissa Begum, w/o Humayun Mirza, 31/2A, Pantheon Road, Madras-8.
  - M/s Mangala Lakshmi Real Estate, represented by its Managing Partner P. N. Shanmugham

(Transferor)

- (2) 1. M/s. M. Murugesa Naicker,
  - 2. M. Thirunavukkarasu,
  - M. Anandan,
     First Link Street, C.I.T. Colony,
     Mount Road, Madras-2.
     Mylapore, Madras-2.
  - 4. Shri T. Govindaswamy, 62-B, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 8, Greams Road, Madras-6. (3 grounds and 249 s. ft) (S. No. 43/3 R.S. No. 43/4)

G. RAMANATHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II (I/c), Madras-6.

Date: 17-5-1976

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th May 1976

Ref. No. F. No. 1956/75.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25,000/- and b

Plot No. 3,

situated at Greams Road, Madras-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

S.R.O. T. Nagar (Doc. No. 1281/75) on 5-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act following persons, namely:—

- Mrs. Zeebunnissa Begum, w/o Humayun Mirza, 31/2A, Pantheon Road, Madras-8.
  - M/s. Mangala Lakshmi Real Estates, represented by its partner P. N. Shanmugham, 109, Mount Road, Madras-2.
  - 3. P. N. Shanmugham, 109, Mount Road, Madras-2. (Transferor)
- (2) 1. M/s. M. Murugesa Naicker,
  - 2. Miss Parvathi,
  - 3. M. Thirunavukkarasu
  - M. Anandan,
     First Link Street, C.I.T. Colony,
     Mylapore, Madras-4.
  - 5. Shri T. Govindaswamy,

62-B, Mowbrays Road, Madras-18.

Mrs. G. Subbulashmi Mrs. K. Yogambal

Mrs. S. Dhanalakshmi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3, Greams Road, Madras-6 (5 grounds 1479 s. ft.) (S. No. 43/3 R.S. No. 43/4)

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (I/c) Madras-6

Date: 17-5-1976

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th May 1976

Rcf. No. F. No. 1956/75.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2, situated at Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

S.R.O. T. Nagar (Doc. No. 1282/75) on 5-9-1975, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mrs. Zeebunnissa Begum,
  - M/s Mangala Lakshmi Real Estate, represented by its Managing Partner P. N. Shanmugham and
  - 3. P. N. Shanmugham.

(Transferor)

- (2) 1. Shri M. Murugesa Naicker,
  - 2. " M. Thirunavukkarasu
  - 3. " M. Anandan and
  - 4. ,, T. Govindaswamy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever eriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2, Greams Road, Madras-6 (4 grounds and 940 s. ft.).
(S. No. 43/3 R.S. No. 43/4)

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Π, (I/c) Madras-6

Date: 17-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Mrs. Zeebunnisa Begum,

2. M/s. Mangala Lakshmi Real Estate, represented by its partner P. N. Shanmugham

3. P. N. Shanmugham.

(Transferor)

1. Shri M. Murugesa Naicker
 2. Shri M. Thirunavukkarasu;

Shri M. Anandan and
 Shri T. Govindaswamy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th May 1976

Ref. No. F. 1956/75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, NATHAN.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 7.

situated at Greams Road, Madras-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

S.R.O. T. Nagar (Doc. No. 1283/75) on 5-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 7, Greams Road, Madras-6 (4 grounds and 1898 s. ft). (S. No. 43/3 R.S. No. 43/4)

> G. RAMANATHAN, Competent Authority Inpsecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, (I/c) Madras-6

Date: 17-5-1976

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 17th May 1976

Ref. No. F. 1956/75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9,

situated at Greams Road, Madras-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.O. T. Nagar (Doc. No. 1284/75) on 5-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Mrs. Zccbunnisa Begum,
 M/s. Mangala Lakshmi Real Estate, represented by its Managing Partner
 P. N. Shanmugham and 3. Shri P. N. Shanmugham.

(Transferor)

(2) 1. Shri M. Murugesa Naicker,

M. Thirunavukkarasu
 M. Anandan and

4. T. Govindaswamy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 9, Greams Road, Madras-6. (3 grounds and 125 s. ft.) (S. No. 43/3; R. S. No. 43/4)

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (I/c) Madras-6

Date: 17-5-1976

#### FORM ITNS----

 Shri T. Balakrishna Naidu, No. 6/11, Big Uthandi Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri R. Kannappa Chettiar.
 Smt. K. Rukmini Ammal, No. 52, Nattu Pilliar Koil Street, Madras-1.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 18th May 1976

Ref. No. IX/4/26/Sep/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

140, situated at Govindappa Naicken Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 726/75) on September, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely:—

(3) 1. Moidu,
 4. Balan
 7 Selvaraj.
 2. Krishnakurup,
 3. Parthasarathy,
 4. Ibrahim,
 7 Selvaraj.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2303 S. Ft. at Door No. 140, Govindappa Naicken Street, Madras-1, with building thereon.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 18-5-1976

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. F. 3437/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS No. 128/1, 128/3, 128/4, 129/1, 129/5, 129/6, 129/7, 145 and 135/4 (5.12 acres)

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kumbakonam (Doc. No. 1591/75) n 4-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri G. Dhandayutham, S/o Shri G. Gopal Chettiar, 12, Sir Desikachary Street, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Munirojan, M/s. Lakshmi Traders. West 3rd Street, Pudukottai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 5.12 acres (with building and machineries) and bearing R.S. No. 128/1, 128/3, 128/4, 129/1, 129/5, 129/6, 129/7, 145 and 135/4A Pazhavathakattalai village, Kumbakonam. (Doc. No. 1591/75)

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rane-II, Madras-6

Date: 10-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shri S. Vaitheeswaran, S/o D. S. Mani Iyer Collector Bungalow Road, Trichy.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. F. No. 3434/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Panchayat Door No. 3-170, Kaja Nagar, K. Abhsheka-

puram Village, Trichy.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I, Trchy (Doc. No. 5482/75) on September 1975,

for an apparent consideraion which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the Said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) Shri R. Sankaranarayanan, S/o Shri Ramaswami Reddiar, Khaja Nagar, Collector Bungalow Road, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Panchayat Door No. 3—170 Khaja Nagar, Abhishekapuram Village, Trichy. (Doc. No. 5482/75).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Date: 10-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

S/o Shri Letchumanan Chettiar,
No. 2 Abhiramapuram First Street
Madras-18.

(2) Shri M. N. Venkatachalam,

(Transferor)

 Shri M. N. Venkatachalam, S/o Shri Nagappa Chettiar, No. 45, T. H. Road, Madras-21.

(1) Shri L. Arunachalam,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. F. 1931/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at Abhiramapuram First Street, Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO Madras (Doc. No. 7051/75) on 3-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

23-96GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 grounds (with building) and bearing Door No. 2, Abhiramapuram First Street, Madras-18 (R.S. No. 3637/4).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 10-5-1975

#### FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6,

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. F. 2680/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site No. 38 situated at Sidha Naidu Lay out, Mettupalayam Road. Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR III Coimbatore (Doc. No. 3213/75) on September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 G. Prasanna Raghavan, No. 30 Kannuswami Road, R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri C. Kider Mohamed, No. 7 Lokamanya Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

In Coimbatore Town, Mettupalayam Road, Sidha Naidu Lay out Site No. 38—In this site No. 38—Western half in extent of 5 cents and 3851 Sft. and terraced building Door No. 15/4 T.S. No. 8/575/1 New T.S. No. 8/1654.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6

Date: 10-5-1975

(1) Smt. Muthukrishnammal, 30, Kannuswami Road, R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri C. Mohamed Ismail, No. 7 Lokamanya Street, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. F. 2680/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 38, situated at Siddha Naidu Lay out, Mettupalayam

Road, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR III Coimbatore (Doc. No. 3214/75) on September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

In Coimbatore Town, Mettupalayam Road, Sidha Naidu Lay out, Site No. 38—In this site No. 38 Eastern half in extent of 5 cents and 3851 sft. and terraced building Door No. 15/4; T.S. No. 8/575/1 New T.S. No. 8/1654.

> G. V. JHABAKH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-5-1975

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref No. F. 2680/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 39. situated at Sidha Naidu Lay out, Mettupalayam Road, Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 3215/75) on September 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 G. Prasanna Raghavan, No. 30 Kannusami Road, R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

 Shri C. Kidermohamed and Shri C. Mohamed Ismail, No. 9. Lokmanya Street, R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

In coimbatore Town, Mettupalayam Road, Sidha Naidu Lay out Site No. 39—the land in extent of 11 cents and 335 Sft, T.S. No. 8/575/1 New T.S. No. 8/1654.

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-5-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri N. K. Chockalingam. 62, 63, 64 Avanashi Road, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) Shri V. Vasudevan and Sathya Devi, No. 54 Krishnaswami Nagar, Ramanathapuram. Coimbatore-18.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

cRf. No. F. No. 2686/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000 and bearing

8/64, situated at Avanashi Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

JSR III Coimbatore (Doc. No. 3465/75)

on September 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transf with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 18.94 cents (with building) situated at Door No. 8/64 Avanashi Road, Coimbatore T.S. No. 1/1403).

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-5-76

(1) Shri C. R. Lakshmanan, S/o Shri C. B. Raghavulu Chettiar, 32/87 Sallivan St., Coimbatore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. N. Balaji Kadirvel Rajasekaran (Minor), Represented by mother and guardian, Smt. Annapporni Ammal, Srinivasapuram, Pooluvapatti Village, Coimbatore Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. F.2689/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

13/10, situated at Decwan Bhahadur Road, R.S. Puram Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 3542/75) on 26-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such of apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 4651½ Sft. (with building measuring 2739½ Sft.) and bearing Door No. 13/10 Part, Deewan Bhahadur Road, R.S. Puram, Coimbatore (Now T.S. No. 8/566).

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. F. No. 2689/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10 D.B. Road, situated at R. S. Puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR II Coimbtore (Doc. No. 3543/75)

on 26-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri C. R. Lakshmanan, S/o Shri C. B. Raghayulu Chettiar, 32/87 Sallivan St., Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) Shri S. N. Sankameswara Ramasami (Minor) represented by mother & guardian Smt. S. N. Annapoorni Ammal, W/o S. R. Nataraja Gounder, Sreenivasapuram, Pooluvapatti Village, Coimbatore 'Faluk'

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 8.64 cents (with building measuring 23893 Sft.) and bearing Door No. 13/10 Deewan Bhahadur Road, R. S. Puram, Coimbatore.

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-5-76

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. F. No. 2700/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 15, situated at Site No. 85, S.R.P. Colony,

Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 2528/75)

on September 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitate the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of nay income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri N. R. Doraiswami, No. 33A, Rade Course, Coimbatore-

(Transferor)

(2) Smt. Jaganthi Kalingarayar, W/o Shri A. M. R. Mohanraj Kalingarayar, Uthukuli House, Race Course, Coimbatore-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 7.45 cents (with ground floor building) and bearing Door No. 15, Site No. 85, S.R.P. Colony, Coimbatore (Document No. 2528/75).

> G. V. JHABAKH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 10-5-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. F. 2700/75-76, Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 15, situated at Site No. 85, S.R.P. Colony,

Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc No. 2529/75)

on September 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :--

24-96GI/76

(1) Shri N. R. Doraiswami, No. 33A Race Course, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Neclam Nanda, W/o Shri R. K. Nanda, 85, Annamalai Chetty Road, S.R.P. Nagar, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2.73 cents (with First Floor and garage) and bearing Door No. 15, Site No. 85, S.R.P. Colony Coimbatore.

> G. B. JHABAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-5-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Rcf. No. 2704/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 108, situated at Uppilipalayam—1.69½ Acres (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Regis-

tering Officer at

Singanallur (Doc. No. 1211/75)

on 26-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shri Ramasami Naidu, S/o Shri Narasimha Naidu, Uppilipalayam.

(Transferor)

(2) Smt. Rajammal, W/o Smt. Mounasami, Uppilipalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1.69½ acres bearing S. No. 108 situated at Uppilipalayam, Coimbatore Taluk.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 10-5-76

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. 2718/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 63/3, situated at Surampatti Village (1.78 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at-JSR 1 Erode (Doc. No. 3594/75) on 4-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian In ome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate poceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

 Mrs. S. Dhanabagyam W/o Shri Subramaniam No. 43 Ahilmedu Street, Erode.

(Transferor)

 M/s. A. Balasubramania Mudaliar & Sons, Oil Merchants, Park Road, Erode,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1.78 acres and bearing S. No. 63/3 Surampatti Village, Erode Taluk (Doc. No. 3594/75).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-5-76

Scal:

1 1

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### GOVERNMENT OF INDE

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. 2718/75-76.—Whereas, 1, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 63/3, situated at Surampatti Village, Erode (1.78 acres)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

JSR I Erode (Doc. No. 3595/75) on 4-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. P. Chinnammal, W/o Shri Palanisami,
 Ahllmedu Street, Erode.

(Transferor)

 M/s. A. Balasubramania Mudaliar & Sons, Oil Merchants. Park Road, Erode.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1.78 acres and bearing S. No. 63/3 situated at Soorampatti village, Erode Taluk (Doc. No. 3595/75).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 10-5-76

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. 5006/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 2, situated at Doctor Rangachari Road, Mylapore, Madras-4,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I, Madras (Doc. No. 8359/75) on 16-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. K. Saradambal, Shri S. K. Ramkumar, Shri S. R. Venkataraman, Shri S. K. Ramakrishnan & another. No. 2 Dr. Rangachari Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Smt. P. Kamakshi, No. 2 First Street, Lakshmipuram, Madras-14.

(Transferce)

(3) Shri K. Santhanam & Shri Sampathy.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 2, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-4.

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-5-76

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref. No. 5060/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2/7, 2A/7 and 1/7, situated at Millers Road, Puraswakkam, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 7113/75) on 27-9-1975 for an a apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri M. Manicka Mudaliar, 2. Smt. Dhanalakshmi Ammal, 3. Shri M. Mani and

3. Shri M. Mani and 4. Shri M. Anbazhagan, No. 56A, Shenoy Nagar, Madras-30

(Transferor)

 Shri K. M. Mohamed Ibrahim, No. 40, V V. Koil Street, Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site measuring 3 grounds and 1008 Sft. and bearing Door Nos. 2/7; 2A/7 and 1/7, Millers Road, Purasawakkam, Madras.

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-5-76

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th May 1976

Ref No. F.5062/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2/7, 2A/7 and 1/7, situated at Millers Road, Purasawakkam, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras (Doc. No. 7113/75) on 27-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Sint. Dhanalakshmi Ammal, 2. Shri M. Manicka Mudaliar, 3. Shri M. Mani and 4. Shri M. Anbazhagan, No. 56A, Shenov Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Shri K. M. Mohamed Ali, S/o late Shri K. M. Muhamad Abdul Khader, 40A, V. V. Koil Street, Periamet, Madras-3.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 grounds and 1885 Sft. bearing Door No. 2/7, 2A/7 and 1/7 Millers Road, Purasawakkam,

> G. V. JHABAKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-5-76

(1) Parvathi, 1. First Link Street, C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) P. T. Sampathkumar, 33, Krishnan Koil Street, Madras-1,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. F. No. 1903.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/3rd undivided share in Plot No. 13/F, situated at Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO, T. Nagar, Madras (Doc 1148/75) on 5-9-1975, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Plot No. 13/F Greams Road, Madras-6 (1 ground and 488 s.ft.)

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. F. No. 5061.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant lands 34/1-A-2, situated at Thiruvottiyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR, Madras-1 (Doc. No. 6545/75) in September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
25—96GI/76

 Smt. Vasantha Natarajan, W/o T. K. Natarajan, 57. Kutchery Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Asian Cold Storage & Ice Factory, Ennore High Road, Madras-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land S. No. 34/1-A-2 Extent 2400 s.ft. No. 27, Thiruvottiyur Village

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref F. No. 1937—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Greames Lane Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR, Madras (North) (Doc. 6974/75) in September 1975, for an apparent consideration,

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons,

(1) Sri Ramadoss Purushothamdoss, 8, Nowroji Road. Madras-31.

(Transferor)

(2) Southern Explosives Company, 38/3, Mount Road, Madras-6,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow and Ground O.S. No. 332, R.S. No. 39, Extent 10 grounds and 1520 sq. ft. No. 22, Greames Lane, Madras-

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri S. G. Deewakara Menon, New Delhi,

(Transferor)

 Ramanathapuram Ananthakrishna Hariharan, 34/8 Lake View Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. 2701/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/28, situated at Krishnaswami Lay out, Saibaba Colony, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 2575/75) on 29-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building situated at No. 12/28 Krishnaswami Layout, Saibaba Colony, Coimbatore T.S. No. 12/27 (Doc. No. 2575/75).

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

.

 Shri G. Gopal Chettiar, S/o Shri Gurusami Chettiar, No. 12 Desikachari Road, Mylapore, Madras.

(Transferor)

(2) Shri Venkitusubba Chettiar, S/o Shri Krishna Chettiar, West III Street. Pudukottai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref No. F. 3440/75-76.—Whereas, I. G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 138-12, 138-13, 138-14, 138-16B, 138-17, 38-4, 137-2, situated at No. 146 Marunkur Village Nannilam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagore (Doc. No. 933/75) on 10-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1.62 acres bearing R.S. No. 138-12, 138-13, 138-14, 138-16B, 138-17, 138-4 and 137-2. No 146 Marungur Village, Nannilam Taluk (Land, Building and Machinery), (Doc. No. 933/75).

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No 2677/75-76.—Whereas I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New T.S. No 3/1865 situated at Hafizpet Road Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Coimbatore (Doc. No. 3552/75) on 29-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Sald Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealthtax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

S/Shri

- (1) Mrs. Komalavalli Thayarammal,
  - C. R. Vasantharaghava Mudaliar,
  - C. R. Shanmugha Sundaram,
  - C, R. Vijarathinam and
  - C. R. Gurugesan.

No. 332 Avanashi Road, Coimbatore.

(Transferor)

Mrs. Noorjahan Bibi,
 33/86 Nadar Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3512 Sft. and bearing old T.S. No. 3/98, New T.S. No. 3/1865 Part, Hafizpet Road, Coimbatore. (Doc. No. 3552/75).

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Madra5-6.

Date: 14-5-1976

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

#### MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. 2677/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

New T.S. No. 3/1865 situated at Hafizpet Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Coimbatore (Doc. No. 3553/75) on 29-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) Mrs. Komalavalli Thayarammal,
  - C R. Vasantharaghava Mudaliar,
  - C. R. Shanmugha Sundaram,
  - C. R. Vijayarathinam and
  - C. R. MURUGESAN

(Transferor)

(2) Shri M. N. Haneefa 21/15 Hafizpet Road Coimbatore, (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 3392 Sft. and bearing old T.S. No. 3/98, New TS. No. 3/1865 Part, Haftzpet Road, Coimbatore, (Doc No. 3553/75).

G. V. JHABAKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madra<sup>3</sup>-6.

Date: 14-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.

#### MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. F. No. 1924.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd undivided share in Plot No. 13/B, situated at Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, T. Nagar, Madras (Doc 1220)/75) on 5-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

S/Shri

M. Murugesa Naicker,
 M. Thirunavukkarasu, and
 M. Anandan,
 No. 1, First Link Street C.I.T. Colony,
 Mylapore, Madras-4 and
 T. Govindaswamy,
 62/B, Mowbrays Road,
 Madras-18.

(Transferor)

S/Shri

(2) P. N. Shanmugam and
P. A. Mangalam.
33, Krishnan Koil Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said moneys or other assets which have not been or date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Plot No. 13/B, Greams Road, Madras. (2 grounds 30 s.ft.)

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.

MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. F. No. 1903.—Whereas, I. G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd undivided share in Plot 13/F.

situated at Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO, T. Nagar, Madras (Doc 1149/75) on 5-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Parvathi, 1, First Link Street, C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri P. R. Vijayakumar, 33, Krishnan Koil Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days the from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Plot No. 13F (1 ground 488 sq. ft.) Greams Road, Madras-6.

> G. V. JHABAKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

#### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. 1904.—Whereas I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/3rd undivided share in Plot No. 13/B,

situated at Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO, T. Nagar, Madras (Doc 1154/75) on 5-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

26--96GI/76

 M. Murguesa Naicker and 3 others.
 First Link Street C.I.T. Colony, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri P. T. Ramani and P. C. Shanthi, 33, Krishnan Koil Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Plot No. 13B 2 grounds and 30 S.ft. and 1/2 undivided interest in the 26 ft. passage to the extent of 850 s. ft. Greams Road, Madras-6.

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

(1) M. Murugesa Naicker and 3 others, 1, First Link Street, C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. N. Shanmugam and P. A. Mangalam, 33, Krishnan Koil Street, Madras-1. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-6

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Madras-6, the 14th May 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. 1904.—Whereas I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

1/3rd undivided share in Plot No. 13/B,

situated at Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO, T. Nagar, Madras (Doc. 115/75) on 5-9-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in plot No. 13B 2 grounds and 30 sq. ft. and 1/2 undivided interest in the 26 ft. passage to the extent or 850 sq. ft. Greams Road, Madras-6.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. V. JHABAKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. F. 1900.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 1/3rd undivided share in Plot No. 13/C. situated at Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SRO, T. Nagar, Madras (Doc. 1147/75) on 5-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M. Murugesa Naicker
 No. 1, First Link Street, C.I.T. Colony, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri P. N. Chandran, 33, Krishnan Koil Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Plot No. 13C, Greams Road, Madras-6 (2327 sq. ft.)

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACOUISITION RANGE-II.

#### MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. F. 1900.-Whereas I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing No. 1/3rd undivided share in Plot No 13/C, situated at Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, T. Nagar, Madras (Doc. 1146/75) on 5-9-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'sald Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) M. Murugesa Naicker 1, First Link Stroct, C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) P. S. Rajalakshmi, 33, Krishnan Koil Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Plot No. 13C Greams Road, Madras-6, Extent 2327 sq. ft.)

G. V. JHABAKH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

M. Murugesa Naicker,
 First Link Street, C.I.T. Colony,
 Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. N. Palani, 33, Krishnan Koil Street, Madras-1.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th May 1976

Ref. No. F. No. 1900.-Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd undivided share in Plot No. 13/C situated at Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Madras, (Doc. 1145/75) on 5-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Plot No. 13/C (extent 2327 s.ft.) Greams Road. Madras-6.

G. V. JHABAKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-5-1976

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1976

Ref. No. RAC No. 75/76-77.—Whereas, I, S. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Lands S. No. 1946 situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 4-9-1975

for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Tikkavarapu Pattabhi Ramireddy, S/o Ramireddy, 2. Tikkavarapu Konarak Manoharareddy, S/o Pathabhireddy, both R/o No. 58(20-B), Saint Marks Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shri Yaramaneni Naga Sanjeevaprasad, S/o Koteswara Rao, Managing Director East India Tobacco Comp. P. Ltd. Mangalagiri Road, Guntur.

(Transferec)

Abjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Dry land admeasuring 7.99 Acrs. at situated in Patta No. 130 Survey No. 1946 in Nellore Bit-I, Panchayath Area,

S. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 5-5-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1976

Ref. No. RAC No. 76/76-77.—Whereas, I, S. V. SUBBARAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 9-2-104/105 situated at Mustadpura, Nizamabad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nizamabad on 23-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Mrs. Akhtary Hamid, 2. Dr. Javeed Akhtar, 3. Dr. Shaheen Akhtar Alias Dr. Shaheen Humayum 4. Dr. Naveed Akhtar, 5. Rasheed Akhtar, 6. Junaid Akhtar, 7. Moyeed Akhtar, 8. Paraveen Akhtar, all residing at Aghapura, Hyderabud.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Rabia Bai, W/o Haji Idris, 2. Mrs. Fatima Bai W/o Haji Haroon, both residing at Mustaidpura, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: House Building M. No. 9-2-104/105 at Mustaidpura, Nizamabad-A.P.

S. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 5-5-1976

#### FORM I.T.N.S.-

(1) 1. Shri Rachamalla Eshwaraiah, S/o Chandraiah, 2. Rachamalla Vishwanatham, S/o Kistaiah, both residing at Gangapur Vilage, Mahaboobnagar, Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gundabathula Gangarathnam, W/o Sri G V. Narsimha Rao, R/o Mahaboobnagar. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 5th May 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 75/76-77.—Whereas, I, S. V. SUBBA-RAO,

cation of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Explanation: -The terms and expr

exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 3-8-51, 3-7-105 situated at Rammandir at Mahaboob-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

nagar,
(and more fully described

THE SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than

at Mahaboobnagar, on 24-9-75

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

Property: Bearing Nos. 3-8-51 and 3-7-105 Double storled building at Ravindranagar Mahaboobnagar,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

S. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Dated: 5-5-1976

Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYERABAD.

Hyderabad, the 14th May 1976

Ref. No. RAC. No. 81/76-77.—Whereas, I, S. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-855/1 situated at Barkatpura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Hyderabad on Sept. 75,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

27-96 GI/76

(1) 1. Smt. Ameerunnisa Begum, 2. Ashrafunnisa, Faizunnisa, 4. Zeenathunnissa, 5. Asmathunnisa, 6. Zaheeruddin, 7. Azharuddin, 8. Nizamuddin, 9. Habeebunnisa, All minor under the guardianship of their real mother and natural guardian Smt. Ameerunnisa Begum Vendor No. 1, residing at H. No. 3-4 2555 Let Barketsura. Hudaruhad 4-855/1 at Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

4869

(2) 1. Shrimati Maramraju Badhamma, W/o Sri M. Gopal-Kishen Rao, 2. Sri Maramraju Raghvir Rao, S/o Gopal Rao, both residing at Polkampally, Village, Ibrahim-Tq, Hyderabad, Distt,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: M. No. 3-4-855/1 at Barakatpura, Hyderabad with compound wall, Area: 872 Sq. Yds.

> S. V. SUBBARAO. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Dated 14-5-1976

Seal;

 1. Sri Omer Khaliq, S/o Khaliq, 2. Sri Irhasad Khaliq S/o Khaliq Sharerf, both residing at 22-2-47 at Darul Harmath, Dabeerpura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 14th May 1976

Ref. No. RAC No. 79/76-77.—Whereas, I, S. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-317/15 situated at Vijayanagar Colony Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(2) J. Shri B. Ramachandraiah, S/o Ramana, 2. Sri B. Ramesh, S/o B. Ramachandraiah, both residing at 10-2-317/15 at Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Ground floor of the House No. 10-2-317/15 with open land at Vijayanagar Colony, Hyderabad Known as "LOVE DALE".

S. V. SUBBARAO,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Dated 14-5-1976 Seal:

#### FORM ITNS----

(1) Sri Mohd Abdul Hussain CARIM S/o Abdul Hussain, H. No. 5-9-165 at Chapal Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Qamer Jehan Begum, W/o Khan Arif Khan, H. No. 5-9-161 at Chapal Road, Hyderabad. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-ACQUISITION RANGE, HYERABAD.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Hyderabad, the 14th May 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 80/76-77.—Whereas, I, S. V. SUBBARAO,

date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-164 situated at Chapal Road, Hyderabad,

No. 5-9-164 situated at Chapal Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 20-9-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Property: House No. 5-9-164 and open land with compound

wall measuring 443 Sq. Yards, situated at Chapal Road,

,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated 14-5-1976

Seal:

Hyderabad.

Hyderabad.

FORM ITNS----

(1) Shri V. Madhusudan Reddy, S/o V. Narsimhanreddy, R/o Adikmet, Hyderabad.

(2) Shri M. Sudhakar Reddy, S/o Sathayanarayanrcddy, H. No. 1-1-192/A Post office lane, Chikkadpally,

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 64/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 2-2-4/1 situated at Adikmet, Hyderabad,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 18-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property .: M. No. 2-2-4/1 at Adikmet, University Road, Hyderabad-7.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-4-1976

(1) Shrimati Shoba Bai, W/o Giri Raj Charan, H. No. 21-2-547 at Urdu Shareef, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Dadan Bai, W/o Satram Das, R/o Pulkhan Satia's Building, General Bazar, Secunderabad. (Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-**HYDERABAD** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

Hyderabad, the 24th April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 65/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1st floor Shop R-10 situated at 4-1-938-R/10, Tilak Road, (and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-9-75.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

Property: 1st Floor Shop No. R-10 in H. No. 4-1-938-R10 at Tilak Road, Hyderabad. Purchased through Doc. No. 3823/75.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely : ---

Date: 24-4-1976

FORM ITNS ----

(1) Smt. Rukmini Bai, W/o Mahabeer Pershad, H. No. 21-2-547 at Urdu Sharif, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Mira Bai, W/o Ramchand R/o Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
HYDERABAD,

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 66/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I-Floor Shop R-9 situated at in 4-1-938 R/9 Tilak Road, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: 1st floor Shop No. R-9 in H. No. 4-1-938/R-9 Tilak Road, Hyderabad. Purchased through Doc. No. 3825/75.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-4-1976

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

#### HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 67/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2nd floor Shop No. R-7 situated at 4-1-938/R-7, Tilak Road, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Shoba Bai, W/o Hariram, H. No. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri V. Sundararami Reddy, and Smt. P. Easwaralaxmi, C/o Sri Devi Hotel, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

4. The Andhra Bank Ltd. Sultan Bazar, Hyderabad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: 2nd floor shop No. R-7 in H. No. 4-1-938 R-7 at Tilak Road, Hyderabad. Purchased through Doc. No. 3722/75.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-4-1976

Scal:

#### FORM ITNS ----

(1) Shrimati Basanthy Bai, W/o Kedarnath, H. No. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 68/76-77.—Whereas ,I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2nd floor Shop No. R-8 situated at In 4-1-938-R8 Tilak Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (2) Shri V. Sundararami Reddy, and Smt. P. Easwara Lami, C/o Sri Devi Hotel Tilak Road, Hyderabad. (Transferee)
- The Andhra Bank Ltd, Sultan Bazar Hyderabad.
   (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: 2nd floor shop. No. R-8 in H. No. 4-1-938/R-8 at Tilak Road, Hyderabad purchased through Doc. No. 3721/75.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-4-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC.No. 69/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2nd floor Shop No. R-6 in 4-1-938/R-6 situated at Tilak Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexe hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

28-96GI/76

 Shri Raj Kumar, H. No. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hvderabad.

(Transferor)

- (2) Shri V. Sundarami Reddy, and Smt. P. Easwara Laxmi, C/o Shri Devi Hotel, Tilak Road, Hyderabad. (Transferee)
- (4) The Andhra Bank Ltd. Sultan Bazar, Hyderabad.

  [Person whom the undersigned to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 2nd flood Shop No. 6 in Bishenlal Ahuja Market, bearing No. 4-1-938 R/6 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAM AN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 24-4-1976,

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC No. 70/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2nd floor Shop No. P-9 in 4-1-938-R/9 situated at Tilak Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad on 1-9-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Bukimini Bai, W/o Mahabeer Pershad, H. No. 21-2-547 Urdu Shareef, Hyderabad.

  (Transferor)
  - (2) Shri V. Sundararami Reddy, and Smt. P. Easwara Laxami, C/o Sri Devi Hotel, Tilak Road, Hyderabad. (Transferee)
  - (4) The Andhra Bank Ltd. Sultan Bazar, Hyderabad.

    [Person whom the undersigned to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property 2nd floor shop, No. R-9 in H. No. 4-1-938 R-9 Tilak Road, Hyderabad purchased through Doc. No. 3723/75.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 24-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC No. 71/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2nd floor Shop No. R-10 4-1-938 R/10 situated at Tilak Road, Hyderabad,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 1-9-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shoba Bai, W/o Giri Raj Charan, H. No. 21-2-547 Urdu Shareef, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shri V. Sundara Rami Reddy, and Smt. P. Easwaralaxmi, C/o Sri Devi Hotel, Tilak Road, Hyderabad. (Transferee)
- (3) The Andhra Bank Ltd. Sultan Bazar, Hyderabad.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 2nd floor shop No. R-10 in H. No. 4-1-938 R/10 Tilak Road, Hyderabad purchased through Doc. No. 3720/75.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Dated: 24-4-1976.

(1) Shri Raj Kumar S/o Kedarnath, H. No. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gopichand S/o Mohandas, R/o Pulkam Sathiah's Building, General Bazar, Scunderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Hyderabad, the 24th April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 72/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1st floor Shop. No. 6-R 4-1-938-R-6 sinated at Tilak Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Hyderabad on 1-9-75,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

# THE SCHEDULE '

Property I-floor Shop No. R-6 in H. No. 4-1-938-R 6 at Tilak Road, Hyderabad Purchased through Doc. No. 3827/75.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 24-4-1976.

(1) Shrimati Shoba Bai, W/o Sri Hariram H. No. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(2) Shri Mohandas S/o Shamandas, R/o Pulkam Sathia's

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC No. 73/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1st floor Shop No. R-7 situated at 4-1-938-R/7 Tilak Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-9-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property

Building General Bazar, Secunderabad.

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property: 1st Floor Shop No. R-7 in H. No. 4-1-938/R-7 at Tilak Road, Hyderabad purchased through Doc. No. 3824/75.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 24-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC No. 74/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6-2-30 situated at Lukdi-ka-pul, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Mrs. Tahzeebunnisa Begum, and 2. Sri Asaf Ali Baig, both residing at H. No. 6-2-30/1 at Lakdikapul, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Dawalat Khattoon D/o Abdullah Khan Saheb, R/o Salim Mansion, Salfabad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Property Plot Of land which is a portion of the House No. 6-2-30 at Lakdikapul, Hyderabad. Admeasuring 900 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 24-4-1976.

 Laxmi Corporation, 23, Laxminagar, Co-op. Housing Society, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, dated 1st April 1976

No. Acq. 23-I-782(308)/1-1/75-76.—Whereas, I J. KATHURIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Survey No. 36-1/Part & 42-2/Part situated at Thaltej Village, Taluka Daskroi, Distt. Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(Transferee)

Ahmedabad.

(2) Khakharia Co-op. Housing Society Ltd., Taltej,

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 12213 sq. yards bearing Survey No. 36-1/Part & 42-2/Part, and situated at Thaltej village, behind Drive-in-Cinema, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 1-4-1976

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st April 1976

No. Acq. 23-I-783 (309) /1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 79/2, T.P.S. No. 8 Final Plot No. 217 situated at Near Civil Hospital, Asarwa, Ahmedabad Sub-Plot No. 2, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 2-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Sald Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Sald Act, to the following persons namely:—

 Shri Purshotamdas Balabhai, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Bhupendrakumar Trikamlal Shah, Ahmedabad.
- (2) Himgiri Co-op. Housing Society Ltd., through its promoters:

(Transferee)

- Shri Bhikhabhai Kachrabhai Patel, Parvathinagar Society, Asarwa Holi Chakla, Ahmedabad.
- (ii) Shri Gandabhai Keshavlal Patel, New Parmeshwar Society, Behind Civil Hospital, Asarwa, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanations:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 79/2, Final Plot No. 217, Sub-Plot No. 2 of T.P.S. 8 admeasuring 2525 sq. yards situated at Asarwa, near Civil Hospital, Ahmodabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated 1-4-1976 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, dated 23rd April 1976

No. Acq. 23-I-821(321)/5-1/75-76.---Whereas, J. J. KATHURIA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 151, 152, & 479 situated at Mahuva, Distt: Bhaynagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub Registrar's Office Bombay on 3-9-1975 at Mahuva on 15-9-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesald property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obiect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :-

29-96GI/76

(1) Smt. Brijnanadini deviba, Nilam Baug Palace, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ramniklal Maneklal Mehta, Residing at and (2) Sanjaykumar Harkishandas Mehta) Bombay. For and on behalf of firm M/s. Mehta Farms-

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 29 Acres 01 Gunthas, bearing Survey No. 151, 152, & 479, and situated at Mahuva Distt: Bhavnagar.

> J. KATHURIA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 23-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, dated 23rd April 1976

No. Acq. 23-I-990(346)/1-1/75-76.—Whereas, J, J. KATHURIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Survey Nos: 406-1-3,383 & 407 F.P. No. 48 Part & 65 Part & 52 of TPS 12 situated at Asarwa, Naroda Road, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-9-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anil Narottambhai Hathisingh, Shahibaug, Ahmedabad.
- (2) Shri Dilip Narottambhai Hathisingh, Shahibaue, Ahmedabad,

(Transferor)

 Shri H. L. Parikh (Chairman) for & on behalf of Anar Co-op. Industrial Estate Ltd., Ahmedabad.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 8038 sq. yards bearing Survey No. 406-1-3, 383 & 407, Final Nos. 48 Part, 65 Part & 52, T.P.S. No. 12, situated at Asarwa Naroda Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 23-4-1976

Senl;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1976

No. Acq. 23-I-991(347)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATURIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 407 Part, F.P. No. 48 TPS No. 12 situated at Asarwa, Naroda Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Anil Narottambhai Hathisingh, Shahibaug, Ahmodabad.
  - (2) Shri Dilip Narottambhai Hathi Singh, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Maoubhai Harilal Shah (Chairman) for & on bhalf if Anand Co-op. Industrial Estate Ltd., Ahmedabad.

(Transferce)

(4) (1) ASHNI Construction Co through its partner: Himatlal Kalidas Shah, Ahmedabad. (2) Anil Narottambhai Hathisingh for self and as Guardian of Minor Samir Anil Hathisingh.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 407 Part, Final Plot No. 48 Part, T.P.S. No. 12, admeasuring 3128 sq. yards and situated at Asarwa ,Naroda Road, Ahmedaoad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Dated: 23-4-1976

LORM LENS ----

 Shri Laljibhai Bhagwanlal Kharawala, Ellís Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Anurag Co-op. Housing Society Ltd., through: Shri Chinubhai Maganlal Shah, Uttar Gujarat Patidar Society, Jahangir Road, Ahmedabad, Jahangir Pura, Road, Ahmedabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1976

No. Acq. 23-1-791(350)/1-1/75-76.—Whereas, I. J. KATURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 473/1, 471/4, 471/5 and 476 of TPS No. 3 situated at Mithak ali, Ahmedabad,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 10-9-1975.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2878 sq. yards bearing Final Plot No. 473/1, 471/4, 471/5 & 476 of TPS No. 3 and situated at Mithakali, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 23-4-1976

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 23rd May 1976

No. Acq. 23-1-687(366)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7608/D, situated at Dr. Radhakrishna Road. Near Moti Tanki. Rajkot,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot on 6-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s Ratilal Premchand Shah & Sons. firm, through partner—
Shri Bhupatrai Ratilal Shah & Others, 17, Panchnath Plot, Rajkot.

\_\_\_\_\_

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Vithaldas Bakshi, Raj 'Theatre's street, 'Kamal', Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An immovable property bearing No. 7608/D, standing on land admeasuring 160-1-40 sq. yards and situated at Dr. Radhakrishna Road, near Moti Tanki.

J. KATHURIA, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 23-5-76,

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th May 1976

No. Acq. 23-I-1014(367)/16-6/75-76.--Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Lekh No. 97 of 18-9-1913 situated at Dhebar Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on 1-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- S/Shri (1) Hemendrakumar Keshavlalbhai Mehta,
   Bharatkumar Keshavlalbhai Mehta,
   Jambukumar Keshavlalbhai Mehta,
- (4) Vinodkumar Keshavlalbhai Mehta, Sheet No. 23, Karanpara Main Road, Mehta Eye Hospital Rajkot.

(Transferor)

(2) (1) Shri Bharatkumar Keshavlalbhai Jiyrajani, (2) Smt. Saraswatiben Keshavlalbhai Jivrajani, Sheet No. 6, Jayraj Plot, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are definned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 200 sq. yards and bearing lekh No. 97 of 18-9-1913, and situated at Dhebar Road, Rajkot & fully described in sale deed registered vide No. 3062 dated 1-9-1975 by Sub-Registrar, Rajkot.

> J. KATHURLA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 11-5-76

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 11th May 1976

No. Acq. 23-I-1015(368)/16-6/75-76.—Whereas, I. J. KATHURIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Lekh No. 97 of 18-9-1913 situated at Dhebar Road, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

S/Shri

- (1) (1) Hemendrakumar Keshavlalbhai Mehta,
  - (2) Bharatkumar Keshavlalbhai Mehta,
  - (3) Jambukumar Keshavlalbhai Mehta.
  - (4) Vinodkumar Keshavlalbhai Mehta, Sheet No. 23, Karanpara Main Road, Mehta Eye Hospital, Rajkot.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Maganlal Premjibhai Vyas,
  - (2) Smt. Ramkunwarben Maganlal, Para Bazar, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 200 sq. yards bearing lekh No. 97 of 18-9-1913 & situated at Dhebar Road, Rajkot & fully described in sale deed registered vide No. 3063 dated 1-9-1975 by the Sub-Registrar, Rajkot.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 11-5-76.

[PART III-SEC. 1

#### FORM ITNS-

M/s. Worah Construction Co.,
 Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, dated 11th May 1976

No. Acq. 23-I-1016(369)/16-6/75-76,—Whereas, I. J. KATHURIA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15, Jagnath Plot, situated at Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot on 15-9-1975.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Dalsukh Manekchand Sheth, Advocate, Dhebar Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 152-8-96 sq. yards and situated at 15, Jagnath Plot, Rajkot and fully described in the sale deed registered vide No. 3171/75 dated 15-9-1975 by Sub-Registrar, Rajkot.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 11-5-76.

(1) M/s. Worah Construction Co., 7, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-830009, the 11th May 1976

No. Acq. 23-I-1017(370)/15-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, Jagnath Plot, situated at Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on 1-9-1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .—

30-96GI/76

(2) (i) Shri Mahendra Gauri Shankar,(ii) Shri Ramesh Gaurishankar, 2, Jagnath Plot,Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 307-2 sq. yards & situated at 15, Jagnath Plot, Rajkot and fully described in sale deed registered vide No. 2879/75 dated 1-9-1975 by Sub-Registrar, Rajkot.

J. KATHURIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 11-5-1976

(1) Shri Mukeshchandra Shantilal Shah, Nagarshethni vando, Near Old Civil, Ahmedabad.

Shankuntala Society, Usmanpura, Ahmedabad.

(2) Vishal Co-op. Housing Society, Ltd., through—Shri Shashikant Himatlal, (Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, 11th May 1976

No. Acq. 23-I-1005(353)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Final Plot No. 721, Sub-Plot No. 3+4/1, TPS No. 3 situated at Chhadawad, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely: —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 442 sq. yards bearing Final Plot No. 721, Sub-Plot No. 3+4/1 of TPS No. 3, situated at Chhadawad, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 11-5-1976

Sen1:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th May 1976

No. Acq. 23-1-686(354)/16-6/75-76,—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 24/25 Part, Plot No. 21, to 52 situated at Village Mavdi, Taluka Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on September 1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 M/S. Bhupatram Shivram (R.F.) through Partner Shri Bhupatram Shivram, Dhebar Road, Rajkot.

(Transferor)

 Punitnagar Co-op. Housing Society Ltd., Mavdi Taluka Rajkot. through, Shri Sevaram Gopaldas,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 21376-7-0 sq. yards (excluding roads and common space), bearing Survey No. 24/25 (Part), Plot Nos. 21 to 52, situated at Village Mavdi, Taluka Rajkos.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 11-5-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFIFCE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 10th May 1976

No. Acq. 23-I-792(355)/I-I/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 233, Sub-Plot No. 2-A, Final Plot No. 256-257 Part, TPS 3 situated at opp: Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- M/s. Nirmal Land Corporation firm through its partner.
- (1) Bharatkumar Sitaram Dehliwala, Paldi, Ahmedabad.
- (2) Radheshyam Parmanent, trustee, for & on behalf of the Trust Hemant Radheshyam, Jalvihar Soc., Navrangpura, Ahmedabad.
- Naresh Rajaram, Ashram Road, Girldhar Soc., Ahmedabad.
- (4) Bhuralal Harjivandas, HUF, Jainwadl, Manekchowk, Ahmedabad.

- Rameshchaudra Bhuralal, Jainwadi, Manckchowk, Ahmedabad.
- (6) Ramanlal Someshwar Dave, HUF, Darshan Soc., Navrangpura, A'bad.
- Sailesh Ramanial Dave, Darshan Soc. Navrangpura, Ahmedabad.
- (8) Manjulaben Chinubhai Shah, Maninagar Vakil Vadi, Ahmedabad.
- (9) Indumati Rasiklal Shah, Bhalakya Bus Stand, Maninagar, Ahmedahad.
- (10) Sitaram Parmanand, Padam Prabhu Society, Paldi, Ahmedabad.
- (11) Lilawati Thakurbhai, Bhulabhai Park, Maninagar, Ahmedabad.
- (12) Jasodaben Natwarlal Shah, Shalibaug, Camp, Sadar Bazar, A'bad.
- (13) Rajesh Balubhai Shah, Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shreyas Shopping Centre Owners' Association, through— Secretary, Shri Mahendrakumar Nathalal, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

(3) The Central Excise Deptt., Ahmedabad.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property, consisting of 2nd floor, standing on land admeasuring 3000 sq. yards bearing Survey No. 233, Final Plot No. 256-257 Part, Sub-Plot No. 2-A, TPS No. 3, and situated opposite Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 10-5-76

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 10th May 1976

No. Acq. 23-I-1009(359)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 209-1, 209-2, Final Plot No. 269-A, Sub-Plot No. 6B of TPS No. 14 situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bharatkumar Chinubhai Banker, Madhuvan Dafnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dip Jemini Co-op. Housing Society (Proposed) Sheh Colony, Out-side Shahpur Gate, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 553 sq. yards bearing S. No. 209-1, 209-2, Final Plot No. 269-A, Sub-Plot No. 6B of TPS No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Shahibaug, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 10-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1976

No. Acq. 23-1-769(360)/1-1/75-76.—Whereas, 1, J, Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 354 of Rakhial, situated at Rakhial, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 25-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Santram Chandrashekar Sheth, Administrator of will made by Smt. Dhanalaxmi, daughter of Shri Jamnadas Balakdas, Out-side Panchkuva Gate, Dhanalaxmi Market, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Shree Rakhial Dhanalaxmi Co-op. Housing Society, through its Chairman, Shri Arvindkumar Bhagwandas Patel, Rakhial, Ahmedabad, Scoretary: Shri Rasiklal Rambhai Patel, Krishnanagar, Saraspur, Ahmedabad. father of (a) Kum. Vishruti Sajit Bakshi, (b) Mohnish Sajit Bakshi, Minors 2-A, Bank of Baroda Colony, Nr. Prabhudas Thakkar College, Ahmedabad, Paldi, Ahmedabad.
(2) Shri Santram Chandrashekhar Sheth, guardian and

guardian and

- (2) Shri Santram Chandrashekhar Sheth, guardian and father of (a) Kum. Bindra Santram, (b) Kum. Jigisa Santram, Out-side Panchkuva Gate, Dhanalaxmi Market, Ahmedabad.
- (3) Smt. Shreedevi, Khadia, Golwad, Ahmedabad.

(1) Shri Sajit Ramesh Chandra Bakshi,

- (4) Kum. Sangeota Damodhar Dave, Khadia, Golwad, Ahmedabad.
- Shri Sanjay Damodhar Dave, Khadia, Golwad, Ahmedabad.
- (6) Smt. Bhagwati Gautam Kantaria, self and as guardian of (a) Shreenand Gautam Kantaria (Minor), (b) Soubhagya Gautam Kantaria (Minor), Khadia, Golwad, Ahmedabad.
- (7) Smt. Janakanandini Ramesh Mishra, Khadia, Golwad, A'bad.
- (8) Shri Ramesh Anantkumar Mishra, father and guardian of (a) Kum. Pinnu Ramesh Mishra, (b) Kum. Arpana Ramesh Mishra, Khadia, Golwad, Ahmedabad.
- (9) Shri Santram Chandrashekar Sheth, self and as guardian of Netal Santram Sheth (Minor).
- (10) Smt. Ramalaxmi Chandrashekar Sheth.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 354 of Rakhial, Admeasuring 16214 sq. yards situated at Rakhial, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1976

No. Acq. 23-I-770(361)/1-I/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 505, 506, 507-2-3, Odhav, Ahmedabad situated at Odhav. Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Ahmedabad on 25-9-1975,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Santram Chandrushekar Sheth, Administrator of will made by Smt. Dhanalaxmi, daughter of Shri Jamnadas Balakdas, Out-side Panchkuva Gate, Dhanalaxmi Market, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rakhial Dhanalaxmi Co-op Hg. Soc. Ltd., Rakhial, Ahmedabad through its Chairman: Arvindkumar Bhagwandas Patel, Rakhial, Ahmedabad, Secretary: Rasiklal Rambhai Patel, Krishnanagar, Saraspur, Ahmedabad.

(Transferee)

 Shri Santram Chandrashekar Sheth, for self and as guardian and father of Netal Santram Sheth (Minor) Outside Panchkuva Gate, Dhanalaxmi Market, Ahmedabad.

- (2) Smt. Ramalaxmi Chandrashekar Sheth, Khadia Golwad, A'bad.
- (3) Smt. Janaknandini Ramesh Mishra, Khadia, Golwad, Ahmedabad.
- (4) Shri Sajit Romeshchandra Bakshi as guardian and father of (a) Kum. Vishruti Sajit Bakshi (Minor) (b) Kum, Mohnish Sajit Bakshi (Minor) Bank of Baroda Staff Colony, Nr. Prabhudas Thakkar College, Paldi, Ahmedabad.
- (5) Shri Santram Chandrashekar Sheth, as father and guardian of—(a) Kum. Bindra Santram Sheth (b) Kum. Jigisa Santram Sheth, Out-side Panchkuva Gate, Dhanalaxmi Market, A'bad.
- (6) Shreedevi Damodar Dave, Khadia Golwad, Ahmedabad.
- Ku. Sangceta Damodar Dave, Khadia Golwad, Ahmedabad.
- (8) Sanjay Damodar Dave, Khadia Golwad, Ahmedabad.
- (9) Bhagwati Gautam Kantaria, Khadia Golwad, Ahmedabad, self and as guardian and mother of (a) Shreenand Gautam Kantaria (Minor), (b) Soubhagya Gautam Kantaria, (Minor).
- (10) Shri Ramesh Anantkumar Mishra, as guardian and father of—(a) Kum. Pinnu Ramesh Mishra (Minor)(b) Kum. Appana Ramesh Mishra (Minor).

Objections, if any, to the acquisition of the gaid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An immovable property standing on land bearing Survey No. 505, 506, 507-2-3 of Odhav, admeasuring 19386 sq. yards situated at Odhav, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1976

No. Acq. 23-I-1010(362)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Survey No.1330-1 Sub-Plot No. B stituted Near Vastrapur Railway Station, Vejalpur, Ahmedabad,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mafatji Ramtuji, Vejalpur, Ahmedabad.
  (Transferor)
- (2) Smt. Hansaben Babulal Chauhan, Vallabhacharya Society, Near Jivraj Park, Ahmedabad.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3991 sq. yards bearing Survey No. 1330-1, Sub-Plot No. B and situated near Vastrapur Rly. Station, Vejalpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-5-1976

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION R'ANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1976

No. Acq. 23-I-1011 (363)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 1330-1, Sub-Plot No. A situated Near Vastrapur Rly. Station, Vejalpur, Ahmedabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ahmedabad on 10-9-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any indome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

31--96 GI/76

- (1) Shri Mafatji Ramtuji, Vejalpur, Ahmedabad.
  (Transferor)
- (2) Smt. Bhagwantiben Babulal, Vallabhacharya Society, Near Jivraj Park, Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3991 sq. yards and bearing Survey No. 1330-1, Sub-Plot No. A and situated near Vastrapur Rly. Station, Vejalpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1976

No. Acq. 23-I-1012(364)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 330-A, Part-I & 2, situated at Vasna, Ahmedabad.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Popatbhai Ashabhai Patel, Vasna, Ahmedabad.
  (Transferor)
- (2) Arihant Co-op. Housing Society Ltd., through Chairman: Shri Jitendra R. Patel, Parshwanath Nagar, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Sale of tenancy rights by two registered deeds, as per the following details:—

S. No.	Rogn. No	Date	Description of property,	Arca	Consideration, Rs.
1.	13494	10-9-75	Sur. No. 330- A Part-2, Va- sana, Ahme- dabad.	1179,75 Sq. yard.	
2.	13500	10-9-75	Sur. No. 330- A Part-1,	1179,75	33,033/-
			Vasana, Ahmedabad,	sq. yds.	

I. KATHURIA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-5-1976

Seal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th May 1976

No. Acq. 23-I-1013(365)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Survey No. 331+330-B, situated at Vasna, Ahmedabad, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 10-3-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Madhuben Popatbhai Patel, Vasna, Ahmedabad.
  (Transferor)
- (2) Arihant Co-op. Housing Society Ltd., through Chairman: Shri Jitendra R. Patel, Parshwanath Nagar, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Sale of permanent tenancy rights by two registered deeds as per the following details:—

S. No.	Regn. No.	Date	Description of property	Land area	Conside- ration Rs.
1.	13497	10-9-75	Sur. No. 331, Vasna Ahmedabad.	1452 sq.yds.	40,656/-
2.	13498	10-9-75	Sur. No. 330-B Vas- na, Ahmedabad.		25,410/-

J. KATHURIA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1976

No. Acq. 23-I-1018(371)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 197-2 and 197-1-2 situated at Memnagar, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amritlal Ambalal Patel, Power of Attorney Holder of Shri Kalidas Bechardas Patel, Achalyatan Society, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Parveenbhai Chunibhai Patel, Dinesh Nagar Society Naranpura, Near Railway Crossing, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Memnagar, Ahmedabad and transferred vide two sale documents as per details given below:—

S. Document No./ No. Date		Area	Considera- tion	Survey No.
1.	10945/2-9-1975	1179 sq. yds.	Rs. 29,475/-	197-2 & 197-1-2
2.	10946/2-9-1975	1180·5 sq. yds.	Rs. 29,512/-	197-1-2

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1976

No. Acq. 23-I-1019(372)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 116 & 117, FP No. 338-2, TPS 19 situated at Navrangpura, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-9-975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Mrudulla Anilkumar Shah, P-34, India Exchange Palace, Shah House, Calcutta-1.

(Transferor)

(1) (i) Anilkumar Girdharlal Shah,

(ii) Alok Anilkumar Shah,

(iii) Nikhilesh Anilkumar Shah, 334, India Exchange Palace, Shah House, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3/4th of 1058 sq. yards i.e. 793 sq. yds or thereabout, bearing Survey No. 116 & 117, Final Plot No. 338-2, TPS 19, situated at Navrangpura; Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1976

No. Acq. 23-I-1020 (373)/1-1/75-76.—Whereas, J. J. Kathuria.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 10, Final Plot No. 119, TPS No. 3, situated at Navrangpura, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registeriug Officer Ahmedabad on 22-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. P. Kamat, firm, through its partners—(i) Shri M. P. Kamat, and Shri D. P. Kamat, Ellis Bridge, Ahmedabad.

  (Transferor)
- (2) Santosh Benefit (P) Ltd., through Managing Director, Shri J. G. Varghese.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

An immovable property being Shop No. 10 of Embassy Market, Final Plot No. 119, TPS 3, with constructed area of 980 sq. ft. and situated at Navrangpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 12-5-1976

(1) Smt. Padmini Bipinchandra Shah P-34, India Exchange Palace, Shah House, Calcusta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bipinchandra Girdharlal Shah, Himansu Bipinchandra Shah, and Bharat Bipinchandra Shah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th May 1976

No. Acq. 23-I-1021(374)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Survey No. 116 & 117, Final Plot No. 338-1, TPS No. 19

situated at Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-9-1975,

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3/4th of 1059 sq. yds. i.e. 794 sq. yards or thereabout bearing Survey No. 116 & 117, Final Plot No. 338-1, TPS No. 19, situated at Navrangpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-5-1976

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1022(375)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 197-1-1

situated at Memnagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shankarlal Mohanlal Patel,
  - Rameshchandra Atmaram & Others, Mithakhali, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Indiraben Navnitbhai Patel, Dinesh Nagar Society, Naranpura, Nr. Railway Crossing, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 197-1-1 of Memnagar, Ahmedabad, transfered vide two sale deeds as per details given below:—

S. Document No/ No. Date		Consideration	Area		
1. 10943/2	-9-1975 R	s. 32,150-15	1/2 of 2359·5 sq.		
2. 10944/2	2-9-1975 R	s. 32, 150-15	yds, do		

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-5-1976

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1023(376)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 9, Final Plot No. 292, Sub-Plot No. 11 & 12, TPS No. 27, situated at Amraiwadi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 1-9-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32-96GI/76

 Mangalgauri & Others, Shitalbaug, Mithakhali, Ahmedabad

(Transferor)

 Jagdish Trading Co. C/o. Jagdishchandra Chhaganlal, Ranchhodjini Pole, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferce)

(4) Khokhra Shopping Centre Co-op. Housing Society, Ahmedabad.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No 9 Final Plot No. 292 of TPS No. 27, and situated at Amraiwadi, Ahmedabad and transferred vide two sale documents as per the following details:—

S. Document No./ No. Date		Sub-plot No.	Arca	Conside- ration
1.	11778/1-9-75	12	1444 on actual mea-	Rs. 44, 800/-
2.	11779/1-9-75	11	surment F	ts. 32,928/-

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-5-1976

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1024(377)/I-1/75-76,—Whereas, I. J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinaster referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey No. 72-1 & 72-2-A, FP No. 213, 214, Sub-Plot No. 8 TPS 8, situated at Asarwa, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely;—

 Shri Virendra Bababhai. Near Govt. Godowns, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Somabhai Harjivandas Patel, Prabhunagar Society, Asarwa, Ahmedabad

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 639 sq. yards bearing Survey No. 72-1, & 72-2-A, Final Plot No. 213, 214, Sub-Plot No. 8 of TPS No. 8 & situated at Asarwa, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 14-5-1976

Scal;

 Saros Dhanji Shah Katpitia.
 Pirajbai Dhanji Shah Katpitia.
 Dr. Ankleshwaria's Compound, Behind Railway Station, Ahmedabad-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE 1NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1025(378)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey No. 323, Hissa No. 36, FP No. 252, Sub-Plot No. B & A TPS 24, situated at Khokhra Mehmdabad, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 23-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Shriji Corporation (firm) through partner; Shri Narendra Mohanlal Talati, Jivanpran Society. Bhairavnath Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objectons, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 323, Hissa No. 36, Final Plot No. 252, TPS 24 and situated at Khokhra Mehmdabad. Ahmedabad & transferred vide two sale deeds as per details given below:—

S. No	Document No./ Date	Sub-plo	t Area	Appa sid	rent Con- leration
	14433/22-9-1975 14434/22-9-1975	В	907,5 sq. yds. 907.5 sq. yds.		47,190/- 47,190/-

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 14-5-1976

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### 2, Madhavbaug Society, Behind Bhulabhai Park, Gita Mandir Road, Ahmedabad

(1) Shri Kantilal Keshavlal Shah,

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1026(379)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sub-Plot No. 3, Final Plot No. 381+382, TPS 21,

situated at Paldi. Ahmedabad

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 6-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Bhagwatprasad Sakalchand Shah, for himself and as karta of H.U.F. 1200, Mandvini Pole, Devni Sheri Ahmedabad.

(Transferee)

Objectons, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 469 sq. vards and bearing Sub-Plot No. 3, Final Plot No. 381 + 382, of TPS 21, and situated near C. N. Vidyalay Paldi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 14-5-1976

Shri Jivanlal Manilal Gor.
 Unnati Udyan, Jasadanagar Road,
 Khokhra Mehmdabad,
 Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1027(380)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 371, Final Plot No. 280, Sub-Plot No. 60, TPS 25, situated at Khokhra Mehmdabad, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 6-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act the following persons, namely:—

(2) Ambica Corporation (firm) through Partner—Shri Bhailalbhai Shankarbhal Patel, & Others, 2223, Bachuvas Pole, Raipur Chakla, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 800 sq. yards and bearing Survey No. 371, Final Plot No. 280, Sub Plot No. 60, TPS No. 25, and situated at Khokhra Mehmdabad, Ahmedabad

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 14-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1028(381)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Impome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 39-A, Sub-Plot No. 23 situated at Narayannagar Society, Paldi, Ahmedabad (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Vinodchandra Jethabhai, Paladi, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Krishnavati wife of Bhagwandas Khanchand,
  - Bharatkumar Khanchand, minor through his guardian, Shri Khanchand Jindaram, Laxmi Colony, Kankaria, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1173 sq. yards bearing S. No. 39-A Sub-Plot No. 23, situated at Narayannagar Society. Paladi, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 14-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 15th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1029(388)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 81/A, Sub-Plot Nos. 1

situated at Memnagar, Near Drive-in Cinema, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Haribhai Purshottamdas Patel, v. Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Saumil Flats Co-op. Housing Society Ltd. C/o. Kanubhai Bhagubhai Patel, Ami Corporation, 5 Royal Apartments, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring in all 2500 sq. yards bearing Survey No. 81/A, Sub-Plot No. 1. & situated at Memnagar, near Drive-in Cinema, Ahmedabad and transferred vide two documents as per details given below:—

S. N.	Document No./ Date	Area	S.P. Sur		Con rati	side- on
						Rs.
1.	12566/10-9-1975	1250 sq.yds.		No. 1, No.81/A	41,	250/-
2.	12586/10-9-1975	1250 sq.yds.	S. P.	No. 1, No.81/A	41	,250/-

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-5-1976

#### FORM ITNS----

 Shri Motilal Chamanlal Patel, V. Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1030(389)/1-1/75-76.—Whereas I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 81/A, Sub-Plot No. 8,

situated at Memnagar, Near Drive-in Cinema Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 10-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor 10 pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).
- Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Saumil Flats Co-op. Housing Society Ltd. C/o. Kanubhai Bhagubhai Patel, Ami Corporation, 5 Royal Apartments, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 833 sq. yards bearing Survey No. 81/A, Sub-Plot No. 8 & situated at Memnagar, Near Drive-in Cinema, Ahmedabad,

J. KATHURIA

Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-5-1976

(1) Shri Chandulal Chimanlal Patel. V. Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Saumil Flats Co-op. Housing Society Ltd. C/o. Kanubhai Bhagubhai Patel, Ami Corporation, 5 Royal Apartments, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1031(390)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 81/A. Sub-Plot No. 6

situated at Memnagar, Near Drive-in Cinema, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—96GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saidimmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1250 eq. yards bearing Survey No. 81/A, Sub-Plot No. 6 & situated at Memnagar, Near Drive-in Cinema, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-5-1976

Savitaben Haribhai Patel,
 Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1032(391)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA.

being the Competent Authority under

Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 81/A, Sub-Plot No. 4

situated at Memnagar, Near Drive-in Cinema, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ahmedabad on 10-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(2) Saumil Flats Co-op. Housing Society Ltd-C/o. Kanubhai Bhagubhai Patel, Ami Corporation, 5 Royal Apartments, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring in 2500 sq. yards bearing Survey No. 81/A, Sub-plot No. 4 & situated at Memnagar, Nr. Drive-in Cinema, Ahmedabad and transferred vide two documents as per details given below:—

S. Document No. Date	No./	Area		\$. P. N Sur. N	•	Considera tion
1. 12589/10-9-	1975	1250 sq.	yds.	4	Rs.	41,250/-
2. 12568/10-9-	1975	1250 sq.	yds.	4	Rs.	41,250/-

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1033(392)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 81/A, Sub-Plot No. 9,

situated at Memnagar, Near Drive-in Cinema Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Jayaben Motilal Patel, v. Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Saumil Flats Co-op. Housing Society Ltd. C/o. Kanubhai Bhagubhai Patel, Ami Corporation, 5 Royal Apartments, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 833 sq. yards bearing Survey No.  $81/\Lambda$ , Sub-Plot No. 9 & situated at Memnagar, Nr. Drive-in Cinema, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-5-1976

(1) Bachubhai Chimanlal Patel, v. Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th May 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1034(393)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 81/A, Sub-Plot No. 14 situated at Memnagar, Nr. Drive-in Cinema, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act
   in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Saumil Flats Co-op. Housing Society Ltd., C/o. Kanubhai Bhagubhai Patel, Ami Corporation, 5 Royal Apartments, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 625 sq. yards bearing Survey No. 81/A, Sub-Plot No. 14 & situated at Memmagar, Nr. Drive-in Cinema, Ahmedabad.

J. KATHURIA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-5-1976